जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 134 प्रभात चूरू, बुधवार 10 सितम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विपक्ष व सत्ता पक्ष, दोनों के लिए चेतावनी हैं, उपराष्ट्रपति के चुनाव के नतीजे

विपक्ष के लिए कष्टदायक बात यह है कि, नवीन पटनायक की बीजेडी, तेलंगाना की बी. आर. एस. व पंजाब का अकाली दल अभी भी भाजपा की ''बी'' टीम जैसे ही काम कर रहा है

- रेनु मित्तल -

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 9 सितम्बर। भाजपा के सी. पी. राधाकृष्णन भारत के नए उपराष्ट्रपति बने हैं। उन्होंने जगदीप धनखड़ की जगह ली है, जिन्होंने रहस्य और सस्पेंस के बीच अज्ञात कारणो से पद छोड़ दिया था।

एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन की इस चुनावी जंग में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी खेमे में क्रॉस वोटिंग की खबरें रहीं।

विपक्षी सांसद पूरी तरह मौजूद रहे और सभी 315 सांसदों ने वोट डाला।

लेकिन विपक्ष को केवल 300 वोट मिले। 15 वोट अमान्य हो गए और क्रॉस वोटिंग की चर्चा भी रही।

- इन पार्टियों ने, पहले की भांति वोट न करने का निर्णय लेकर, भाजपा को मूक समर्थन दिया है।
- भाजपा के लिए भी चिन्ता का विषय है कि, कई पार्टियां एन. डी. ए. से दूर होती जा रही हैं, और जो भाजपा के साथ बनी हुई हैं, वे मन से साथ नहीं, किसी न किसी मजबूरी के कारण जुड़ी हुई हैं।
- चर्चा है कि, भाजपा और तेलुगुदेशम पार्टी के बीच सम्बंध ''ठीक'' नहीं है और कभी भी विस्फोट हो सकता है।
- विपक्ष, पर इस बात से खुश है, कि उसके उम्मीदवार को इस बार जितने वोट मिले,अब तक किसी उपराष्ट्रपति चुनाव में नहीं मिले। पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवार मारग्रेट अल्वा, अब तक के सबसे कम वोट मिले, तथा एन. डी. ए. के उम्मीदवार धनखड़ को अब तक के अधिकतम वोट मिले थे।
- हालांकि, भाजपा ने अपने प्रत्याशी को जिता तो लिया, पर गत चुनाव की तुलना में उसके प्रत्याशी को मिले वोट कम हुए हैं।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कम से कम 15 विपक्षी सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की।

फिर भी विपक्ष के लिए अच्छी खबर यह रही कि उसे किसी भी उपराष्ट्रपति चुनाव में अब तक के सबसे ज्यादा वोट मिले, जबकि पिछले चुनाव में विपक्ष (मार्गरेट अल्वा) को सबसे कम और एनडीए (जगदीप धनखड़) को सबसे ज्यादा वोट मिले थे।

नवीन पटनायक की बीजेडी, तेलंगाना की बीआरएस और पंजाब के अकाली दल ने मतदान से दूरी बनाई। इस वजह से उन पर आरोप लगा कि वे भाजपा की 'बी टीम' हैं और पहले की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्लूटूथ से नकल करने वाले को जमानत नहीं

जयपुर, 9 सितंबर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय ने राजस्व अधिकारी और अधिशाषी अधिकारी भर्ती-2022 परीक्षा में नकल करने वाले आरोपी ओमप्रकाश कस्वां को जमानत पर रिहा करने से इन्कार कर दिया है। पीठासीन अधिकारी बीएल चंदेल ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा के समय आरोपी ने ब्लूटूथ के जरिए नकल कर परीक्षा की दी थी। वर्तमान में ऐसे प्रकरण बढ़ते जा रहे हैं और इससे मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है।

जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे

- ओमप्रकाश कस्वां पर राजस्व अधिकारी व अधिशासी अधिकारी भर्ती-2022 परीक्षा में नकल करने का आरोप है।

प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। वह इस परीक्षा में परीक्षार्थी ही नहीं था और ना ही यह परीक्षा उसने पास की थी। इसके अलावा किसी अभियुक्त की सूचना मात्र के आधार पर प्रार्थी को घटना में लिप्त किया जाना उचित नहीं है। प्रकरण के कई आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है, ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में जन आक्रोश का विशेष लक्ष्य ''कम्युनिस्ट'' नेता हैं

प्र.मंत्री के. पी. शर्मा ओली, जो चीन के पिछलग्गू माने जाते हैं, को चोरी छिपे भागकर बचना पड़ा, और अंत में इस्तीफा देने के लिए मजबूर हुए

- अंजन रॉय -

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 9 सितम्बर। श्रीलंका और बांग्लादेश की पुनरावृत्ति भारत के तीसरे पड़ोसी देश नेपाल में देखने को मिल रही है। नेपाल में बडे पैमाने पर हुई हिंसा ने सरकार को उखाड़ फेंका है और स्थिति अब भयावह होती जा रही है।

नेपाल की स्थिति भारत के लिए विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि उत्तर में नेपाल की सीमा चीन से लगती है। कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया है। यदि स्थिति और बिगड़ती है, तो भारत को हस्तक्षेप के उपाय करने पड़ सकते हैं।

प्रधानमंत्री ओली, जिन्हें चीनी समर्थक माना जाता है, अब छिप गए हैं। यह भी खबर है कि कुछ प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय शक्तियाँ इन जनविद्रोहों के पीछे सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

यह विरोध सत्ता में बैठे और पूर्व राजनीतिक नेताओं के प्रति गुस्से और घृणा का तीव्र जनप्रदर्शन है। अब यह

- पुष्प कमल दहल, जो कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, का मकान जला दिया गया। नेपाल के वित्त मंत्री को पकड़ कर, सड़क पर मार-मार कर दौड़ाया गया।
- युवा पीढ़ी (जनरेशन ज़ैड), यह देखकर काफी कुंठित और आक्रोश में थी कि कैसे मुट्ठी भर परिवार व स्थापित राजनीतिज्ञ, स्विट्जरलैंड, इंग्लैंड और दुबई में गुलछर्रे उड़ा रहे हैं।
- हालांकि, लगता तो ऐसा है कि, यह विद्रोह नेतृत्व विहीन व दिशा विहीन है पर, इतने बड़े आंदोलन को हवा देने व पनपाने के पीछे विश्व की बड़ी-बड़ी ताकतें हैं।

जनक्रोध सत्ता और अधिकार के हर प्रतीक को नष्ट करने में लगा है।

हालाँकि, यह आंदोलन नेताविहीन है और पूरी तरह से जनता का स्वत:स्फूर्त आक्रोश है। अभी यह पूर्ण रूप से अनिश्चित है कि इस वैकल्पिक सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।

देश अब अराजकता की ओर बढ़ रहा है, और काठमांडू की सड़कों पर जो दृश्य सामने आ रहे हैं, वे पूर्ण अराजकता और कानून के अभाव को दर्शाते हैं।

एक पूर्व मंत्री की पत्नी को ज़िंदा जला दिया गया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता पुष्प कमल दहाल के घर को आग के हवाले कर दिया गया। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को गुपचुप ढंग से देश छोड़कर भागना पड़ा। नेपाल के वित्त मंत्री को पकड़ कर सड़कों पर घसीटा गया। अन्य नेताओं को भी खदेड़ दिया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन. डी. ए. के प्रत्याशी सी पी राधाकृष्णन भारत के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित

राधाकृष्णन को 452 और विपक्ष के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले

- जाल खंबाता -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। तीन दलों के बारह सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूरी बनाए रखी।

मंगलवार को उप-राष्ट्रपति पद के लिए मतदान चल रहा था, जिसमें सांसदों को एनडीए के सी.पी. राधाकृष्णन (महाराष्ट्र के राज्यपाल) और इंडिया ब्लॉक के जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी (सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश) के बीच चयन करना था।

ज्ञातव्य है कि तीन राजनीतिक दलों ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे इस चुनाव का बहिष्कार करेंगे। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के कारण हुआ।

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अगुवाई वाली बीजू जनता दल (बीजेडी) ने घोषणा की कि उनके सांसद उप-राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

- चर्चा रही कि 19 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की है। क्रॉस वोटिंग की चर्चा ने विपक्ष की एकजुटता के दावों की हवा निकाल दी
- बीजू जनता दल, बी आर एस और शिरोमणि अकाली दल के 12 सांसदों ने मतदान का बहिष्कार किया।
- बीजू जनता दल के पाले में 7, बी आर एस के चार और अकाली दल के खेमे में एक सांसद हैं।

पार्टी ने कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस-नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक, दोनों से "समान दूरी बनाए रखने" की नीति के तहत लिया गया है। बीजेडी के पास राज्यसभा में सात सांसद हैं - निरंजन बिशी, सुलता देव, मुजीबुल्ला खान, सुभाशीष खुन्टिया, मानस रंजन मंगराज, सस्मित पात्रा, और देबाशीष सामंतराय। लोकसभा में पार्टी का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर इंडिया व इंडिगो ने नेपाल की उड़ानें रद्द की

नयी दिल्ली, 09 सितंबर। नेपाल में बिगड़े हालात के मद्देनजर भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।

टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और

- काठमांडू की कानून व्यवस्था की स्थिति तथा हवाई अड्डा बंद किए जाने के कारण यह कदम उठाया गया।

काठमांडू के बीच आज की अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि एयरलाइंस स्थिति पर नजर रखे हुये है और आगे अपडेट साझा किये जायेंगे। एयर इंडिया की दिल्ली से काठमांडू के लिए आज चार उड़ानें थीं, जिन्हें रद्द कर दिया गया। वापसी की उड़ानें भी रद्द कर दी गयी हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में बताया कि उसने काठमांडू में मौजूदा स्थिति और वहां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल के प्र.मंत्री ने इस्तीफा दिया, सेना के हैलीकॉप्टर में भागे

नेपाल के मंत्रियों ने भी इस्तीफे दिए और कहा, सरकार के साथ खड़े रहना संभव नहीं

- जाल खंबात -

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 9 सितम्बर। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को घातक भ्रष्टाचार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि देश की सड़कों पर अराजकता फैल गई थी।

सैकड़ों लोग प्रशासन में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद (यानी शक्तिशाली पदों पर बैठे लोगों के बच्चों को अनुचित लाभ दिए जाने) के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए।

यह घटनाक्रम गत दो दिनों की हिंसक झड़पों के बाद सामने आया, जिनमें 19 लोग मारे गए। जैनरेशन ज़ी द्वारा शुरू किए गए इन प्रदर्शनों की शुरुआत सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध से हुई थी, लेकिन बाद में इनका केंद्र भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध और ओली के इस्तीफे की मांग बन गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों के साथ ही प्रधानमंत्री ओली और राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निजी आवासों को भी आग के हवाले कर दिया।

- सोमवार को ही ओली की तरफ से कहा गया था वे इस्तीफा नहीं देंगे और सोशल मीडिया से बैन भी नहीं हटाएंगे, इसके बाद जनाक्रोश और भड़क गया। उग्र युवाओं ने राष्ट्रपति पौडेल और प्रधानमंत्री ओली के निजी आवासों में आग लगाई।
- कई मंत्रियों को पीटा गया, पूर्व मंत्रियों व नेताओं को भी जनता बख्श नहीं रही है।

प्रधानमंत्री ओली के सहयोगी प्रकाश सिलवाल ने रॉयटर्स को बताया कि प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। ओली को एक सैन्य हेलीकॉप्टर से काठमांडू छोड़ते हुए देखा गया।

मंगलवार सुबह ओली ने सभी नेपाली राजनीतिक दलों की एक बैठक की अध्यक्षता की और कहा, "हिंसा राष्ट्र के हित में नहीं है।" उन्होंने कहा, "हमें शांतिपूर्ण संवाद के ज़रिए इस समस्या का समाधान सुनिश्चित करना होगा।"

आन्दोलनकारी प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा मांग रहे थे।

हालांकि, नेपाल में प्रधानमंत्री का इस्तीफा देने का मतलब यह नहीं है कि सरकार स्वत: गिर गई है। ओली नेपाल के कार्यकारी प्रमुख थे, लेकिन सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल हैं। एन.टीवी को सूत्रों ने बताया कि अब देखना यह है कि राष्ट्रपति पौडेल भी इस्तीफा दें और सरकार पूरी तरह से गिर जाए।

फिलहाल, नेपाल सरकार का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है।

नेपाल के मंत्रियों ने यह कहते हुए इस्तीफा देने शुरू कर दिया कि- "सरकार के साथ खड़ा रहना अब संभव नहीं।"

नेपाल के मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ ने मंगलवार को कहा था कि प्रधानमंत्री ओली इस्तीफा नहीं देंगे, हालांकि काठमांडू में लगातार दूसरे दिन बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे थे - पहले सोशल मीडिया ऐप्स पर प्रतिबंध और फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ। इस बीच कुछ मंत्रियों ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

हालांकि बाद में दिन में ओली ने जनता के दबाव में आकर इस्तीफा दे दिया।

प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए सार्वजनिक सभा पर लगी रोक को नज़रअंदाज़ किया और सुबह से ही कालनकी इलाके में टायर जलाकर सड़कों को जाम कर दिया। उन्होंने नारे लगाए "केपी चोर, देश छोड़" "भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई करो"।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के बाद राहुल भी पंजाब, हिमाचल का दौरा करेंगे

नयी दिल्ली, 09 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बाढ़ ग्रस्त हिमाचल और पंजाब का दौरा करेंगे।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, गांधी की यात्रा का समय अभी निश्चित नहीं हुआ

- दौरे की तिथि अभी तय नहीं है, पर यह इसी सप्ताह होगा।

है, लेकिन वे इसी सप्ताह हिमाचल प्रदेश और पंजाब जाएंगे और वहां बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि गांधी बाढ़ की स्थिति पर बराबर नजर रखे हुए हैं और उनका कहना है कि वे पीड़ितों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनका कहना था कि गांधी बाढ़ की स्थिति को लेकर बराबर हिमाचल सरकार के संपर्क में है। यह पूछने पर कि क्या गांधी बाढ़ पीड़ित उत्तराखंड भी जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि इसकी अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

'धर्म परिवर्तन कराया तो 7 से 14 साल की जेल और 5 लाख रु. का जुर्माना देना होगा'

राजस्थान विधानसभा में धर्मान्तरण के विरोध में बेहद सख्त बिल पारित हुआ

जयपुर, 9 सितंबर । राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को, जबरन, छलपूर्वक या प्रलोभन देकर कराए जाने वाले धर्म परिवर्तन को रोकने के उद्देश्य से लाया गया, राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025, विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच पारित हो गया। सत्ता पक्ष को इस विधेयक को पारित कराने में निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन मिला, जबकि कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने चर्चा से किनारा करते हुए सदन में शोर-शराबा किया और बाद में वॉकआउट कर दिया।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए इसे समाज में समरसता बनाए रखने और खासकर कमजोर तबकों की सुरक्षा के लिए एक "जरूरी और समयानुकूल कदम" बताया। उन्होंने कहा कि यह कानून न केवल धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करेगा, बल्कि उन सुनियोजित प्रयासों पर भी लगाम लगाएगा, जिनके माध्यम से वर्षों से गरीब, वंचित और अशिक्षित लोगों को डर, लालच, या झूठे वादों के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जाता रहा है।

विधेयक में जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दोषियों को 7 से 14 साल तक की सजा और 5 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं, यदि पीड़ित अल्पवयस्क, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या दिव्यांगजन है, तो सजा 10 से 20 साल और जुर्माना 10 लाख रुपये तक हो सकता है। सामूहिक धर्म परिवर्तन कराने पर दोषियों को आजीवन

- विधेयक के अनुसार अल्पसंख्यक, दिव्यांग, महिला या अनुसूचित जाति व जनजाति का धर्मान्तरण कराने पर 10 से 20 साल की सजा और 10 लाख जुर्माना का प्रावधान है, सामूहिक धर्मान्तरण पर आजीवन कारावास और 25 लाख रु. के जुर्माना देना होगा।
- विपक्ष के भारी हंगामे के बीच भाजपा सरकार ने विधेयक पारित कर दिया।

कारावास और कम से कम 25 लाख रुपये जुर्माना देना होगा।

इसके अलावा यदि कोई व्यक्ति विदेशी या अवैध संस्थाओं से धर्मांतरण के लिए धन प्राप्त करता है, तो उसे 10 से 20 साल की कठोर सजा और 20 लाख रुपये जुर्माना भुगतना होगा। विवाह, धमकी या अन्य छलपूर्ण साधनों से धर्म परिवर्तन कराने वालों के लिए भी आजीवन कारावास और 30 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। विधेयक के अनुसार, दोहराव करने वाले दोषियों को 50 लाख रुपये तक का जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है।

धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को धर्म बदलने से 90 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा। इसके उल्लंघन पर 7 से 10 साल की सजा और 3 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा। वहीं धर्म परिवर्तन कराने वाले धर्माचार्य को दो महीने पहले जिला प्रशासन को सूचना देनी होगी, अन्यथा उन्हें 10 से 14 साल की सजा और कम से कम 5 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना होगा।

विधेयक पर बहस के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों ने इसे सामाजिक संतुलन बनाए रखने वाला कदम बताया, जबकि विपक्ष ने आशंका जताई कि इसका दुरुपयोग कर अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा सकता है।

विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में विदेशी ताकतें बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन करवा रही हैं, जिसे रोकना आवश्यक है। विधायक थावरचंद ने आदिवासियों की पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं की बात करते हुए कहा कि शिक्षा की कमी के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

विपक्ष के विधायक सुभाष गर्ग ने कहा कि यह विधेयक पुलिस को अनुचित शक्तियां देकर भ्रष्टाचार और दमन का उपकरण बन सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने वाला बताया।

विधेयक पर मतदान से पहले कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सदन में हंगामा करते हुए कार्यवाही में व्यवधान डाला और बाद में चर्चा से दूर रहते हुए बहिर्गमन कर दिया। इस दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पीटीआई महेन्द्र विश्नोई गिरफ्तार

जयपुर, 9 सितंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 में अपनी जगह डमी परीक्षार्थी बैठाकर अनुचित साधनों से सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले एक आरोपित पीटीआई को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपनी जगह डमी परीक्षार्थी बैठाकर

- डमी परीक्षार्थी बैठा कर शारीरिक शिक्षक परीक्षा पास की थी।

अनुचित साधनों से सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले एक आरोपी, महेन्द्र कुमार विश्नोई (26) निवासी कापरड़ा, जिला जोधपुर, वर्तमान में (पीटीआई) राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चाडिया नाडी, हनुवंतनगर, शेरगढ़ जिला जोधपुर, को गिरफ्तार किया है।

विचार बिन्दु

जिसने स्वयं को समझ लिया हो, वह दूसरों को समझाने नहीं जायेगा। –धम्मपद

इतिहास का सच अब फिल्म बनाने वाले बताने लगे हैं!

एकल सिनेमाघरों की जगह मल्टीप्लेक्स आ जाने तथा सिनेमा के डिजिटल हो जाने के साथ उसके बड़े परदे से सिमट कर स्मार्टफोन की स्क्रीन आ जाने और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म के प्रादुर्भाव से न केवल दर्शकों का सिनेमा देखने का अनुभव बदला है बल्कि फिल्मों का कलेवर भी बदल गया है। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में फिल्मों का एक नया दौर शुरू हुआ है जिससे निःसंदेह भारतीय सिनेमा में फिल्मों के कथानक तथा उनके प्रस्तुतिकरण में भी विविधता आई है। ऐसे विषय जो कभी वर्जनाओं की श्रेणी में आते थे अब फिल्मों में आम हो चले है, वे चाहे यौन सम्बन्ध हों, नग्नता हो या हिंसा हो। पिछली सदी के हिन्दी सिनेमा के स्वर्णकाल की मासूमियत का स्थान वैचारिक बौद्धिकता ने ले लिया है। अब साइकोलॉजिकल थ्रिलर, बायोपिक, डार्क कॉमेडी, क्राइम ड्रामा, पैन-इंडियन ऐक्शन और नजदीकी समय के इतिहास का एक खास मकसद से प्रस्तुतिकरण चलन में है। कभी बुद्धिजीवियों को बड़ी शिकायत रहती थी कि भारत में राजनीतिक सिनेमा नहीं बनता। ऐसी बातें करने वाले लोग अधिकतर वाम पक्ष की ओर झुकाव रखने वाले होते थे। फिर धीरे-धीरे समांतर सिनेमा आया और उसके आगे की शृंखला में राजनीतिक सिनेमा का उद्भव हुआ। उनके एक तरह के नज़रिये वाली खूब फिल्में बनी। फिर देश में अचानक सत्ता की राजनीति में उलटफेर हो गया। भारत के मतदाताओं ने उन्हें चुन लिया जो वैचारिक धरातल पर प्रतिगामी माने जाते रहे थे। ध्रुवीकरण की राजनीति में जब वाम पक्ष के सामने वाला दूसरा ध्रुव अपनी जड़ें जमा गया है और अब उसके नजरिये वाला राजनीतिक सिनेमा ताल ठोक रहा है। साथ ही सिने माध्यम प्रचार का उद्यम बन गया है। प्रतिद्वंद्वी चुनावी राजनीति के मौजूदा दौर में सिने-निर्माता और निर्देशक समकालीन इतिहास की कहानी को एक खास नजरिए में पिरो कर प्रस्तुत करके जन भावनाओं को उभारने के व्यापार में लगे हैं। ऐसे ही एक निर्माता, निर्देशक और लेखक है विवेक रंजन अग्निहोत्री जिन्होंने देश के हाल के इतिहास की फ़ाइलें खोली है। 'द ताशकंद फाइल्स' और 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद अग्निहोत्री अब अपनी तीसरी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' लेकर आए हैं। अपनी तीनों फिल्मों के बारे में उनका दावा है कि वे समकालीन इतिहास का नया सच सामने लेकर आए हैं। फिल्में बनाने वाले इतिहासकार नहीं होते हैं। वे मनोरंजन के सौदागर होते हैं। वे जो ऐतिहासिक घटनाओं की कहानियां कहते हैं वह उनका अपने नज़रिये से लिखी होती हैं। हालांकि दर्शक इतिहास सीखने के लिए फिल्में देखने नहीं जाता, लेकिन सिनेमा एक ऐसा माध्यम है जिसमें मासूम दर्शक भावना में बह कर सिनेकार के दिखाए गए चुनिंदा वर्सन को सम्पूर्ण इतिहास मान लेता है। फिल्मी कथानक में कल्पना और हकीकत के बीच आम-दर्शन फ़र्क नहीं करता। ध्रुवीकृत राजनीति के माहौल में ऐसी फिल्मों को केप्टिव दर्शक मिल जाते हैं। आज का बाज़ार भी ऐसी फिल्मों को बढ़ावा देता है।

समीक्षकों का कहना है कि 'द बंगाल फाइल्स' इतिहास की संपूर्ण तस्वीर पेश नहीं करती बल्कि एक विशेष दृष्टिकोण को तीखे अंदाज़ में प्रस्तुत करती है। इसलिए उसमें इतिहास की पूरी सच्चाई नहीं है। 'द बंगाल फाइल्स' में जिन घटनाओं को केंद्र में रखा गया है उनके बारे में यह बेतुका दावा किया गया है कि अब तक ये घटनाएं दबा दी गई थी। बंगाल में 1946 में मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग के 'डायरेक्ट एक्शन' के आव्हान पर बंगाल में हुई हिंसा के सारे पहलू हमेशा ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहे हैं। उस दौर और उन घटनाओं पर समकालीन अखबारों में भरपूर कवरेज के अलावा अब तक सैकड़ों किताबें और असंख्य लेख ही नहीं लिखे जा चुके हैं बल्कि विश्वविद्यालयों में अकादमिक अध्ययन भी हो चुके हैं। यदि कोई यह कहता है कि ये जानकारियां छुपा के रखी गई थी, सच नहीं है। अग्निहोत्री अपनी फिल्मों में इतिहास की घटनाएं लेते हैं मगर उतना ही सच दिखाते हैं जो एक विशेष वैचारिक राजनीति के अनुकूल होता है। सिनेकार एक विशिष्ठ वर्ग की भावनाओं को उभार कर वहीं से अपना दर्शक वर्ग बनाना चाहता है। कोई सिनेकार यदि ऐतिहासिक घटनाक्रम को अपनी फिल्म के कथानक में पिरोता है तो यह उसका विशेषाधिकार होता है कि वह कितना कहे और कैसे कहे! मगर उससे यह अपेक्षा जरूर होती है कि वह ऐतिहासिक संदर्भों में हर-फेर नहीं करे। ऑडियोविजुअल की शक्ति का उपयोग राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक जगत में हमेशा किया जाता रहा है। एडॉल्फ हिटलर जैसे नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिल्मों को प्रचार उपकरण के रूप में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। रूसी क्रांति के बाद रूस में वामपंथी विचारधारा के अनुरूप समाज बनाने के लिए सिनेमा का उपयोग किया गया। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी परवान चढ़ती गई, राजनीतिक और आर्थिक ताकतों ने लोगों के दृष्टिकोण को बदलने और आकार देने में सिनेमा का उपयोग किया, चाहे वह अपने फायदे के लिए हो या लोगों के फायदे के लिए। पिछले दौर की जिन फिल्मों पर पालयनवादी होने की तोहमत लगाई जाती थी वे दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ, उन्हें शिक्षित भी करती थी। हालांकि अनेक फ़िल्मकारों ने वर्ग संघर्ष और समाजवाद से प्रेरित कहानियां अपनी फिल्मों में कही किन्तु वे आज जैसी राजनीतिक फिल्में नहीं थी। उनमें मानवीय मूल्यों की बात थी। वे भी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थीं। उन्हें दयालु बनाती थी। वे दूसरों की मदद करने और मानवता के लिए अच्छा करने के लिए प्रेरित करती थी। अब हर तरफ नफरत की आंधी है, हिंसा है। सिनेमा का जो दौर सुनहरा कहा जाता है उसमें कैसी भी फिल्म हो अंत में बुराई पर अच्छाई की जीत ही दिखाई जाती थी। फिल्में हिंसा के उन्माद से बचने की शिक्षा देती थीं; भावनाओं को जगाती थी; रुलाती और हंसाती थी तो साथ ही जीवन को जीने लायक बनाती थीं। सुनहरे दौर की फ़िल्में ज़्यादातर सामाजिक मुद्दों पर होती थीं– गरीबी, वर्ग-संघर्ष, गांव-शहर का टकराव, प्रेम, बलिदान, पारिवारिक रिश्ते आदि। उनका उद्देश्य होता था समाज को जोड़ना और आदर्श प्रस्तुत करना। मगर फाइल्स फ़िल्में इतिहास के विवादित और राजनीतिक प्रसंगों पर केंद्रित हैं – जैसे शास्त्रीजी की रहस्यमय मृत्यु (ताशकंद), कश्मीरी पंडितों का पलायन (कश्मीर), और बंगाल में नरसंहार (बंगाल)। इनका ढांचा अर्ध-डॉक्यूमेंट्री जैसा होता है। इंटरव्यू, वास्तविक घटनाओं के हवाले, डॉक्यूमेंटेशन, और तीखे संवाद – यानी भावनात्मक मेलोड्रामे पर जोर होता है। सुनहरे दौर में संगीत फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण होता था। गाने ही कहानी को आगे बढ़ाते थे। अब फाइल्स फ़िल्मों में संगीत लगभग नगण्य या बैकग्राउंड स्कोर तक सीमित है। इनमें संगीत नहीं बल्कि संवाद और दृश्य कथा का मुख्य आधार होते हैं। पहले सिनेमा एक तरह से मनोरंजन और नैतिक शिक्षा का माध्यम था। दर्शक थिएटर छोड़कर जाते तो उनके दिल में उम्मीद, संवेदना या आदर्श जगते थे। फाइल्स फ़िल्मों का उद्देश्य झकझोरना और एक विशेष दृष्टिकोण से सोचने पर मजबूर करना है। ये मनोरंजन की जगह आलोचना और ऐतिहासिक कलह को सामने रखती हैं। तब का सिनेमा राष्ट्र निर्माण की परियोजना से जुड़ा था। नेहरू युग की समाजवादी सोच का असर फिल्मों पर जरूर था मगर वह चुनावी राजनीति के उपयोग के लिए नहीं था। फाइल्स जैसी फिल्में समकालीन राजनीति और पहचान की बहस से पूरी तरह प्रभावित हैं। वर्तमान ध्रुवीकृत माहौल में इनकी स्वीकृति भी राजनीतिक दृष्टि से होती है। इस तरह 'द ताशकंद फाइल्स,' 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द बंगाल फाइल्स' हिन्दी सिनेमा के भावुक, आदर्शवादी और गीत-संगीत प्रधान सुनहरे दौर से बिलकुल अलग हैं। ये सिनेमा को एक पॉलिटिकल थ्रिलर और ऐतिहासिक विमर्श का मंच बनाती हैं, जहां संवेदना से ज्यादा तथ्य, विचार और विवाद अहम हो जाते हैं।

एडॉल्फ हिटलर जैसे नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिल्मों को प्रचार उपकरण के रूप में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। रूसी क्रांति के बाद रूस में वामपंथी विचारधारा के अनुरूप समाज बनाने के लिए सिनेमा का उपयोग किया गया। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी परवान चढ़ती गई, राजनीतिक और आर्थिक ताकतों ने लोगों के दृष्टिकोण को बदलने और आकार देने में सिनेमा का उपयोग किया, चाहे वह अपने फायदे के लिए हो या लोगों के फायदे के लिए।

फ़िल्में संस्कृति का आईना होती हैं हर फ़िल्म एक ख़ास संस्कृति में सेट और विकसित होती है। मुश्किल तब होती है जब छिछली राजनीति संस्कृति को व्याख्यायित करने लगती है। यह बाज़ार को मुफीद होता है। फिल्मों का उपयोग समुदायों के बीच संवाद और मेल-मिलाप की जगह नफरत और संघर्ष की भावनाएं उभारने में होने लगता है। हमारी संस्कृति की विविधता के बावजूद फिल्मों ने देशवासियों को एकजुट रहने में मदद की लेकिन अब फिल्में अलग-थलग करने लगी हैं। फिल्में आधुनिक दुनिया को पिछली पीढ़ियों से जोड़ती हैं। इसका एक अच्छा उदाहरण वियतनाम युद्ध की फिल्में हैं जो बताती हैं कि उस समय क्या हुआ था और आज की पीढ़ी को युद्ध के नकारात्मक महत्व को समझने में मदद करती हैं। कई सामाजिक मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि अब फ़िल्में हिंसा और दूसरे लोगों की पीड़ा को स्वीकार्य बनाकर लोगों में सहानुभूतिपूर्ण भावनाओं को खत्म कर रही हैं। दर्शकों की उदासीनता बढ़ रही है। नई पीढ़ी के दर्शकों को परदे पर खूनी हिंसा देखने में आनंद आता हैं क्योंकि प्रचार माध्यमों ने उन्हें इसी प्रकार तैयार किया है। पीड़ित की मदद न करने या हिंसा को सही ठहराने की यह प्रवृत्ति मीडिया द्वारा सहानुभूतिपूर्ण भावनाओं को असंवेदनशील बनाने के परिणामस्वरूप बढ़ी है। हालांकि फ़िल्मी भावुकता दर्शक को भीतर से नहीं हिलाती। लोग हॉल से बाहर निकल कर वही हो रहते। 'मेरे देश की धरती सोना उगले' गाना ख़ूब गाया गया। उपकार फिल्म सुपरहिट हो गई। उसे ढेर सारे अवार्ड मिले। पर उस भारत के गौरव-गान में सिनेमाई भावोत्तेजना काम न आई। किसानों के प्रति नज़रिया आज तक नहीं बदल पाया है। न लोगों का, न राज का। मगर फाइल्स जैसी फिल्में समकालीन इतिहास का जो बोध कराती है उससे सोशल मीडिया के जरिए इन्फ़्लुएन्सरों द्वारा बनाया जा रहा भ्रम जरूर पुख्ता होता चला जाता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

अनेकता में एकता : भारत के सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की अनिवार्यता

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एकता और प्रगति के धागे हमेशा से आपस में गुंथे हुए हैं। 2025 में, जब देश आर्थिक असमानता और सामाजिक विभाजन की छाया से जूझ रहा है, हमें उन मूलभूत सिद्धांतों पर पुनर्विचार करना होगा जो हमें एकजुट रखते हैं। रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई और दवाई जैसे बुनियादी सवाल आज भी लाखों लोगों के लिए अनसुलझे हैं, जो हमारी न्यायपूर्ण समाज की आकांक्षा पर ठाहण लगाते हैं। फिर भी, इनका समाधान केवल प्रशासनिक कार्य नहीं है; इसके लिए राष्ट्रीय एकता और सहभागी लोकतंत्र में निहित सामूहिक संकल्प की आवश्यकता है। जैसा कि महात्मा गांधी ने स्वराज की लड़ाई के दौरान परिकल्पना की थी, सच्चा स्वराज-आत्म-शासन-इन बुनियादी जरूरतों को संबोधित किए बिना और जाति, समुदाय, संप्रदाय, वर्ग और क्षेत्रों में सामंजस्य स्थापित किए बिना फल-फूल नहीं सकता। भारत की अखंडता को बनाए रखने की यह शपथ गैर-परक्राम्य है और इसे हर नीति और विमर्श का आधार होना चाहिए, जो सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र का मार्ग प्रशस्त करे।

इन बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता देने की तात्कालिकता को कम करके नहीं आंका जा सकता। एक ऐसे देश में जहां हाल के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार 20 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी से जूझ रहे हैं, रोटी का वादा एक दूर का सपना लगता है। अनाज और सब्जियों जैसे आवश्यक सामानों पर मुद्रास्फीति का दबाव इस संकट को और गहरा करता है, जबकि ठाामीण संकट और शहरी प्रवास जटिलताएं बढ़ाते हैं। इसी तरह, कपड़ा सम्मान का प्रतीक है, फिर भी असंगठित क्षेत्रों में लाखों लोग सस्ते कपड़ों तक पहुंच से वंचित हैं, जो अक्सर स्वास्थ्य और आत्म-सम्मान को कमजोर करने वाले निम्न-गुणवत्ता वाले विकल्पों पर निर्भर करते हैं। आवास, यानी मकान, शहरी गरीबों के लिए एक मृगतृष्णा बना हुआ है, जहां झुग्गी-झोपड़ियों का अतिक्रमण और आसमान छूती रियल एस्टेट कीमतें परिवारों को विस्थापित करती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सशक्तिकरण के दो स्तंभ हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूल संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियां महामारी के बाद की कमजोरियों के कारण अभिभूत हैं।

इनका समाधान करने के लिए हमें प्राथमिकता-आधारित दृष्टिकोण अपनाना होगा, संसाधनों का सटीक और कुशल आवंटन करना होगा। सरकार की प्रमुख योजनाएं जैसे पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और आयुष्मान भारत ने प्रगति की है, लेकिन कार्यान्वयन में खामियां-भ्रष्टाचार, नौकरशाही की जड़ता और क्षेत्रीय असमानताएं-उनके प्रभाव को कमजोर करती हैं। एक प्रतिमान बदलाव की जरूरत है: पारदर्शी वितरण के लिए तकनीक का एकीकरण, पंचायती राज संस्थाओं जैसे स्थानीय निकायों को समाधान तैयार करने के लिए सशक्त करना, और नागरिक लेखा-परीक्षा के माध्यम से जवाबदेही सुनिश्चित करना। यह केवल कल्याणकारी सहायता तक सीमित नहीं है; यह आत्मनिर्भरता के निर्माण के बारे में है। उदाहरण के लिए, पढ़ाई से जुड़े कौशल विकास कार्यक्रम शिक्षा को रटने की प्रक्रिया से बदलकर व्यावसायिक सशक्तिकरण में तब्दील कर सकते हैं, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-तकनीक जैसे टिकाऊ क्षेत्रों में रोजगार सृजित हो सकते हैं।

हालांकि, इन बुनियादी जरूरतों को अलग-थलग हल करना अदूरदर्शी होगा। सच्ची प्रगति राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सर्वव्यापी भागीदारी सुनिश्चित करने में निहित है। भारत का लोकतंत्र समावेशिता पर फलता-फूलता है, फिर भी महिलाएं, हाशिए पर खड़े जाति समूह अक्सर उपेक्षित रहते हैं। राजनीतिक क्षेत्र, जो वंशवाद और धनबल से प्रभावित है, को और अधिक लोकतांत्रिक बनाना होगा। आरक्षण नीतियां, जो सकारात्मक हैं, को आर्थिक मापदंडों को शामिल करके विकसित करना होगा ताकि लाभ वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंचे। प्रशासनिक रूप से, नौकरशाही को अपनी औपनिवेशिक विरासत को त्यागना होगा और डिजिटल शासन को अपनाना होगा ताकि सेवाएं कश्मीर से कन्याकुमारी तक सुलभ हों। आर्थिक रूप से, सहकारी समितियां और स्वयं-सहायता समूह धन सृजन को लोकतांत्रिक बना सकते हैं, जैसा कि केरल के सामुदायिक स्वामित्व वाले उद्यमों के सफल मॉडल में देखा गया है।

सांस्कृतिक रूप से, भागीदारी का मतलब है बिना एकता को कमजोर किए विविधता का उत्सव मनाना । पर्व, भाषाएं और परंपराएं हमारी बहुलता की जीवनरेखा हैं, लेकिन इन्हें विभाजन का कारण नहीं बनाना चाहिए। महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भाषाई नीतियों पर हाल की बहसें एक संघीय भावना की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं जो क्षेत्रीय पहचानों का सम्मान करती हो और राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करती हो। इस ढांचे के केंद्र में ग्रासरूट से शीर्ष स्तर तक लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना है। 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों ने स्थानीय शासन को सशक्त किया, फिर भी धन और कार्यों का विकेंद्रीकरण अधूरा है। ग्राम सभाएं और नगरपालिका वार्ड सामूहिक निर्णय लेने के केंद्र होने चाहिए, जहां गांधीवादी सर्वोदय और दीनदयाल उपाध्याय के अन्तोदय से प्रेरित परामर्शी प्रक्रियाएं हर आवाज को सुनने की अनुमति दें। उच्च स्तरों पर, संसद और राज्य विधानसभाओं को बहस को पुनर्जनन करना चाहिए, राष्ट्रीय मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। न्याय वितरण को तेज करने के लिए न्यायिक सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि लोकतंत्र केवल चुनावी नहीं, बल्कि वास्तविक हो।

लेकिन इन सब से पहले, सबसे पवित्र संकल्प: प्रत्येक जाति, समुदाय, संप्रदाय, वर्ग और क्षेत्र को राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति निष्ठा की शपथ लेनी होगी। यह गैर-परक्राम्य है। पहचान की राजनीति के युग में, जहां वोट बैंक जाति और पंथ की रेखाओं पर बनाए जाते हैं, विखंडन हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को खतरे में डालता है। 1947 का विभाजन एक ऐसा निशान था जिसे हम विभाजनकारी बयानबाजी के माध्यम से फिर से खोलने का जोखिम नहीं उठा सकते। पूर्वोत्तर की उग्रवादी गतिविधियों से लेकर हृदयभूमि में जातिगत संघर्षों तक, अस्थिरता के बीज बोती है।

सर्वोच्च न्यायालय के हाल के संघवाद पर निर्णय हमें याद दिलाते हैं कि एकता संप्रभुता की नींव है। इसके बिना, सबसे ऊंची कल्याणकारी योजनाएं भी ध्वस्त हो जाती हैं। इस एकता को बढ़ावा देने के लिए संवाद, सहमति और सौहार्द की सिम्फनी की आवश्यकता है। यह जिम्मेदारी सभी हितधारकों पर आती है: राजनीतिक दलों को घोषणा पत्र की लड़ाइयों से ऊपर उठकर सुरक्षा और विकास पर साझा आधार बनाना होगा; सामाजिक संगठनों और एनजीओ को शहरी-ठाामीण विभाजन को पाटना होगा ; किसान यूनियनों जैसे दबाव समूहों को रचनात्मक रूप से संलग्न होना चाहिए । प्रेस, चौथे स्तंभ के रूप में, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है-संघर्षों को सनसनीखेज बनाने के बजाय सुलह की कहानियों को उजागर करना। प्रशासकों को निष्पक्ष सुविधाकर्ता होना चाहिए, जबकि बुद्धिजीवी वर्ग को भी सकारात्मक आलोचना करनी चाहिए, अम्बेडकर के शिक्षा और समानता के माध्यम से जाति उन्मूलन की दृष्टि से प्रेरणा लेते हुए।

मीडिया की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, खासकर फर्जी खबरों और सोशल मीडिया के इको चैंबर के युग में। एक्स और व्हाट्सएप समूह जैसे मंच अक्सर ध्रुवीकरणकारी कथाओं को बढ़ाते हैं, हरियाणा में सांप्रदायिक दंगों से लेकर गुजरात में आर्थिक बहिष्कार तक। रामनाथ गोयनका जैसे लोगों से प्रेरित जिम्मेदार पत्रकारिता को तथ्य-जांच वाली रिपोर्टिंग को प्राथमिकता देनी चाहिए जो सामूहिकता और सदभावना को बढ़ावा दे। बुद्धिजीवियों ने भी विखंडन को रोमांटिक बनाकर गलती की है; इसके बजाय, उन्हें अनेकता में एकता की विचारधारा को पुनर्जनन करना चाहिए, इसे जलवायु प्रवास और डिजिटल विभाजन जैसी समकालीन चुनौतियों के अनुकूल बनाना चाहिए।

इतिहास गहन सबक देता है। स्वराज की लड़ाई एकरूप मार्च नहीं थी, बल्कि विरोधी ताकतों को संतुलित करने की एक मोज़ेक थी। तिलक की उठाता ने गोखले की नरमपंथी नीति को पूरक बनाया; शुरुआती काल में जिन्ना भी हिंदू-मुस्लिम एकता का रास्ता बना रहे थे हालांकि बाद में वे खुद रास्ता भटक गए ।नेताजी सुभाष बोस की आईएनए ने विविध रेजिमेंटों को एकीकृत किया, जबकि भारत छोड़ो आंदोलन ने सेठ साहूकारों से लेकर रजवाड़ों और किसानों को एकजुट किया। स्वतंत्रता के बाद भी, संविधान के रचनाकारों ने समाजवादी आदर्शों को पूंजीवादी आकांक्षाओं, संघवाद को केंद्रीय प्राधिकार के साथ समायोजित किया। इसी समन्वय की कला ने विरोधियों को सहयोगी बनाया, जिससे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन्मा।

यदि हम आज सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की आकांक्षा रखते हैं, तो इस मार्ग का अनुकरण अनिवार्य है। सामाजिक लोकतंत्र का मतलब है असमानताओं का उन्मूलन: कमजोर और वंचित वर्ग को सशक्त करने के लिए भूमि सुधार, कॉरपोरेट बोर्ड में लैंगिक कोटा, और उच्च शिक्षा में हर वर्ग का आनुपातिक हिस्सा। आर्थिक लोकतंत्र में धन का पुनर्वितरण शामिल है बिना विकास को बाधित किए-प्रगतिशील कराधान, यूनिवर्सल बेसिक इनकम पायलट, और क्रोनी पूंजीवाद का मुकाबला करने के लिए एमएसएमई समर्थन। हाल के केंद्रीय बजट का बुनियादी ढांचे पर ध्यान स्वागत योग्य है, लेकिन इसे तटीय मेट्रो शहरों तक ही नहीं, बल्कि राजस्थान, बिहार और ओडिशा के महत्वाकांक्षी जिलों तक समान रूप से पहुंचना चाहिए।

चुनौतियां बहुत हैं। वैश्वीकरण की बाधाएं-स्वचालन से नौकरियों का विस्थापन, जलवायु परिवर्तन से कृषि का विनाश-हमारी लचीलापन की परीक्षा लेती हैं। सांप्रदायिक तनाव, जो गलत सूचनाओं से प्रेरित हैं, फिर भी, अवसर भी हैं: भारत की युवा जनसांख्यिकीय लाभांश, यदि शिक्षा और कौशल के माध्यम से उपयोग किया जाए, तो हम भारत की अर्थव्यवस्था को दुनियां में तीसरे नंबर तक ले जा सकता है। डिजिटल इंडिया टेलीमेडिसिन के माध्यम से दवाई तक पहुंच को लोकतांत्रिक बना सकता है, जबकि आत्मनिर्भर भारत कपड़ा और मकान के लिए स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देता है।

निष्कर्ष में, भारत का नियति से संन्यास रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई और दवाई जैसे बुनियादी सवालों, सहभागिता और लोकतंत्र के प्रति पुनः समर्पण की मांग करता है, जो अटूट एकता द्वारा पवित्र हो। यह कोई यूटोपियन कल्पना नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक रोडमैप है। प्रधानमंत्री से लेकर विपक्षी नेताओं तक, सभी को उदाहरण पेश करना चाहिए-शायद एक राष्ट्रीय एकता शिखर सम्मेलन के माध्यम से विविध आवाजों को एकत्र करके। सिविल सोसाइटी, एनजीओ और युवाओं को सकारात्मक जुटाव के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करके इस आव्हान को और बढ़ाना चाहिए। जैसा कि टैगोर ने गीतांजलि में सपना देखा था, आइए हम अपने राष्ट्र को वहां जागृत करें जहां मन भयमुक्त हो और सिर ऊंचा हो। केवल संवाद और सौहार्द के माध्यम से हम एक लचीला भारत बुन सकते हैं, जहां हर नागरिक स्वराज के फल में हिस्सेदारी करे। शपथ और कार्रवाई का समय अब है; आने वाली पीढ़ियां हमें हमारे शब्दों से नहीं, बल्कि हमारी एकता और गहरे लोकतंत्र से आंकेंगी।

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक है)।

बाबा रामदेवजी ने सदियों पहले छुआछूत व सांप्रदायिकता मिटाने पहल की थी

जुगल किशोर बिस्सा

शक्ति, भक्ति, आध्यात्मिकता और निस्वार्थ सेवा भाव की कर्मभूमि रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेवजी का ऐतिहासिक मेला श्रद्धा और उत्साह के साथ आरंभ हुआ। यह मेला प्रतिवर्ष दो बार आयोजित होता है और केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

करीब 600 वर्ष पूर्व बाबा रामदेवजी ने समाज से छुआछूत और सांप्रदायिकता जैसी कुरीतियों को मिटाने के लिए आंदोलन चलाया था। उन्होंने समानता, भाईचारा और एकजुटता का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। इसी कारण उन्हें जनसमस्या निवारक और अमरपुरुष के रूप में पूजा जाता है। हर वर्ष बाबा की सुदी दूज के अवसर पर समाधि पर गंगाजल व दुग्धाभिषेक किया जाता है और बाबा को स्वर्ण मुकुट अर्पित किया जाता है। सैकड़ों वर्षों से अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित है, जो सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बनी हुई है। इस बार भी लाखों श्रद्धालु दूर-दराज़ से रामदेवरा पहुंचे, वहीं देशभर के बाबा रामदेव मंदिरों में भी विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। बाबा रामदेवजी को सनातन धर्म में भगवान श्रीकृष्ण का अवतार द्वारकाधीश और मुस्लिम समाज में पीरों के पीर रामापीर के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्हें निर्धन का धन, कोढ़ियों को काया देने वाले, अंधों को आंखें देने वाले, निःसंतान को संतान देने वाले जैसी उपाधियों से सम्मानित किया गया है।

मंदिर परिसर और श्मशान भूमि का महत्व :- रामदेवरा का मंदिर परिसर मूलतः श्मशान भूमि क्षेत्र है, जहाँ स्वयं बाबा रामदेवजी ने समाधि ली थी। धार्मिक मान्यता है कि श्मशान भूमि में समाधि स्थल होना विशेष संदेश देता है, जीवन और मृत्यु के बीच समानता व अस्थिरता का बोध, जात-पांत और भेदभाव से परे होकर सबका एक ही धरती में विलीन होना, सांसारिक मोह-माया से परे निष्काम सेवा और परोपकार का महत्व। इसी कारण समाधि स्थल को मोक्ष और मुक्ति का प्रतीक माना जाता है, जहाँ हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग का व्यक्ति बिना भेदभाव के दर्शन करने आता है। मेले के दौरान रामदेवरा में भजन संध्या, कथावाचन, लोकगीत-लोकनृत्य और भजन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। राजस्थान की लोक संस्कृति से जुड़े मांगणियार और लंगा कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। इसके अलावा झांकी प्रदर्शन, रामापीर की शोभायात्रा और ध्वजा यात्रा मेले के प्रमुख आकर्षण हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए। समाधि परिसर में सीसीटीवी कैमरे और बैरिकेडिंग लगाई गई। पुलिस, होमगार्ड और स्वयंसेवकों की विशेष ड्यूटी लगाई गई। अस्थायी बस स्टैंड, पार्किंग स्थल और पेयजल स्टॉल की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मोबाइल डिस्पेंसरी और प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किए गए हैं। पंचायत समिति और स्वच्छ भारत मिशन की टीमें सफाई और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित कर रही हैं।

बाबा रामदेवजी की समाधि और मेले की धार्मिक परंपराओं का संचालन परंपरागत रूप से गादीपति परिवार करता है। समाधि पर दुग्धाभिषेक, स्वर्ण मुकुट चढ़ाना,

रामदेवरा में मौजूद बाबा की समाधि।

आरती और पूजा-अर्चना की मुख्य जिम्मेदारी गादीपति निभाते हैं। मेला अवधि में देशभर से आने वाले संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं का स्वागत भी गादीपति परिवार की देखरेख में किया जाता है। समाधि की धार्मिक अनुशासन और परंपराओं की निरंतरता बनाए रखना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। गादीपति परिवार ही समाधि की ओर से धार्मिक कार्यक्रमों की अगुवाई और आशीर्वचन प्रदान करता है।

जुगल किशोर बिस्सा,
वरिष्ठ पत्रकार।

राशिफल

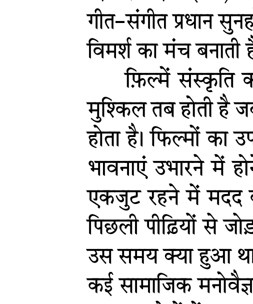

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 10 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र सायं 4:03 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:31 तक, विष्टि करण दिन 3:38 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:03 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 3:38 तक है। आज तृतीय और चतुर्थी का श्राद्ध है। आज चतुर्थी व्रत है। आज पंचक सायं 4:03 पर समाप्त होंगे। आज ईद-ए-मौलाद है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:51 से 12:24 तक, चर 3:29 से 5:02 तक, लाभ 5:02 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:34

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। दिन मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

झुंझुनूं की प्रेरणा बनी मिसेज इंटरनेशनल यूनिवर्सल

झुंझुनूं । समीपवर्ती पीपल का बास की प्रेरणा कुमारी ने मिसेज इंटरनेशनल यूनिवर्सल अवार्ड जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया है। मलेशिया में आयोजित इस इंटरनेशनल कार्यक्रम में करीब 40 से अधिक देशों के प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें ब्यूटी, टैलेंट एंड एचीवमेंट के आधार पर प्रेरणा ने यह खिताब हासिल किया। प्रेरणा इससे पहले मिसेज इंडिया लेगेसी कार्यक्रम में रनरअप रह चुकी है। प्रेरणा ने बताया कि यह अवार्ड कार्यक्रम विवाहित महिलाओं के अधिकारों, नेतृत्व व सामाजिक मजबूती को समर्पित रहा। इसका उद्देश्य नारीत्व का उत्सव मनाना और विवाहित महिलाओं को अपनी प्रतिभा व सुंदरता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था, जिसमें सार्थकता सिद्ध हुई। प्रेरणा अलसीसर पंचायत समिति के गांव पीपल का बास में दादा-दादी बीरबल सिंह व रयोबाई देवी के सानिध्य में पली-बढ़ी है। उनके पिता रोहिताश झाझडिया पीएचईडी में एक्सईएन तथा मम्मी शारदा देवी प्रधानाध्यापिका है। भाई प्रतीक कुमार असिस्टेंट कमांडर है। प्रेरणा फेडरल बैंक में मैनेजर पद पर मुम्बई में सेवारत है। उसका ससुराल हमीरवास राजगढ़ है तथा पति आशीष कुमार भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट है। उनकी पोस्टिंग नेवी मुंबई में है। प्रेरणा ने बैंकिंग सेक्टर में रहते हुए इंटरनेशनल लेवल पर पहुंचकर अपनी कामयाबी हासिल की है।

सेवादल की नवनियुक्त कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

तारानगर। तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया के निर्देशन में तारानगर के सैनी संस्था में जिला अध्यक्ष संजय दीक्षित की अध्यक्षता में बुधवार को कांग्रेस कमेटी सेवादल की नवनियुक्त कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें आगामी 16, 17 एवं 18 सितंबर को आयोजित संगठन सर्जन प्रशिक्षण शिविर हेतु जिम्मेदारी देने व ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकर्ता पहुंचने और पदाधिकारियो को निर्देश दिया। इस मोके पर जिसमें शहर अध्यक्ष भागीरथ भामी, जगदीश धनावंशी, दिनेश खंडेलवाल, अर्जुन फौजी, सुरजीत वर्मा, कुंदन सैनी, मानसिंह सैनी, योगेश वर्मा, जयनारायण, बूंदे खाँ, विनोद व्यास, साजिद खान, महेंद्र बुंदेला, दिनेश सैनी, सुनील सैनी, बीरबल स्वामी, महेंद्र जाखड़ सहित पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को टाई बेल्ट और बेज प्रदान किए

बीदासर । निकटवर्ती गांव धोरान की ढाणी की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहन लाल मीणा के प्रेरणा से कार्यरत शिक्षक मोहर सिंह मीणा ने कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत 109 विद्यार्थियों को टाई, बेल्ट और बैज एसबीडीओ प्रथम बजरंग लाल तेतरवाल की अध्यक्षता में वितरित किए। कार्यक्रम में ढाणी कालेराम पीईईओ मोहन सिंह, मनोज कुमार रेगर, शंकरलाल प्रजापत, शेखराज डीगवाल, राजेश कुमार मीणा, अजित कुमार, रवि प्रकाश मीणा, नवीन कुमार शर्मा, श्रीराम, दीपाराम, हनुमानाराम, सुनील बैद सहित ग्रामीण व विद्यार्थी उपस्थित थे।

अवैध डोडा पोस्त तस्कर को कठोर कारावास की सजा

तारानगर। अवैध डोडा पोस्त तस्करी के मामले में तारानगर के अपर जिला एवं सेशन न्यायधीश संतोष कुमार मीणा ने हनुमानगढ़ जिले के नोहर थाना क्षेत्र के दौलतसिंह पुत्र गौरीशंकर को अपराध अंतर्गत धारा 8/15, 8/25 एनडीपीएस में दोषसिद्ध कर 10 वर्ष के कठोर कारावास व 1 एक लाख 50 हजार रूपए के अर्थ दंड से दंडित किया एवं अर्थ दंड जमा नहीं करवाने पर अतिरिक्त 2 वर्ष का साधारण कारावास भुगतना होगा अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक पंकज कुमार स्वामी द्वारा की गई।

नशा मुक्त भारत अभियान रथ यात्रा

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय लक्ष्मणगढ़ सेवा केंद्र की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान रथ यात्रा का शुभारंभ उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा लक्ष्मणगढ़ के जिला अस्पताल प्रभारी डॉ अटल भास्कर ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर माउंट आबू से पधारे बीके विजय, बीके धन शेखर , लक्ष्मणगढ़ सेवा केंद्र की संचालिका बीके अमृता, जयपुर से पधारे भावना मौजूद थे। रथ यात्रा एस आर स्कूल के लिए रवाना हुई जहां बच्चों को नशा मुक्ति जीवन जीने की कला सिखाई गई और मेडिटेशन के द्वारा नशा छुडवाने की विधि सिखाई गई परमात्म संदेश दिया और राजयोग की अनुभूति कराई गई ।

रामलीला के पूर्वाअभ्यास में लगे स्थानीय कलाकार

झुंझुनूं । भारतीय कला मंदिर संस्थान के द्वारा इस बार 22 सितंबर से नवरात्रा स्थापना के अवसर पर चूणा चौक पार्क में रामलीला व दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसका तीन अक्टूबर को राज तिलक के साथ समापन होगा। रामलीला का पूर्वाभ्यास इन दिनों शहर के सेठ धर्मदास भवन में किया जा रहा है। जिसमें स्थानीय कलाकार तैयारियों में जुटे हुए। रामलीला को तैयारी के लिए संस्था के उपाध्यक्ष अमित पांडे, उप मंत्री एडवोकेट पंकज बावलिया, पवन सैनी, पंकज शिवानीवाल, अनिल चोटिया, संदीप वालिया, नवीन सैनी, निदेशक शशिकांत शर्मा, व्यास मोहन शर्मा, सतीश शर्मा सहित अनेक लोग लगे हुए है।

जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ के 6 चिकित्सकों को मिली पदोन्नित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान के संयुक्त शासन सचिव निशा मीणा द्वारा जारी आदेशानुसार जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ के 6 चिकित्सकों को 12 वर्ष या अधिक सेवाएं पूर्ण करने पर पदोन्नित मिली है । प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर ने बताया कि डी.ए.सी.पी. स्कीम के अन्तर्गत संस्थान के डॉ महिपाल नेहरा कनिष्ठ विशेषज्ञ फॉरेंसिक मेडिसिन, डॉ झाबरमल जाट कनिष्ठ विशेषज्ञ एनेस्थीसिया, डॉ सुभाष चन्द्र डूडी कनिष्ठ विशेषज्ञ पैथोलॉजी एवं डॉ बिमल कुमार कनिष्ठ विशेषज्ञ शिशु रोग को सम्बंधित विशेषज्ञता में वरिष्ठ विशेषज्ञ के पद पर तथा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी फिजियोलॉजी डॉ मनोज कुमार एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी बायोकेमेस्ट्री डॉ सुभाष चन्द्र भास्कर को उप निदेशक पद पर पदोन्नित प्राप्त हुई है इस अवसर संस्थान के सभी अधिकारियों कार्मिकों द्वारा संबंधित चिकित्सकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

रतनगढ़ में विधिक जागरूकता शिविर हेतु बैनर लगाया

रतनगढ़ (निसं)तालुका विधिक सेवा समिति एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रतनगढ़ श्री सुरेंद्र कौशिक के निर्देशानुसार आज रतनगढ़ अस्पताल परिसर में स्थाई विधिक सेवा प्राधिकरण ( ) द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में विधिक जागरूकता हेतु बैनर लगाया गया।बैनर में विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई है।चिकित्सा सुविधा,मध्यस्थता एवं आपसी सुलह से विवाद निस्तारण हेतु मध्यस्थ की सेवाएं, अस्थाई आवास सुविधा(नारी निकेतन ,वन स्टॉप सेंटर),पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत आर्थिक सहायता।, निःशुल्क विधिक सहायता,विधिक सलाह एवं न्यायालय में प्रकरण दायर करने तथा पूर्व में लंबित प्रकरण में निशुल्क अधिवक्ता की सेवाएं दी इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को कानूनी रूप से जागरूक करना तथा पात्र व्यक्तियों तक इन योजनाओं का लाभ पहुँचाना है।इस अवसर पर एडवोकेट सुरेंद्र कुमार जायसवाल, एडवोकेट गोविंद सिंह कठौड, रिछपाल मेव, शाहरुख शाह सहित अन्य अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डीजीएस में मनाया अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

बलवंतपुर । डूण्डलोद गर्ल्स स्कूल बलवंतपुरा में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अध्यापिका नुपुर कौशिक के नेतृत्व में विद्यालय की छात्राओं ने एक लघु नाटिका प्रस्तुत कर साक्षरता के महत्व को दर्शाया। छात्राओं ने बताया कि शिक्षा से न केवल व्यक्ति का विकास होता है।

प्रदेशभर में जागरूकता का संदेश दे रही सुसमा यात्रा आज झुंझुनूं पहुंचेगी

- यह अभियान 9 अगस्त (रक्षाबंधन) को जोधपुर से प्रारंभ हुआ था। जो प्रदेश के 19 जिलों में जागरूकता संबंधी जानकारी देते हुए अभियंता दिवस पर 15 सितंबर को सम्पन्न होगा।
- अभियान सड़क सुरक्षा के विषय में जागरुकता का अभियान है

झुंझुनूं । सुरक्षित सड़क मार्ग यात्रा नियमों का पालन है। सुरक्षा के लिए जरूरी सुसमा यात्रा बुधवार को झुंझुनूं पहुंचेगी। यहां सुबह जिला मुख्यालय के अंबेडकर भवन में कार्यक्रम आयोजित होगा। झुंझुनूं पीडब्ल्यूडी एक्सईएन केशर जाटव ने बताया कि सुसमा सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान, सार्वजनिक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग और सड़क सुरक्षा समिति के संयुक्त तत्वधान में अयोजित किया जा रहा है। यह अभियान 9 अगस्त (रक्षाबंधन) को जोधपुर से प्रारंभ हुआ था। जो प्रदेश के 19 जिलों में जागरूकता संबंधी जानकारी देते हुए अभियंता दिवस पर 15 सितंबर को सम्पन्न होगा। सुसमा अभियान सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवन्त खत्री के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। जाटव ने बताया कि इस यात्रा के तहत शहर में सड़क सुरक्षा की दृष्टि से एक आदर्श सड़क का 7.0 किलोमीटर का एक हिस्सा मापदंडानुसार तैयार करना जिस पर सभी साइन बोर्ड, रोड मार्किंग लगे हो। सड़क सुरक्षा के नियम और सड़क शिष्टाचार के विषय हमारे विद्यालय या महाविद्यालय के युवा साथियों को जागरूक करना।

हेलमेट, सीटबेल्ट के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना, विद्यालय के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियम की जानकारी की महिला अभियांताओ द्वारा दी जा रही है। जिनका प्रशिक्षण जयपुर मुख्यालय पर हुआ है। आज हम जिस भी मुकाम पर हैं। इस समाज का भी योगदान है। अभी तक हमने समाज से कुछ ना कुछ लिया ही है। जिस समाज ने हमको इतना सब कुछ दिया है। उसकी भलाई के लिए हम कुछ कर पाए ये हमारे लिए सौभाग्य की बात होगी। एक्सईएन केशर जाटव ने बताया कि इसी सोच को ध्यान में रखते हुए विभाग के अभियंताओं के सहयोग से अच्छी गुणवत्ता का आईएसआई मार्क का हेलमेट बहुत ही कम कीमत में बहनों को उपलब्ध किए गए है। ये हेलमेट बहन अपने भाई, पिता को उपहार दें और सुरक्षा का वादा लें। सुसमा अभियान सड़क सुरक्षा के विषय में जागरुकता का अभियान है।

सैनी समाज के जिला प्रतिभा सम्मान समारोह पर हुई चर्चा

झुंझुनूं । फौज का मोहल्ला स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले अतिथि भवन में सैनी समाज कल्याण संस्थान के 21 सितंबर को आयोजित जिला प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी बैठक में हुई चर्चा। अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष डॉ. कमलचंद सैनी ने की। बैठक में प्रतिभा सम्मान समारोह के अतिथियों और स्थान पर चर्चा की गई।

जिसमें शहीद इंद्रसिंह सैनी स्मारक के सामने कैलाश केसरी अस्पताल के पास स्थित खुला मैदान स्थान तय हुआ। समारोह में एक जनवरी 2023 से 15 सितंबर 2025 तक के विभिन्न क्षेत्रों में अध्यनरत छात्र-छात्राएं व राजकीय सेवा में नियुक्त पाने वाले व नीट, आईआईटी-जेईई, जेआरएफ, पीएचडी, स्नातक, स्नातकोत्तर, खेलकूद में राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों एवं सामाजिक क्षेत्र मे उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजसेवी, भामाशाह का प्रतीक चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया जाएगा। प्रतिभाओं से 15 सितंबर तक आवेदन मांगे गए हैं।

पार्षद प्रदीप सैनी ने बैठक में जिले के वयोवृद्ध समाजसेवियों और दान दाताओं के सम्मान की बात रखी। जिसे सर्वसम्मति से प्रतिभाओं के साथ बड़ी हस्तियों के सम्मान का भी निर्णय लिया। बैठक में कार्यक्रम संयोजक राजेंद्रप्रसाद सैनी, पार्षद प्रदीपकुमार सैनी, पूर्णसिंह मिटावा, महावीर भारती, एडवोकेट बाबूलाल सैनी, सत्यनारायण हलकारा, महावीरप्रसाद जमालपुरिया, नथमल गौड़, दीनदयाल सैनी, पवन सुईवाल, सुरेन्द्र सिंगोदिया, रवि सैनी, वीरेंद्र तंवर, राजेश बबेरवाल सहित संस्थान के सदस्य मौजूद रहे।

साधारण सभा की बैठक संपन्न

झुंझुनूं । जिला मुख्यालय स्थित वीर बर झुझार सिंह पार्क में किसान महापंचायत की साधारण सभा की बैठक जिला अध्यक्ष बजरंगलाल नेहरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के निर्देशन में सदस्य संख्या बढ़ाने, झुंझुनूं जिले के हिस्से का यमुना जल का पानी शीघ्र उपलब्ध कराने, किसानों की फसल के लिए एमएसपी का गारंटी युक्त कानून बनाने और अग्निवीर योजना को बंद कर सेना भर्ती को पूर्व की भांति यथावत रखने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक को उपाध्यक्ष विजेंद्र शास्त्री लाल चौक व महामंत्री विजयहिंद जालिमपुरा ने संबोधित करते हुए किसानों और जवानों की समस्याओं को सरकार द्वारा प्राथमिकता देते हुए शीघ्रता से निस्तारण की बात कही। इस अवसर पर कप्तान मोहनलाल, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह, वारंट ऑफिसर ओपी साहनी, कैप्टन रामसिंह बुडानिया, कैप्टन अनिल ढाका, रवि यादव उपस्थित रहे।

सामाजिक संस्थाओं ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

झुंझुनूं । पंजाब में हाल ही में आई भयंकर बाढ़ ने राज्य के कई जिलों में भारी तबाही मचा दी है। लाखों लोग बेघर हो गए हैं और फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इस संकट की घड़ी में झुंझुनूं जिले की सामाजिक संस्थाओं ने मानवता का अनोखा उदाहरण पेश किया। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने सोमवार को पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए एकत्रित राहत सामग्री से लदी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राहत कार्य जिला झुंझुनूं की सामाजिक संस्था इत्तेहादुल मुस्लिमीन और जमीयत उलेमा झुंझुनूं के आ न पर आयोजित किया गया। झुंझुनूं हेडक्वार्टर से ईदगाह रोड स्थित मक्का मस्जिद के पास कुरैशी गेस्ट हाउस पर एकत्रित हुए लोगों ने भोजन, कपड़े, दवाइयां, तिरपाल और अन्य आवश्यक सामग्री का संग्रह किया। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने हरि झंडी दिखाकर इन गाड़ियों को पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह एक नेक कार्य है। झुंझुनूं की सामाजिक संस्थाएं देश की एकता और भाईचारे का प्रतीक है। पंजाब के भाई-बहनों को हमारी ओर से शुभकामनाएं और हर संभव सहायता। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर राहत कार्यों में जुटी है। लेकिन सामाजिक संस्थाओं का योगदान अमूल्य है। इत्तेहादुल मुस्लिमीन के जिला अध्यक्ष जुबैर कुरैशी ने भी मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संस्था हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ी रहती है। पंजाब की बाढ़ जैसी विपदा में हमारी यह छोटी सी मदद भी उनके दर्द को कम करने में सहायक होगी। वहीं जमियत उलेमा झुंझुनूं की इसलाहे मुआशरा कमेटी सदर मुफ्ती इमरान कासमी ने धार्मिक भावना से प्रेरित होकर लोगों से अपील की कि ऐसी विपत्तियों में एकजुट होकर सहायता करें। इस अवसर पर कई प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और धार्मिक नेता मौजूद रहे। जिनमें नासिर छींपा, मुबारिक रंगरेज, जुबैर अली उर्फ जुबी, मेहमूद किलानिया, फयूम कुरेशी, शाहीन कुरेशी, इरशाद चेजारा, आसिफ आगवन, हाफिज मुमताज, हाफिज जक्की, हाफिज अफजल, मौलाना कलीमुद्दीन, मौलाना अब्दुल अजीज, हाजी अनवर लतीफ लुहार, हाजी मजीद दानका, अकरम चौबदार, शौकत चौबदार, आबिद कुरैशी और इरशाद चेजारा शामिल थे।

"राजा मानसिंह आमेर फाउंडेशन" का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

पाटन । सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों, अथक समर्पण और जनसेवा के प्रति गहन निष्ठा को देखते हुए जीलो निवासी अभिमन्यु सिंह तंवर पुत्र दिलीप सिंह को "राजा मानसिंह आमेर फाउंडेशन" के नीमकाथाना तहसील अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति न केवल उनके समाजोपयोगी कार्यों की आधिकारिक मान्यता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए वे एक प्रभावशाली नेतृत्व क्षमता रखते हैं।फाउंडेशन के जिला प्रभारी रणजीत सिंह बांकावत, जिला संरक्षक ठा. मानदाता सिंह गढ़टकनेत, तथा जिला अध्यक्ष महावीर सिंह मऊ की अनुशंसा पर यह नियुक्ति की गई, जो कि संगठन की उच्च प्राथमिकताओं और सामाजिक मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प का प्रतीक है।

राजा मानसिंह आमेर फाउंडेशन के संस्थापक एवं संचालक के कुशल नेतृत्व में संस्था जिस दिशा में कार्य कर रही है जैसे शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सामाजिक जागरूकता और सशक्तिकरण - उसमें अभिमन्यु सिंह तंवर का योगदान संस्थान को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा।इस अवसर पर संस्था के सभी सदस्यों व क्षेत्रवासियों ने अभिमन्यु सिंह तंवर को हार्दिक शुभकामनाएं दी और विश्वास जताया कि वे अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण और कर्मठता के साथ करेंगे।

रतनगढ़ में गूंजेगी डांडिया की थाप

रतनगढ़, (निसं) नगर का सांस्कृतिक परिदृश्य आगामी दिनों में उल्लास और उमंग से भरने वाला है। स्थानीयपिंजरापोल गोशाला ग्राउंड, चूरू रोडपर दिनांक27 सितम्बर 2025, शनिवारको भव्यडांडिया महोत्सवआयोजित होगा। आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा - पारंपरिक डांडिया-गरबा की प्रस्तुतियां, रंग-बिरंगी सजावट, संगीत की मधुर धुनें औरभव्य आतिशबाजी।इस महोत्सव का आयोजनगैलेक्सी बिजनेस ग्रुप अहमदाबादके सौजन्य से किया जा रहा है, जिसके निवेदक डॉ. जिजासा हेमन्त ताम्रपात्रहैं।

आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रमकेवल कपल एवं बालिकाओं के लिए विशेष रूप से रखा गया है, ताकि महिलाओं और युवतियों को सुरक्षित एवं आनंददायी वातावरण मिल सके।महोत्सव की तैयारियों को लेकर पूरे शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। आयोजन स्थल को आकर्षक लाइटिंग और पारंपरिक थीम से सजाया जाएगा। महिलाएं और युवतियां रंग-बिरंगी पोशाकों में गरबे की थाप पर थिरकेंगी और डांडिया की लय से पूरा वातावरण उल्लास से गूंज उठेगा।

बैठक संपन्न

झुंझुनूं । प्रगति संघ मुम्बई द्वारा संचालित चूणा चौक रानी सती रोड स्थित आदर्श बाल निकेतन सीनियर सैकंडरी स्कूल में विद्यार्थी परिषद सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. अजय कुमार शर्मा ने की। विद्यालय में उचित अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में गहन चर्चा हुई। सभी विद्यार्थी परिषद सदस्यों को विद्यालय की गरिमा और मर्यादा के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए।

जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन

झुंझुनूं । बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान के तहत बाल अधिकारिता विभाग द्वारा जिले के राजकीय उमावि बख्तावरपुरा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अरविन्द कुमार ओला के निर्देशन में बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान के तहत जिले के विभिन्न संस्थानों में समय-समय पर बाल विवाह रोकथाम के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है एवं बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलवाई जा रही है।

इस जागरूकता कार्यक्रम में चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 बाल अधिकारिता विभाग की टीम ने राउमावि बख्तावरपुरा के स्टाफ एवं बच्चों को बाल विवाह रोकथाम के लिए शपथ दिलवाई एवं बच्चों को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 की धाराओं व विभिन्न प्रावधानों के बारे में बताया। बाल विवाह में शामिल होने वाले रिश्तेदारों, हलवाई, टेंट वाले, डीजे वाले, पंडित इत्यादियों को होने वाली सजा के प्रावधानों के बारे बताया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन झुंझुनूं के परियोजना समन्वयक महेश कुमार मांजु, काउंसलर अरविन्द कुमार एवं बाल अधिकारिता विभाग की आउटरिच वर्कर पूनम जांगिड़ ने, के समस्त स्टाफ एवं बच्चों को बाल विवाह एवं बाल शोषण के शिकार बच्चों की सूचना होने पर अतिशीघ्र चाईल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर देने के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 24 घंटे सातों दिन हर समय बच्चों की सुरक्षा और उनकी मदद के लिए तैयार रहती है। जिससे बच्चों को किसी भी प्रकार की हिंसा, शोषण और उत्पीड़न से बचाया जा सकता है।

रानू पारीक को पीएचडी की उपाधि

बीदासर। कस्बे के पालिका पार्षद प्रतिनिधि पवन कुमार पारीक की पुत्री डाक्टर रानू पारीक ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन को अपनाने में अवसर एवं चुनौतियां विषय पर पीएचडी की उपाधि दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन डाक्टर अजय पाल सिंह द्वारा प्रदान की गई। फिलहाल डाक्टर रानू पारीक आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी जयपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। पारीक ने 4 वर्ष के अथक प्रयास और मेहनत से मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है, तथा सीनियर एसोसिएट प्रोफेसर राजेश कुमार टेलर के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया। पारीक ने बताया कि लग्न व कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। डाक्टर रानू पारीक को पीएचडी की उपाधि मिलने पर दरीबा कस्बे में मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई।

नवाचारों वाली डाइट झुंझुनूं का लीडरशिप प्रोग्राम के लिए चयन

- 21वीं सदी की शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़करना है

झुंझुनूं । भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने झुंझुनूं डाइट सहित चार डाइट उदयपुर, नार्थ गोवा एवं गांधीनगर के प्रधानाचार्य का चयन लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम फॉर डाइट प्रिंसिपल्स के लिए चयन किया गया है। यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सॉल) अहमदाबाद द्वारा संचालित किया जाएगा।

डाइट प्रधानाचार्य सुमित्रा झाझडिया ने बताया कि इस लीडरशिप प्रोग्राम का उद्देश्य डाइट प्राचार्यों की नेतृत्व क्षमता, प्रबंधन कौशल को 21वीं सदी की शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ करना है। इस कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में एक आवश्यकता विश्लेषण अभ्यास आयोजित किया जाएगा। ताकि प्रत्येक डाइट की चुनौतियों एवं प्राथमिकताओं को समझा जा सके। उसी के आधार पर नेतृत्व विकास एवं प्रबंधन क्षमता संवर्धन कार्यक्रम को अनुकूलित किया जाएगा। प्रभाग्याध्यक्ष प्रमेंद्र कुल्हार ने बताया कि गत दिनों स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सॉल) अहमदाबाद के प्रोग्राम डायरेक्टर प्रणव पटेल एवं उनकी टीम ने डाइट झुंझुनूं की विजिट कर यहां के नवाचारों, कार्यों, गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने डाइट झुंझुनूं द्वारा किए जा रहे नवाचार, शोध कार्य एवं अन्य शैक्षिक और भौतिक उन्नयन कि सराहना की। कुल्हार ने बताया कि बदलते समय और परिवेश के अनुसार शैक्षिक क्षेत्र में तीव्र बदलाव हो रहे हैं। डिजिटल तकनीक, नई शिक्षण पद्धितयां और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन शिक्षा की परिभाषा बदल रहे हैं।

डाइट्स को इन बदलावों के अनुरूप ढालने और शिक्षक, शिक्षार्थी एवं शिक्षा को अद्यतन करने के लिए मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है। इसलिए समय समय पर इस प्रकार के लीडरशिप प्रोग्राम आवश्यक है। एसएमडी प्रभागाध्यक्ष दीपेंद्र बुडानिया ने बताया कि लीडरशिप प्रोग्राम के लिए डाइट झुंझुनूं का चयन होना पूरे शैक्षिक परिवार के लिए हर्ष एवं गौरवान्वित करने वाला विषय है। साथ ही बुडानिया ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में डाइट्स की भूमिका को और व्यापक बना दिया है। अब डाइट्स केवल शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान न रहकर 21वीं सदी के कौशल और नवाचारों के केंद्र के रूप में कार्य करेंगी।

राजाणा वॉरियर्स को 4 विकेटों से हराया

राजलदेसर । युवा भारती स्टेडियम में खेला जा रहा राजाणा कप के तीसरे दिन भी 4 मुकाबले खेलें गए । आयोजन समिति के दीपक मारू , राम पाण्डिया, राकेश जाट , लालचन्द पाण्डे ने बताया कि पहला मुकाबला राजलदेसर वॉरियर्स व कामधेनु पैंट्स के बीच खेला गया । राजाणा वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 80 रन बनाए जवाब में कामधेनु पैंट्स ने 6 विकेट खोकर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया मैन ऑफ द मैच सुरेंद्र कत्थक रहे । दूसरा मुकाबला माँ कृपा इंटरप्राइजेज व भार्गव इलेवन के बीच खेला गया जिसमें माँ कृपा इंटरप्राइजेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 105 रन बनाए, जवाब में भार्गव इलेवन 99 रन ही बना पाई । माँ कृपा इंटरप्राइजेज ने 6 रनों से जीत हासिल की मैन ऑफ मैच जितेंद्र चारण रहे ।

न्यायालय : जिला न्यायाधीश जयपुर जिला, जयपुर

क्रमांक : 151 दुरूनामा दिनांक : 26.08.2025

बनाम

(1) दीपक गोयल पुत्र स्व. श्री जगदीश चंद, निवासी 78, दीप्ति अपार्टमेंट, रोड नं. 44, पीतमपुरा, दिल्ली-110034 अन्य पता- एच 32/103 सेक्टर 3, रोहिणी नई दिल्ली-110085 (2) मुकेश कुमार मीणा पुत्र तुलसी लाल मीणा, निवासी प्लॉट नंबर 201 जगमोहन गोल्डन फोर्ब्यून अपार्टमेंट, बापू नगर, जयपुर, राज. अन्य पता- वार्ड नं. 17, सुरजगढ़ रोड पिलानी, तहसील चिड़ावा, जिला झुंझुनू, राज.-333031 (3) श्रीमती सुमन मीणा पत्नी मुकेश कुमार मीणा, निवासी प्लॉट नंबर 201 जगमोहन गोल्डन फोर्ब्यून अपार्टमेंट, बापू नगर, जयपुर, राज. । अन्य पता- बालाजी मंदिर के पास, सूरजगढ़ रोड पिलानी, जिला झुंझुनू, राज.-333031 (4) श्रीमती चंचल गोयल पत्नी दीपक गोयल, निवासी 78, दीप्ति अपार्टमेंट, रोड नं. 44, पीतमपुरा, दिल्ली-110034 अन्य पता- मकान नं. 4ए, एसएफएस फ्लेट्स, ब्लॉक जेडी, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034 ...अप्रार्थीगण

विषय : इस न्यायालय के दीवानी विविध प्रकरण (अस्थाई निषेधाज्ञा) संख्या 27/2025, एन.सी.वी. सं. 74/2025, उनवानी आशीष अग्रवाल बनाम दीपक गोयल व अन्य में आदेश दिनांक 10.07.2025 की पालना बाबत्।

आगामी पेशी 29.09.2025

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस न्यायालय में विचाराधीन उक्त दीवानी विविध प्रकरण (अस्थाई निषेधाज्ञा) में आप अप्रार्थीगण है। प्रकरण में दिनांक 10.07.2025 को बावजूद तामील अनुपस्थित होने से आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाकर आपको जरिये अंतरिम निषेधाज्ञा पाबन्द किया गया है कि आप आपस में सम्मिलित स्वामित्व सम्पत्ति को किसी प्रकार से अंतरित नहीं करे। सूचित रहे। यह दुरूनामा आदेश दिनांक 10.07.2025 व 20.08.2025 के अनुसरण में मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से आज दिनांक 25.08.2025 को जारी किया गया।

(मुद्रा) जिला न्यायाधीश जयपुर जिला, जयपुर

पितृ पक्ष के पावन अवसर पर भव्य श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ

- श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन बुधवार से प्रारंभ होगा
- कलश यात्रा बुधवार 10 सितंबर को शहर के मुख्य बाजार स्थित श्री कल्याण प्रभु मंदिर से पूजन के बाद गाजे बाजे के साथ कथा स्थल के लिए रवाना होगी

चिड़ावा। शहर मे पितृ पक्ष के पावन अवसर पर भव्य श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन बुधवार से प्रारंभ होगा। इस संबंध मे जानकारी देते हुए आयोजक परिवार के संजय कुमार शर्मा श्योपुरा ने बताया कि पुराने पोस्ट आफिस के पास बामनवासिया परिवार द्वारा बुधवार 10 सितंबर से मंगलवार 16 सितंबर तक आयोजित होने वाली ज्ञान भक्ति कर्म की पवित्र गंगा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर मंगलवार को तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान किया गया।

कथा का शुभारम्भ बुधवार को कलश शोभा यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा बुधवार 10 सितंबर को शहर के मुख्य बाजार स्थित श्री कल्याण प्रभु मंदिर से पूजन के बाद गाजे बाजे के साथ कथा स्थल के लिए रवाना होगी। व्यास पीठ से कथा का वाचन दो राष्ट्रीय पुरस्कारों से विभुषित वाणी भूषण पंडित प्रभुशरण तिवाडी द्वारा किया जाएगा। कथा के मुख्य यजमान कलावती देवी एवं रामावतार शर्मा रहेंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक का भी आयोजन हुआ। जिसमें अशोक शर्मा, प्रमोद शर्मा, अनिल शर्मा, विनोद शर्मा, सुशील शर्मा, बिंदु देवी सहित अन्य मौजूद रहे। कथा का समय दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक का रहेगा।

ये रहेगा कथा कार्यक्रम: कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ होगा। कथा के प्रथम दिवस भागवत महात्म्य, 11 सितम्बर को महाभारत प्रसंग, सुखदेव आगमन व कपिल देवहूति संवाद, 12 सितंबर को अजामिल कथा, भरत चरित्र व भक्त प्रहलाद की कथा का वर्णन होगा।

13 सितम्बर को समुद्र मंथन, बाली वामन संवाद व श्री कृष्ण जन्मोत्सव कथा का वर्णन होगा। 14 सितम्बर को भगवान कृष्ण की बाल लीला, माखन चोरी व गोवर्धन धारण करने की लीला का वर्णन होगा। 15 सितम्बर को महारास, कंश उद्धार व रूक्मणी विवाह कथा 16 सितंबर को सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष की कथा के साथ कथा सम्पन्न होगी। 17 सितम्बर को हवन का आयोजन होगा।

भामाशाह शंकरलाल गोलवावाला का निधन

चिड़ावा । कस्बे के वरिष्ठ व्यवसायी एवं भामाशाह शंकरलाल अठावाल गोलवावाला का सोमवार को निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गए है। मंगलवार को गमगीन माहौल में शंकरलाल गोलवावाला का अंतिम संस्कार किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में कस्बे के विशिष्टजनों ने हिस्सा लिया और अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इधर, भामाशाह शंकरलाल अठावाल गोलवावाला के निधन पर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष झंडीप्रसाद हिम्मतरामका, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश मालानी, अठावाल जन कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष दामोदरप्रसाद हिम्मतरामका, अठावाल जन कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रो. केएम मोदी, सचिव केके बाछूका, सज्जन-रजनीकांत ककरानिया पिंटू, पूर्व राजस्थान अठावाल सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनिल मंडेलिया, अठावाल समाज समिति झुंझुनूं के अध्यक्ष गणेश हलवाई चिड़ावावाला, महेश सर्राफ, सुशील-पवन केडिया, भाजपा के पूर्व नगर मंडल महामंत्री राकेश सर्राफ, अनिल प्रशांत पिचानवेवाला आदि ने भी शोक जताया है।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2025-2026
खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूनियर विज्ञान में

कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को 22 और 23 नवंबर, 2025 को भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (आईएपीटी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मानक परीक्षा (एनएसई) (विज्ञान विषयों के लिए) में उपस्थित होना होगा।

एनएसई में योग्यता प्राप्त करना 2026 के संबंधित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।

नामांकन करना: एनएसईः https://www.iapt.org.in (21 अगस्त 14 सितंबर, 2025)

अधिक जानकारी के लिए: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in https://www.iapt.org.in

CBC 48143/12/0807/2526

सरस डेयरी ऑफिस में गंगाजल छिड़कने के मामले में अनिश्चितकालीन धरना जारी

मीणा समाज और डेयरी से जुड़े लोगों में घटना के बाद से आक्रोश फैल गया था

- **प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह छुआछूत और भेदभाव की मिसाल है, जो डेयरी जैसे सहकारी संस्थान में बर्दाश्त नहीं की जाएगी**
- **सीकर-झुंझुनूं जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (पलसाना) में चेयरमैन जीतराम मील का विरोध बढ़ता जा रहा है**

सीकर, (निसं)। ऑफिस में गंगाजल छिड़कने के मामले में सीकर-झुंझुनूं जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (पलसाना) में चेयरमैन जीतराम मील का विरोध बढ़ता जा रहा है। मीणा समाज और डेयरी से जुड़े लोगों ने सोमवार को डेयरी के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था, जो मंगलवार को भी जारी है।

जानकारी के अनुसार सरस डेयरी (पलसाना) के एमडी कमलेश मीणा के तबादले के बाद चेयरमैन जीतराम मील ने एकादशी पर ऑफिस में गंगाजल का छिड़काव किया था। इसका वीडियो सामने आया था। वीडियो में चेयरमैन एमडी की कुर्सी और कार्यालय में गंगाजल छिड़क रहे थे। इस घटना के बाद से मीणा समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। इसके चलते डेयरी से जुड़े दुग्ध उत्पादक, किसान और समाज के लोग धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह छुआछूत और भेदभाव की मिसाल है, जो डेयरी जैसे सहकारी संस्थान में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वहीं, सोमवार शाम को धरनास्थल पर पहुंचे दांतारामगढ़ विधायक वीरेंद्र सिंह ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। विधायक ने कहा कि यदि समय रहते आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। विधायक ने कहाकि डेयरी में न छुआछूत चलेगी, न मिलावट और न ही भ्रष्टाचार। यदि उत्पादों में मिलावट पाई गई तो हम सड़कों पर उतरेंगे और खुद जांच करेंगे। जिम्मेदारों को अपनी गलतियां सुधार लेनी चाहिए। वीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह डेयरी उनके पिता चौधरी नारायण सिंह की मेहनत और प्रयासों से स्थापित हुई थी, लेकिन पिछले दो-तीन सालों से डेयरी में भ्रष्टाचार और मिलावट की शिकायतें लगातार आ रही है। इसके कारण डेयरी विवादों में बनी हुई है। इतना ही नहीं, वे खुद अब सरस के उत्पादों के बजाय निजी डेयरियों का दूध-दही इस्तेमाल कर रहे हैं। विधायक ने एमडी कमलेश कुमार मीणा के तबादले के बाद हुई इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारियों की ऐसी हरकतें असहनीय है।

जिला परिषद सदस्य जयंत निठरवाल ने कहा कि डेयरी प्रबंधन से अपील है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं, वरना आंदोलन और तेज होगा। वहीं, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक आरोपी चेयरमैन समेत सभी जिम्मेदारों के खिलाफ विभागीय जांच और कार्रवाई नहीं होती, धरना जारी रहेगा।

50 लाख की पंजाब निर्मित शराब पकड़ी

पाली, (नि.सं.)। पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर द्वारा करीबन 50 लाख कीमत की पंजाब निर्मित बियर के कुल 620 कार्टन बरामद तथा आरोपी गिरफ्तार कर शराब तस्करी में प्रयुक्त गैस टेंकर जब्त किया। पुलिस अधीक्षक पाली आदर्श सिद्धू आईपीएस ने बताया की जिला पाली में शराब तस्करी व एनडीपीएस तस्करी के रोकथाम व लोकल एवं स्पेशल एक्ट कार्यवाही का विशेष अभियान चलाया जाकर सख्त निगरानी शुरू की गई थी जिसके परिणाम स्वरूप विपिन शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पाली के निर्देशन में 8 सितम्बर को एक गैस का टेंकर शराब परिवहन करते हुए को जब्त किया। पुलिस ने नेशनल हाईवे 162 पर नया गांव पुलिया के पास सर्विस रोड पर चालक देराजराम के कब्जे से टेंकर में से अवैध पंजाब निर्मित बियर के 620 कार्टन के जब्त किये। मुलजिम द्वारा टेंकर में गैस की आड में अवैध शराब की तस्करी करना पाया गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा0 नि0 वि0 खण्ड निवाई

क्रमांक:EE Newai/2025-26/डी- 2403-11 दिनांक : 22.08.2025

निविदा निरस्तीकरण आदेश

इस कार्यालय के पत्रांक 1916-25 दिनांक 25.07.2025 द्वारा निविदा सूचना संख्या 13/2025-26 आमन्त्रित की गई थी। उक्त निविदा में क्र.सं. 01, 02, 03, 04, 05 एवं 06 पर उल्लेखित कार्यों में किसी भी संवेदक द्वारा भाग नहीं लिये जाने के कारण उक्त निविदा को निरस्त किया जाता है।

RO. No. DIPR/10929-04.08.2025

(गौत्तम मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग
खण्ड निवाई

DIPR/C/12573/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN, DAUSA

PWD Dak Banglow Campus Dausa

दूरभाष-01427-223025, E-mail: eedausa.pwd@rajasthan.gov.in

No. Date:

Corrigendum. No. 01

With reference to Nit No. 14 Year 2025-26 issued by this office for the works. All the prospective bidder are hereby informed that department has extend the Time Period of bid submission due to technical issue as follows.

Particulars	Original Date	Revised
Bid Submission Closing Date	14.08.2025 to 28.08.2025	14.08.2025 to 15.09.2025
BID Opening Date	29.08.2025	16.09.2025

Other Terms and Conditions of NIT shall remain the same as before.

UBN NO:-1. PWD2526WOB09808, 2. PWD2526WOB 09810, 3. PWD2526WOB 09812 4. PWD2526WOB 09815, 5. PWD2526WOB 09816, 6. PWD2526WOB 09817

Executive Engineer
P.W.D.Dn. Dausa

DIPR/C/12692/2025

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/132 & 134 Date :- 01/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 35/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यों की कुल लागत	: रूपये 157.12 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	: 05.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 29.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 05.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 29.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 01.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526SLOB00241, 242 & 243

अधिशाषी अभियन्ता - विद्युत
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/9519

शराब ठेके पर रंगदारी मांगी, दो जने गिरफ्तार

- **पूर्व में भी एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया जस चुका है, जांच में जुटी पुलिस**

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने शराब ठेके पर सेल्समैन को धमकी देकर रंगदारी वसूलने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान देशराज और रोहित के रूप में हुई है।

मामले की जांच कर रहे विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि राजेंद्र कुमार मीणा पुत्र जगदीश मीणा निवासी बागड़ियों की ढाणी तन सताना ने मामला दर्ज करवाया था कि मैं जय भवानी वाइंस मेड की पालड़ी तिराहे वाली दुकान पर सेल्समैन का काम करता हूं। 21 अगस्त को में दुकान पर बैठा था। उसी समय सोनू कुमार, कार्तिक, बॉबी दुकान के सामने आकर खड़े हो गए और कहने लगे कि आज के बाद मेड की दुकान चलानी है तो हर महीने 50 हजार रुपए रंगदारी देनी होगी। साथ ही हमें वह हमारी टीम को मुफ्त में शराब भी उपलब्ध करवानी होगी। अगर तुम लोगों ने रंगदारी व शराब नहीं दी तो तुम्हें जान से मार देंगे। वहीं मेरे साथ मारपीट करने लगे व गल्ला लूटने की भी कोशिश की। इनसे हमें जान और माल का खतरा है, जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड देवेंद्र कुमार विश्नोई द्वारा पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत त्वरित कार्यवाही करने के निर्देशों की पालना में अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मेहनत व लगन से कार्य करते हुए आसूचना संकलन कर गहनता से तलाश करते हुए देशराज उर्फ कार्तिक पुत्र मुक्तिलाल निवासी झाड़ोदिया की ढाणी तन मैड, रोहित कुमार उर्फ बॉबी पुत्र स्व. श्यामलाल निवासी निवासी झाड़ोदिया की ढाणी तन मैड को गिरफ्तार किया गया है। वहीं पूर्व में भी सोहनलाल उर्फ सोनू उर्फ मुक्तिलाल निवासी झाड़ोदिया की ढाणी तन मैड को गिरफ्तार किया जा चुका है।

हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल लाइन हाजिर

- **अपराधियों के साथ फोटो वायरल हुआ था**

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम की स्पेशल टीम में लगे हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल को लाइन हाजिर के आदेश मंगलवार को जारी किए गए हैं। इनकी फोटो सोशल मीडिया पर अपराधियों के साथ वायरल हुई थी। जिस पर डीसीपी वेस्ट ने गंभीरता से लिया और आदेश जारी किए। मामले में अब जांच एडीसीपी वेस्ट को सौंपी गई है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम विनीत कुमार बंसल ने बताया कि डीएसटी वेस्ट में लगे हेड कांस्टेबल ओमाराम डांगी एवं कांस्टेबल भगाराम को लाइन हाजिर किया गया है। इनकी फोटो अपराधियों के साथ वायरल हुई थी। हालांकि फोटो पुरानी थी। जांच उच्चाधिकारी को सौंपी गई है।

दो बाइकों की टक्कर में सरकारी शिक्षक की मौत

सीकर, (निसं)। सीकर जिले के पलसाना में सोमवार देर रात एक्सीडेंट में एक सरकारी शिक्षक की मौत हो गई। टीचर सड़क पर एक घंटे तक तड़पते रहे। वहां से गुजर रही रोडवेज बस के कंडक्टर-ड्राइवर ने उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात खंडेला रोड पर दो बाइकों की भीषण भिड़ंत हो गई, जिसमें एक सरकारी टीचर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घायल अवस्था में सड़क पर तड़पते रहे टीचर को रोडवेज बस के स्टाफ ने पलसाना के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

टीचर शंकर लाल (45) निवासी अमरपुरा अलोदा (सीकर) गढ़वालों की ढाणी के पास बाइक से जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने शंकर लाल की बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर गिर गए। काफी समय तक शंकर लाल सड़क पर ही पड़े रहे। हादसे के बाद वहां से गुजर रही कोटपूतली डिपो की रोडवेज बस के ड्राइवर को सड़क पर एक व्यक्ति पड़ा दिखा, जिसके बाद उसने बस को रोका और कंडक्टर व यात्रियों की हेल्प से टीचर शंकर लाल को पलसाना हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने टीचर को मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार मौके पर सिर्फ एक ही बाइक बरामद हुई है, जबकि दूसरी बाइक के टूटे-फूटे पार्ट्स बिखरे पड़े थे। फिलहाल खाटूश्यामजी सदर थाना बाइक समेत उस पर सवार की तलाश में जुट गई है। वहीं मृतक टीचर के परिजनों ने बताया कि शंकर लाल सरकारी टीचर थे और रेटा स्कूल में पढ़ाते थे।

मिलावट की आशंका पर दुकानों से सैम्पल लिये

भीलवाड़ा, (निसं)। मिलावट की आशंका पर सवाईपुर और चांवडिया चौराहा स्थित दुकानों से अलग-अलग सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है।

भीलवाड़ा सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं ड्रग कंट्रोल राजस्थान एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार यादव की ओर से सवाईपुर क्षेत्र के खाद्य निर्माण इकाइयों का सघन निरीक्षण करते हुए मिलावट की शंका होने पर कृष्णा डेयरी कोटा रोड सवाईपुर से मावा और पनीर का, दीपक ऑयल मिल चावंडिया चौराया बन का खेड़ा से मूंगफली तेल का एवं सांवरिया ट्रेडिंग कंपनी सवाईपुर से मसूर दाल और मिर्ची पाउडर का खाद्य नमूना लिया गया है। प्रयोग शाला से खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर कार्यवाही की जाएगी।

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

No. : MBMU/OIC/2025-26/769 Date :- 04/09/2025

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.

1. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00034 Dining Table and Benches for hostel at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹12,25,000/- rupees and last date of bid submission 15.09.2025, 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00035 Furniture Items for HRD Centre at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹14,60,000 and last date of bid submission 15.09.2025, 12:00 Noon.
3. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00036 Supply Printer and Computer at M B M University, Jodhpur. with estimated amount ₹2,63,000 and last date of bid submission 10.09.2025 12:00 Noon.
4. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00037 Drawing Table and Stools at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹11.60 Lakhs and last date of bid submission 15.09.2025 12:00 Noon.
5. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00038 Procurement of Ceiling Fans at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹10.00 Lakhs and last date of bid submission 15.09.2025 12:00 Noon.

OIC-Central Store
MBM University

Raj.Samwad/C/25/9522

घड़सना तहसीलदार और कानूनगो के खिलाफ शिकायत दी

- **इंतकाल के लिए 15 हजार रुपए मांगने का आरोप, एसीबी ने मामला दर्ज किया**
- **रावला के एक किसान ने एसीबी चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी थी**

अनूपगढ, (निसं)। यहां एसीबी ने घड़साना की तहसीलदार बबीता और ऑफिस कानूनगो के खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया है। रावला के एक किसान ने एसीबी चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन मीणा को शिकायत दी थी।

शिकायत में बताया कि किसान के पिता के नाम चक 15 आरजेडी में 21 बीघा जमीन दर्ज है। पिता ने 20 सितंबर 2023 को देहांत से पहले रजिस्टर वसीयत किसान और उसके भतीजे के नाम कर दी थी। किसान ने फरवरी 2025 में इंतकाल दर्ज करवाने के लिए तहसीलदार को प्रार्थना पत्र दिया। तहसील में पदस्थापित ऑफिस कानूनगो रेशम सिंह ने इंतकाल के लिए 2 हजार रुपए प्रति बीघा के हिसाब से रिश्वत मांगी। एसीबी के डीएसपी भूपेंद्र सोनी ने बताया कि शिकायत के सत्यापन में रेशम सिंह और तहसीलदार बबीता की रिकॉर्डिंग की गई। पहले 20 हजार रुपए की मांग की गई, बाद में 15 हजार रुपए में तय हुई। जांच में किसान की शिकायत सही पाई गई। डीएसपी ने बताया कि किसान की शिकायत सही पाए जाने पर 23 मई 2025 को श्रीगंगानगर एसीबी के द्वारा तहसीलदार बबीता और कानूनगो रेशम सिंह को ट्रैप करने के लिए जाल बिछाया गया। पीड़ित किसान को तहसील कार्यालय में भेजा गया, मगर रेशम सिंह के द्वारा परिवादी को शाम 4 बजे आने के लिए कहा गया। जब परिवादी शाम को वापिस गया तो रेशम सिंह और तहसीलदार बबीता को शक हो गया तो उन्होंने बिना रुपए लिए विरासत इंतकाल दर्ज करने के लिए सम्बन्धित पटवारी को निर्देशित कर दिया। डीएसपी भूपेंद्र सोनी ने बताया कि हालांकि ट्रैप की कार्रवाई सफल नही हो पाई। मगर शिकायत का सत्यापन होने के बाद आवश्यक कार्रवाई करने के बाद आज तहसीलदार बबीता और रेशम सिंह के खिलाफ 15 हजार रुपए विरासत इंतकाल दर्ज करने की मांग का मुकदमा दर्ज किया गया है।

कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

फोन न0 05644–230688 वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur.com

क्रमांकः–भविप्रा / नीलामी / 2025 / 12761 दिनांक: 04.09.2025

ई–ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का सुनहरा अवसर

भरतपुर विकास प्राधिकरण भरतपुर द्वारा विभिन्न योजनाओं में आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्ड ई–ऑक्शन द्वारा नीलाम किये जा रहे है,

(नवरात्री एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भव्य ई–नीलामी)

क्र. सं.	योजना का नाम	भूखण्ड संख्या	साईज फुट व मीटर में	क्षेत्रफल व.ग./ व.मी.	आरक्षित दर प्रति व.ग. /व.मी. (लीज हेतु)	अमानत राशि (ई.एम.डी.)	ई–ऑक्शन प्रारम्भ करने की दर (प्रति व.ग./व.मी)
1	2	3	4	5	6	7	8
नीलामी दिनांक : – 24 से 25 सितम्बर 2025							
1.	बिल्डिंग मैटेरियल योजना संख्या–14 (व्यावसायिक)	TYPE-A 47,48,49	10X30	300.00 व.मी.	14000 व.मी.	120000	40,000.00 प्रति व.मी.
2.		TYPE-A 52,54	10X30	300.00 व.मी.	14000 व.मी	120000	40,000.00 प्रति व.मी.
3.		TYPE-A 133	10X20	200.00 व.मी.	14000 व.मी	70000	35,000.00 प्रति व.मी.
4.		TYPE-B 30,32,33,34	06X20	120.00 व.मी.	14000 व.मी	39600	33,000.00 प्रति व.मी.
5.		TYPE-B 55, 56, 57,58, 59, 60, 61	06X20	120.00 व.मी.	14000 व.मी	39600	33,000.00 प्रति व.मी.
6.		TYPE-B 77	10X20	200.00 व.मी.	14000 व.मी	66000	33,000.00 प्रति व.मी.
7.	एसपीएम नगर योजना (आवासीय)	847, 848, 849, 850	18'X35'	70.00 व.ग.	11000 व.ग.	47600	68,000.00 प्रति व.ग.
8.	ट्रांसपोर्ट नगर योजना (व्यावसायिक)	75	25'X80'	222.22 व.ग.	17000 व.ग.	155554	70,000.00 प्रति व.ग.
9.		1 (CORNER)	30'X80'	266.66 व.ग.	17000 व.ग.	333325	1,25,000.00 प्रति व.ग.
10.	सैक्टर नं0–03 (आवासीय)	24 CORNER	58X69	444.67 व.ग.	11000 व.ग.	400203	90,000.00 प्रति व.ग.
नीलामी दिनांक : – 07 से 08 अक्टूबर 2025							
11	बिल्डिंग मैटेरियल योजना संख्या–14 (व्यावसायिक)	TYPE-C 65, 90, 91, 92, 93, 96, 97	4.50X15	67.50 व.मी.	14000 व.मी.	27000	40,000.00 प्रति व.मी.
12		TYPE-C 167, 168,169, 170, 172, 173, 175	03X10	30.00 व.मी.	14000 व.मी.	22500	75,000.00 प्रति व.मी.
13		TYPE-C 272	03X03	9.00 व.मी.	14000 व.मी.	9900	1,10,000.00 प्रति व.मी.
14		TYPE-C 296, 303, 308, 310	03X03	9.00 व.मी.	14000 व.मी.	9900	1,10,000.00 प्रति व.मी.
15		TYPE-C 119	4.50X15	67.50 व.मी.	14000 व.मी.	27000	40,000.00 प्रति व.मी.
16	सैक्टर नं0–03 (व्यावसायिक)	59, 60	3X6	18.00 व.मी.	22000 व.मी.	45180	2,51,000.00 प्रति व.मी.
17		62, 64	3X6	18.00 व.मी.	22000 व.मी.	45180	2,51,000.00 प्रति व.मी.
18		75 CORNER	2.30X6	13.80 व.मी.	22000 व.मी.	31740	2,30,000.00 प्रति व.मी.
19	एसपीजैड योजना (आवासीय)	B-9 Corner	10X18	180.00 व.मी..	10500 व.मी.	99000	55,000.00 प्रति व.मी.
20		B-145 Corner	7.6X9	68.40 व.मी.	10500 व.मी.	34200	50,000.00 प्रति व.मी.
21		B-160 Corner	7.6 X 9	68.40 व.मी.	10500 व.मी.	34200	50,000.00 प्रति व.मी.
22		C-66 Corner	10X12	120.00 व.मी..	10500 व.मी.	78000	65,000.00 प्रति व.मी.
23		D-38 Corner	9.5X15	142.50 व.मी.	10500 व.मी.	86925	61,000.00 प्रति व.मी.
24	एसपीजैड योजना (व्यावसायिक)	A 6-7 Corner	18.6X20	372.00 व.मी.	21000 व.मी.	180420	48,500.00 प्रति व.मी.

1. क.स. 1 से 24 के भूखण्डों हेतु रजिस्ट्रेशन, अमानत राशि, पहचान पत्र अपलोड करने की कार्यवाही दिनांक 11.09.2025 को प्रातः 10 बजे सेसारणी मे अंकित बोली प्रारम्भ किये जाने की तिथि से एक दिवस पूर्व सांय 6 बजे तक की जावेगी।
2. आमजन को सूचित किया जाता है कि अगर नीलामी में रखे गये भूखण्डों पर किसी न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया हो तो नीलामी से पूर्व मय साक्ष्य के प्राधिकरण कार्यालय में प्रस्तुत करें।
3. ई–ऑक्शन की पूर्ण जानकारी व शर्ते प्राधिकरण कार्यालय में एवं sso.rajasthan→Urban services→Citizen service→E-Auction के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

अन्य शर्ते एवं नियम

1. अमानत राशि ऑनलाईन नीलामी में भाग लेने वाला व्यक्ति को कॉलम संख्या 7 में अंकित राशि (नियमानुसार) राशि अमानत के रूप में जमा करा नीलामी में भाग ले सकेगा। सफल बोली दाता की अमानत राशि विक्रय मूल्य में समायोजन की जायेगी एवं असफल बोलीदाता की अमानत राशि पुर्नभुगतान कर दी जायेगी।
2. उच्चतम बोलीदाता को बोली की 15 प्रतिशत राशि नीलामी दिनांक से 3 कार्यदिवस दिवस में जमा करानी होगी। उक्त राशि जमा नहीं कराने की स्थिति में बोलीदाता की जमा अमानत राशि प्राधिकरण पक्ष में जब्त की जाकर बोली स्वतः ही निरस्त समझी जायेगी।
3. ऑनलाईन नीलामी की दर स्वीकृति पश्चात सफल बोलीदाता को बोली की 35 प्रतिशत राशि को नीलामी दिनांक से 120 दिवस में जमा करानी होगी।
4. सफल बोलीदाता को बोली की शेष 50 प्रतिशत राशि ऑनलाईन नीलामी दिनांक से 180 दिवस में जमा करानी होगी।
5. प्रत्येक भूखण्ड की नीलामी पर 1 प्रतिशत नीलामी कमीशन पृथक से देय होगा।
6. यदि सफल बोलीदाता मांगपत्र जारी दिनांक से 15 दिवस में समस्त राशि का जमा करता है तो बोली राशि में 1 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी।
7. यदि बोलीदाता बढाई गई अवधि में राशि जमा कराने में असफल रहता है तो जमा 15 प्रतिशत राशि स्वतः ही प्राधिकरण पक्ष में जब्त हो जायेगी स्वतः ही निरस्त मानी जायेगी।
8. बोलीदाता को पेन कार्ड की प्रति जमा करानी होगी।
9. ऑनलाईन बोली 100/– रूपये प्रति वर्गगज/वर्गमीटर के गुणांक में ही स्वीकार की जायेगी।
10. नगरीय कर/लीज राशि योजना की आरक्षित दर की 2.5 प्रतिशत आवासीय एवं 5 प्रतिशत व्यावसायिक प्रतिवर्ष देय होगी।
11. 300 वर्ग मीटर से अधिक के आवासीय भूखण्ड पर 10/– प्रति वर्ग मीटर एवं सभी व्यावसायिक भूखण्डों पर 25 प्रति वर्गमीटर की दर से पृथक से बी.एस.यू.पी फण्ड देय होगा।
12. भूखण्ड मौके पर जैसी स्थिति में है उसी स्थिति में नीलाम किया जायेगा व क्षेत्रफल में परिवर्तन हो सकता है, बोलीदाताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे बोली प्रक्रिया में भाग लेने से पहले प्रस्तावित भूखंड की साइट का दौरा अवश्य करें।
13. नीलामी में विक्रय किये जाने वाले भूखण्डों पर उचित प्रतिस्पर्धा होने की स्थिति में एवं उचित दर प्राप्त होने पर ही नीलामी समिति द्वारा भूखण्ड आवंटन की अनुशंसा योग्य माना जायेगा।
14. उच्चतम बोली को स्वीकार/अस्वीकार (बिना किसी कारण) करने का अंतिम अधिकार प्राधिकरण अध्यक्ष में निहित है।
15. शर्ते भरतपुर विकास प्राधिकरण के अनुसार मान्य होंगी।
16. अमानत राशि व मांग पत्र ऑनलाईन पॉर्टल कें माध्यम से ही देय है।
17. 50 लाख अथवा इससे अधिक मूल्य के आवासों/भूखण्ड पर आयकर का प्रावधान 194-IA के अनुसार केता को कुल भूखण्ड की राशि का एक प्रतिशत टीडीएस राशि जमा करानी होगी।
18. नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाता को SSO ID के माध्यम से लॉगइन कर अरबन सर्विसेज में अपनी प्रोफाईल बनाकर ही भाग लेना होगा एवं धरोहर राशि भी ऑनलाईन जमा करानी होगी। धरोहर राशि जमा कराने के पश्चात ही ऑनलाईन बोली लगाई जा सकेगी।
19. मौकानुसार भूखण्ड की साईज में परिवर्तन होने पर प्राप्त दर अनुसार राशि घटाई व बढाई जा सकेगी तथा गोलाई/त्रिज्या में आने वाले क्षेत्र की राशि कम नही की जायेगी।
20. ऑनलाईन नीलामी प्रक्रिया में अंतिम 5 मिनट में किसी भी आवास/भूखण्ड पर बोली लगने पर बोली का समय स्वत 5 मिनट बढ जायेगा।
21. आमजन को सूचित किया जाता है कि अगर नीलामी में रखे गये भूखण्डों पर किसी न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया हो तो नीलामी से पूर्व मय साक्ष्य के प्राधिकरण कार्यालय में प्रस्तुत करें।
22. भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर किसी भी प्रकार की इन्टरनेट नेटवर्क संबंधी समस्या के लिए जबाव देय नहीं होगा।

राज.संवाद/सी/25/9547 सचिव आयुक्त

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, उदयपुर

क्रमांक :- प.46/अअउ/वि.बो/बिड/2024-25/राजकाज नं. 17637692 दिनांक :- 09/09/2025

निविदा सूचना संख्या -04/2025-26 (NIB No. AGM2526A0145)

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड खण्ड उदयपुर के अन्तर्गत जिला उदयपुर, राजसमन्द एवं सलुम्बर में विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्यो की ऑनलाईन निविदाऐं ई–प्रोक्युरमेन्ट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से उपयुक्त कार्य हेतु दिनांक 03.10.2025 तक आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.rsamb.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in (NIB No AGM 2526A0145 & UBN No. AGM2526WLRC00544 to 547) पर भी देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/9543 अधिशाषी अभियन्ता

DR. BHIMRAO AMBEDKAR LAW UNIVERSITY

(A State Funded University of Rajasthan), Plot No. 8, Dehni Kalan, JDA Institution Scheme, Bagru, Tehsil : Sanganer, Dist. : Jaipur-303007, (Rajasthan), E-Mail : registrar@alujaipur.ac.in

F.No. :- 5(4)Exam-Secy./ALU/2025-26/2687 Date :- 04/09/2025

NOTICE INVITING E-BID

E-Bids for hiring of services for "Marking fictitious roll number on answer books, double punching of flaps & its tearing, scanning of answer books and preparation of database for onscreen evaluation work." are invited from interested bidders up to 29/09/2025 time 2:00 pm. Other particulars of bid may be visited on procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in & www.alujaipur.ac.in university website. Approximate value of the procurement is Rs. 240 lakhs.

UBN : ALU2526SLOB00006

Raj.Samwad/C/25/9521 REGISTRAR

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECTRICAL DIVISION BARAN

S.No. 491 **Notice Inviting Bid** Date 29.08.25

(NIT No 13/2025-26)

Bids for 01 Electrical work at Baran are invited from interested bidders up to 06.00 PM of 12.09.2025 (Friday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portalhttp://eproc.rajasthan.gov.in.http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs 125.55 Lac

1. PWD2526WSOB11324

(Rachit Sharma)
Executive Engineer
PWD Elect. Dn Baran

DIPR/C/12923/2025

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/4911–13 दिनांक : 04.09.2025

ई–टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 50/2025–26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 4.25 लाख रूपये से 19.84 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :–

1. DLB2526WSOB16710, 2. DLB2526WSOB16712, 3. DLB2526WSOB16713

राज.संवाद/सी/25/9505 आयुक्त, नगर परिषद बारां

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (वि.श्रै.) रामगंजमंडी जिला-कोटा

क्रमांक :- 828 - 38 दिनांक :- 04/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 2/2025-26

कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी में सुरक्षा व्यवस्था ठेका हेतु सुरक्षा कर्मियों की आपूर्ति का कार्य के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों/सहकारी संस्थाओं/स्वयंसेवी संस्थाओं/भूतपूर्व सैनिक सहकारी संस्थाओं से ठेका पद्धति पर ऑन लाईन निविदा ई–प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से दिनांक 20.09.2025 को सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in agriculture.rajasthan.gov.in department website पर भी देखी जा सकती है।

UBIN : DAM2526SLOB00749

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, रामगंजमंडी

राज.संवाद/सी/25/9531

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (वि.श्रै.) रामगंजमंडी जिला-कोटा

क्रमांक :- 861 - 871 दिनांक :- 04/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 3/2025-26

कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी में सफाई व्यवस्था ठेका हेतु सफाईकर्ता की आपूर्ति का कार्य के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों/सहकारी संस्थाओं/स्वयंसेवी संस्थाओं/भूतपूर्व सैनिक सहकारी संस्थाओं से ठेका पद्धति पर ऑन लाईन निविदा ई–प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से दिनांक 20.09.2025 को सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in agriculture.rajasthan.gov.in department website पर भी देखी जा सकती है।

UBIN : DAM2526SLOB00755

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, रामगंजमंडी

राज.संवाद/सी/25/9530

मूसलाधार बारिश के बीच भारतीय सेना ने 21 ग्रामीणों को बचाया

गोल्डन कटार डिवीजन के सैनिकों ने दसूरिया गांव की महिलाओं और बच्चों सहित 21 ग्रामीणों को बचाया।

जयपुर/बाड़मेर। गोल्डन कटार डिवीजन के सैनिकों ने त्वरित और समन्वित मानवीय प्रयास से 7 और 8 सितंबर को बाड़मेर जिले के दसूरिया गांव की महिलाओं और बच्चों सहित 21 ग्रामीणों को सफलतापूर्वक बचाया।

ले. कर्नल निखिल धवन, जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) जयपुर के अनुसार यह अभियान बाखासर के सरपंच भंवर लाल बामणिया के तत्काल अनुरोध पर शुरू किया गया था। रैप्टर ब्रिगेड की एक इन्फैंट्री बटालियन की क्विक रिएक्शन टीम ने शीघ्रता से प्रभावित गाँव में पहुँचकर प्रतिकूल मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद 12 लोगों को बचाया। इसके बाद, उसी ब्रिगेड की एक आर्म्ड रेजिमेंट के जवानों ने बचाव अभियान में भाग लिया और इस संयुक्त प्रयास के परिणामस्वरूप 9 और ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया, इस प्रकार से कुल 21 लोगों को बचाया गया। यह अभियान एसडीआरएफ, राजस्थान के सहयोग व समन्वय से संचालित किया गया।इस तुरंत और समय पर तीव्र कार्यवाही के परिणामस्वरूप बहुमूल्य जीवन बचाए गए, जो भारतीय सेना के दृढ़ संकल्प और धैर्य को दर्शाता है।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

- **कोर्ट ने 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। यह फैसला पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत संख्या 2 ने सुनाया। दोषी हरमन सिंह की उम्र 19 साल से भी कम है। पुलिस जांच में सामने आया था कि घटना के समय दोषी की उम्र 18 साल 28 दिन थी। इसके लिए दोषी के स्कूल के रिकॉर्ड की जांच की गई थी।

एसपीपी हरवीर सिंह बराड़ ने बताया कि दोषी हरमन सिंह को पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4(2) के तहत 20 साल के कारावास के अलावा 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड नहीं भरने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इसके अलावा बीएनएस की धारा 137(2) के तहत तीन साल के कठोर कारावास और दस हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अदम अदायगी छह माह होगी। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। दोषी के खिलाफ थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के परिजन ने केस दर्ज करवाया था। रामसिंहपुर थाने में 15 जनवरी 2025 को नाबालिग लड़की के अपहरण का केस दर्ज हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि दोषी हरमन सिंह पीड़िता को अपने रिश्तेदार के घर ले गया और बार-बार दुष्कर्म किया। इसके बाद पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में भी केस दर्ज हुआ। सबूत के तौर जब्त की गई चादर की एफएसएल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई थी।

महाराणा प्रताप और जनजातीय संस्कृति को समर्पित दो नए पर्यटन सर्किट शुरू करेगी सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 200 करोड़ रुपए की इन दोनों परियोजना पर चर्चा की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के गौरवशाली इतिहास और जनजातीय संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट और ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के रूप में दो महत्त्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू करने जा रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में इन दोनों परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदेश की विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संप्रभुता, स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। उनकी वीरता और शौर्यगाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार 100 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है। इसमें चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर और उदयपुर जैसे महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक स्थल शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि इन स्थलों का विकास न केवल इतिहास के संरक्षण में सहायक होगा, बल्कि राज्य के पर्यटन क्षेत्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक लेकर महाराणा प्रताप और ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट के विकास पर चर्चा की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, और वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- **100 करोड़ रु. की लागत से बनने वाले महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट में चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर और उदयपुर जैसे ऐतिहासिक स्थल शामिल होंगे।**
- **ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट पर भी 100 करोड़ रु. खर्च होंगे, इसमें सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृ कुण्डिया, बेणेश्वर धाम और मानगढ़ धाम जैसे स्थल शामिल होंगे।**

मुख्यमंत्री शर्मा ने निर्देश दिए कि हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप के स्वामीभक्त घोड़े चेतक का एक भव्य स्मारक बनाया जाए। इसके साथ ही हल्दीघाटी के युद्ध को थ्रीडी तकनीक और लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि पर्यटक उस ऐतिहासिक पल को महसूस कर सकें।

चावंड स्थित महाराणा प्रताप के समाधि स्थल को भव्य रूप देने और दिवेर में ऐतिहासिक विजय की स्मृति में विजय स्तंभ के निर्माण के निर्देश भी दिए गए। गोगुंदा, दिवेर और चित्तौड़गढ़ में प्रताप के जीवन से जुड़े स्थलों पर स्मृति-चिन्ह और स्मारकों के विकास की योजना भी बनाई गई है।

राजस्थान सरकार जनजातीय समुदाय की गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक वैभव को संरक्षित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 100 करोड़ रुपये की लागत से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जाएगा, जिसमें सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृ कुण्डिया, बेणेश्वर धाम और मानगढ़ धाम जैसे स्थल शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बेणेश्वर धाम पर माही, सोम और जाखम नदियों के संगम पर हर वर्ष विशाल आदिवासी मेला आयोजित होता है, जिसे और सुव्यवस्थित किया जाएगा। घाटों और मूलभूत सुविधाओं को नया स्वरूप दिया जाएगा।इसके अलावा, बजट घोषणा के अनुरूप डूंगरपुर में डूंगर बरंडा और बांसवाड़ा में बांसिया चारपोटा में जनजातीय नायकों के स्मारक बनाए जाएंगे, जिससे आदिवासी समाज की ऐतिहासिक भूमिका को उचित सम्मान मिल सके।

इस समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, और वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य सरकार का यह प्रयास राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को न केवल संरक्षित करेगा, बल्कि आने वाले वर्षों में प्रदेश को एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

मंत्री किरोड़ी मीणा और विधायक गोठवाल के बीच तीखी नोकझोंक

भाजपा विधायक दल की बैठक में हुए इस विवाद को मुख्यमंत्री ने दखल देकर शांत कराया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में भाजपा के अंदरूनी मतभेद एक बार फिर सतह पर आ गए हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बुलाई गई भाजपा विधायक दल की बैठक का माहौल उस समय गर्मा गया, जब कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा और सवाई माधोपुर से विधायक जितेंद्र गोठवाल के बीच तीखी बहस हो गई। मामला इतना बढ़ा कि तू-तड़ाक की भाषा तक पहुंच गया, जिसके बाद खुद मुख्यमंत्री को बीच में आकर हस्तक्षेप करना पड़ा।

- **इस घटनाक्रम के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता वसुंधरा राजे का विधायक दल की बैठक में शामिल न होना भी चर्चा का विषय रहा**
- **जबकि सोमवार को वसुंधरा राजे विधानसभा में नजर आई थीं और पार्टी विधायकों के साथ बैठकें की थीं, साथ ही स्पीकर देवनानी से भी मुलाकात की थी। खराबे और अब कानून-व्यवस्था के नाम पर सोमवार को विरोध-प्रदर्शन किया गया।**

बैठक सुबह 10 बजे विधानसभा परिसर में शुरू हुई थी। सूत्रों के अनुसार, विधायक जितेंद्र गोठवाल ने बैठक के दौरान पीएचईडी विभाग से जुड़े एक अधिकारी की शिकायत की, यह कहते हुए कि वह उनका काम नहीं कर रहा है। इस पर मंत्री किरोड़ी मीणा ने उन्हें फटकारते हुए कहा, तुम फालतू बकवास करते हो। इसके बाद गोठवाल ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए तीखा जवाब दिया। दोनों नेताओं के बीच तू-तड़ाक की स्थिति बनने लगी, जिसे देख मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हस्तक्षेप कर मामला शांत कराना पड़ा। इस घटनाक्रम के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता वसुंधरा राजे का बैठक में शामिल न होना भी चर्चा का विषय रहा। सोमवार को वे विधानसभा में नजर आई थीं और पार्टी विधायकों के साथ बैठकें की थीं, साथ ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से भी मुलाकात की थी। लेकिन मंगलवार को हुई विधायक दल की बैठक में उनकी अनुपस्थिति को लेकर राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के अपराध में सहयोगी रहे अभियुक्त को 20 साल की कैद

जयपुर (कासं)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 6 साल पहले नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म में सहयोग करने वाले अभियुक्त महेश कुमार को 20 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने 18 साल से कम उम्र की पीडिता के जंगल से घर लौटते समय मुख्य अभियुक्त की ओर से उसका अपहरण करने और बाद में दुष्कर्म करने में सहयोग किया। मौजूदा समय में छोटे बच्चों के साथ दुष्कर्म के अपराध बढ़ रहे हैं और ऐसे में अपराध की प्रकृति को देखते हुए अभियुक्त के लिए किसी तरह की नरमी नहीं बरती जा सकती। मामले में पॉक्सो कोर्ट मुख्य अभियुक्त को 2021 में ही सजा सुना चुकी है।

- **जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 6 साल पहले नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में फैसला सुनाया**
- **अदालत ने अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है**

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने बताया कि पीडिता के पिता ने 29 मार्च 2019 को फागी पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि वह सुबह 8 बजे काम पर गया था और घर पर उसकी 17 साल की बेटी अकेली थी। वह सुबह 11 बजे जब किसी काम से घर लौटा तो उसकी बेटी वहां पर नहीं मिली। उसने पीडिता की सभी जगह तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। उसे शक है कि उसका रिश्तेदार ही उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। वह 19 फरवरी को भी उसे ले गया था, तब परिजनों ने समझा दिया था, लेकिन उसने दुबारा अपराध किया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर मुख्य आरोपी को 15 मई 2019 को हैदराबाद से गिरफ्तार कर पीडिता को बरामद किया। जांच में पता चला कि अभियुक्त महेश ने भी अपहरण व दुष्कर्म के अपराध में अभियुक्त को सहयोग किया था।

अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों का राष्ट्रीय अधिवेशन आज से शुरू

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन 10 सितंबर से बिरला ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। अधिवेशन का समापन 11 सितंबर को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के मार्गदर्शन से होगा।

- **जयपुर के बिड़ला सभागार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे उद्घाटन**
- **दो दिवसीय अधिवेशन में सात तकनीकी सत्र होंगे, जिनमें डिजिटल बैंकिंग से लेकर जोखिम प्रबंधन तक होगा मंथन**

यह अधिवेशन सहकार भारती और सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकर्स, विशेषज्ञ और नीति निर्धारक हिस्सा लेंगे। आयोजन की तैयारियों का सोमवार को सहकारिता मंत्री गौतम दक और सहकार भारती के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया और सेवा सदन में बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

सहकार भारती के प्रदेश मंत्री मनोज शर्मा और अधिवेशन के सह-व्यवस्था प्रमुख हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि अधिवेशन में सात प्रमुख सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें साइबर सुरक्षा, डिजिटल बैंकिंग, डेटा एनालिटिक्स, जोखिम प्रबंधन, सुशासन, वन टाइम सेटलमेंट, अम्ब्रेला संगठन की अवधारणा, एक्ट और सहकारी बैंकों में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ उद्बोधन देंगे।

इस अधिवेशन में सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदय जोशी, राष्ट्रीय महामंत्री दीपक चौरसिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पांचपौर, आरबीआई निदेशक सतीश मराठे सहित देश के कई वरिष्ठ सहकारी नेता और बैंकिंग विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। अधिवेशन के दौरान बैंकिंग विषय पर एक विशेष नाट्यय प्रस्तुति भी दी जाएगी।

अधिवेशन स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में सहकारिता मंत्री गौतम दक के साथ सहकार भारती के शीर्ष पदाधिकारी डॉ. उदय जोशी, दीपक चौरसिया, जीवन भाई गोले, प्रदीप चौबीसा और अन्य प्रमुख कार्यकर्ता शामिल रहे।

विधानसभा में "कैमरा विवाद" गर्माया

विपक्ष की सीटों के ऊपर लगाए गए अतिरिक्त कैमरों को लेकर कांग्रेस ने सदन में हंगामा और विरोध किया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब कांग्रेस विधायकों ने विपक्ष की तरफ अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने को लेकर कड़ा विरोध जताया। विपक्ष ने इसे "निजता का हनन" बताया और सरकार पर विपक्ष की निगरानी करने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा विधायकों ने पलटवार करते हुए इसे कुकृत्यों को छिपाने की कोशिश करार दिया।

- **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा "इन कैमरों के जरिए विपक्ष के विधायकों की व्यक्तिगत बातचीत रिकॉर्ड की जा रही है, यह निजता का हनन है।"**
- **वहीं, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने विपक्ष के तर्कों को खारिज करते हुए कहा "सदन कोई बेडरूम या बाथरूम नहीं है। यह एक सार्वजनिक मंच है जहां सबकी गतिविधियां पारदर्शी होनी चाहिए। कैमरों से निजता का हनन कैसे हो गया?"खराबे और अब कानून-व्यवस्था के नाम पर सोमवार को विरोध-प्रदर्शन किया गया।**

विधानसभा में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस विधायकों ने सदन में विपक्षी बेन्चों के ऊपर लगाए गए अतिरिक्त कैमरों का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि इन कैमरों के जरिए विपक्ष के विधायकों की व्यक्तिगत बातचीत रिकॉर्ड की जा रही है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है।

टीकाराम जूली ने कहा, यह केवल निगरानी नहीं, बल्कि हमारे निजता के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। सदन में हमारे ऊपर कैमरे लगा दिए गए हैं, हमारी बातचीत रिकॉर्ड की जा रही है। अगर सब कुछ पारदर्शी रखना है तो फिर इन कैमरों की फुटेज यूट्यूब पर लाइव क्यों नहीं की जाती?

वहीं कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने सवाल उठाया कि आखिर ये अतिरिक्त कैमरे किसकी अनुमति से लगाए गए।

उन्होंने कहा, यह केवल विपक्ष का नहीं, पूरे सदन की गरिमा का प्रश्न है। ऐसी परंपरा शुरू करना बेहद खतरनाक है। स्पीकर की अनुमति के बिना ऐसा नहीं हो सकता।

इस पूरे घटनाक्रम पर भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, निजता तो एक बहाना है, कांग्रेस विधायक सदन में धरना देते हैं, पैर दबवाते हैं, और रात में कुकृत्य की कोशिश करते हैं।

कैमरे लगाने का विरोध इसलिए है कि वे अपने आचरण को छिपा सकें।वहीं, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कैमरा लगाने को लेकर विपक्ष के तर्कों को खारिज करते हुए कहा, सदन कोई बेडरूम या बाथरूम नहीं है।

यह एक सार्वजनिक मंच है जहां सबकी गतिविधियां पारदर्शी होनी चाहिए। कैमरों से निजता का हनन कैसे हो गया?हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बार-बार विपक्ष को संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस विषय पर आसन की तरफ से जल्द ही औपचारिक व्यवस्था दी जाएगी, लेकिन विपक्ष के सदस्य लगातार हंगामा करते रहे और कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न करते रहे।

सिविल इंजिनियरिंग की फर्जी डिग्री दिलाने वाला गिरफ्तार

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कार्रवाई करते हुए सिविल इंजिनियरिंग की फर्जी डिग्री दिलवाने के मामले में एक आरोपित को जयपुर से गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसओजी की टीम ने सिविल इंजिनियरिंग की फर्जी डिग्री दिलवाने वाले सागर दौलतानी को सिन्धी कैम्प जयपुर से गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि एसओजी ने आदित्य यादव को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। जिसने 12वीं के बाद पढ़ाई नहीं की थी, किन्तु कालोरयक्ष यूनिवर्सिटी (वर्तमान में साबरमती विश्वविद्यालय) अहमदाबाद से फर्जी बीटेक सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री खरीदी थी। आरपीएससी द्वारा आयोजित सहायक अभियंता-सिविल (स्वायत शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 परीक्षा में वह 7वीं रैंक पर चयनित सूची में आया था, जबकि उसने सिविल अभियांत्रिकी की पढ़ाई नहीं की थी।

निकाय-पंचायत चुनावों को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जयपुर (विसं)। प्रदेश में निकाय और पंचायत चुनावों की तिथि घोषित न किए जाने को लेकर कांग्रेस का विरोध लगातार तेज़ होता जा रहा है। सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायकों ने इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया और राज्य सरकार पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया। सुबह 10:30 बजे कांग्रेस विधायक विधायक आवास पर एकत्रित हुए, जहाँ से वे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में पोस्टर-बैनर लेकर विधानसभा परिसर पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने "संविधान बचाओ", "चुनाव कराओ" जैसे नारे लगाए और सरकार से तुरंत निकाय व पंचायत चुनाव कराने की मांग की।

कांग्रेस विधायकों ने अपने हाथों में जो पोस्टर लिए थे, उनमें लिखा था "मैं भजनलाल हूं, मैं निकाय और पंचायत चुनाव 5 साल पर नहीं करवाऊंगा", जो राज्य सरकार के प्रति व्यंग्यात्मक विरोध का संकेत था। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कर संविधान की रक्षा की शपथ भी ली। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 73वें और 74वें संविधान संशोधन के तहत हर 5 साल में पंचायत और निकाय चुनाव कराना अनिवार्य है। लेकिन राज्य सरकार इस संवैधानिक प्रावधान की अनदेखी कर रही है।

उन्होंने कहा, "हमने कई बार सरकार से चुनाव कराने की मांग की। हस्ताक्षर अभियान चलाया, जिलों में प्रदर्शन किए, लेकिन सरकार संवैधानिक दायित्व निभाने के बजाय टालमटोल कर रही है। यह सीधा लोकतंत्र पर प्रहार है।" टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से जुड़े कई निर्वाचित प्रतिनिधियों को नियमों के खिलाफ सस्पेंड किया जा रहा है।

कर्नाटक के दल ने जयपुर में किया वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का अवलोकन

जयपुर। नगर निगम हैरिटेज के कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अब देशभर में सराहना मिल रही है। जयपुर की कचरा मुक्त बनाने में हेरिटेज निगम के विभिन्न प्लांट सहायक सिद्ध हो रहे है।

मंगलवार को कर्नाटक राज्य के टाऊन पंचायत बेलूर की इंजीनियरिंग विंग ने लंगड़ियावास स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधि दल ने प्लांट की सारी प्रक्रिया को जाना। हेरिटेज निगम प्रोजेक्ट अधिशाषी अभियंता मुकेश कुमार ने बताया कि वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में प्रतिदिन एक हजार टन कचरे को री ड्यूज कर 12 मेगावाट बिजली बनाई जा रही है। इसमें डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था के तहत नगर निगम हूपर के माध्यम से कचरे को प्लांट तक पहुंचाया जाता है। जहां प्रक्रिया के तहत कचरे को रि ड्यूज कर ऊर्जा में परिवर्तित किया जा रहा है। इस प्लांट को जिंदल पावर कंपनी के द्वारा संचालित किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान बेल्लूर आए दल के कुल 17 अधिकारियों का दल शामिल रहा। इस दौरान हेरिटेज निगम महापौर के विशेषाधिकारी सुनील कुमार यादव ने निरीक्षण कर कर्नाटक से आए प्रतिनिधि दल को प्लांट के संबंध में जानकारी दी।

विद्यार्थियों को सुरक्षित भवनों में पढ़ाने की व्यवस्था का रोडमैप पेश करे सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि वह रोडमैप पेश कर विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए जल्दी से जल्दी उचित और उपयुक्त भवन मुहैया कराने की जानकारी दे। इसके साथ ही अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे अध्ययन के काम आ रही स्कूलों और पढाई के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई वैकल्पिक व्यवस्था का 15 सितंबर से 18 सितंबर के बीच रेंडम सर्वे कर अदालत में इसकी रिपोर्ट पेश करे। प्राधिकरण सचिव इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र के दूर-दराज वाली स्कूलों का विशेष ध्यान रखें। इस दौरान अदालत ने संबंधित कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों सहित जिला शिक्षा अधिकारियों को उचित व्यवस्था करने को कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत मामले में 19 सितंबर को सुनवाई करेगी।

- **अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को भी मौका निरीक्षण के निर्देश दिए**

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने प्रमुख शिक्षा सचिव का शपथ पत्र पेश किया। महाधिवक्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि प्रदेश की कई जर्जर स्कूल चिन्हित कर वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को वैकल्पिक स्थानों पर पढाया जा रहा है। इस पर अदालत ने कहा कि अब बच्चे टीन शेड के नीचे पढ रहे हैं, यह स्थिति ठीक नहीं है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा की स्कूल भवनों की उचित व्यवस्था करने की क्या व्यवस्था है। इसके साथ ही अदालत ने इस संबंध में राज्य सरकार को रोडमैप पेश कर कोर्ट को इसकी जानकारी देने को कहा है। वहीं अदालत ने मौजूदा हालातों को जानने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को निरीक्षण कर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि झालावाड की एक स्कूल का भवन गिरने से विद्यार्थियों की मौत के बाद अदालत ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। वहीं गत सुनवाई पर अदालत ने जर्जर भवनों में पढाने पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा था। वहीं प्रमुख शिक्षा सचिव से वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी पेश करने को कहा था।

समाज कल्याण सप्ताह 1 अक्टूबर से

जयपुर (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हर वर्ष की तरह आगामी 1 से 7 अक्टूबर तक प्रदेश भर में समाज कल्याण सप्ताह मनाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार समाज कल्याण सप्ताह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विशेष योग्यजन, महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों के विरूद्ध जनचेतना जाग्रत करना है। गहलोत ने बताया कि सप्ताह के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को दिवसों में बांटा गया है।

यूपीएससी अभ्यर्थी ने दी गंभीर बीमारी को मात

जयपुर। नारायणा अस्पताल जयपुर के कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शुभम शर्मा और उनकी टीम ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की, जब 22 वर्षीय यूपीएससी अभ्यर्थी ने एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम और उससे जुड़ी गंभीर जटिलताओं को मात देकर नया जीवन पाया। मरीज की स्थिति इतनी गंभीर थी कि उन्हें आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना पड़ा, वेंटिलेटर सपोर्ट, प्रोनिंग पोज़िशन और लगातार निगरानी की आवश्यकता पड़ी। हालात तब बिगड़े जब उन्हें प्यूमोमीडियास्टिनम और दोनों फेफड़ों में न्यूमोथोरैक्स फेफड़ों में हवा भर जाना, जिससे उसमें सिकुडन जाती है, जैसी जटिलताएँ हो गईं। लगातार पाँच दिन तक दवाइयों का असर न होने पर चिकित्सकीय टीम ने नया उपचार शुरू किया। विशेषज्ञों की सतत निगरानी और देखभाल से धीरे-धीरे फेफड़े स्वस्थ होने लगे।

राजस्थान में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पर सियासी संग्राम

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में पेश किए गए धर्मांतरण विरोधी विधेयक को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों ने इसे राज्य की संस्कृति और धार्मिक समरसता की रक्षा का "ऐतिहासिक फैसला" बताया है। वहीं, विपक्षी कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और बहस से बचने के आरोप लगाए गए।

- **सरकार ने बताया ऐतिहासिक कदम, कांग्रेस पर लगाए तुष्टिकरण के आरोप**

राज्य सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस विधेयक को लाकर लाखों धर्मप्रेमियों की भावनाओं का सम्मान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब, दलित, आदिवासी और महिलाओं को डराकर, लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था, जिसे रोकने के लिए यह कठोर कानून लाया गया है। बेढम ने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने दिल्ली के नेताओं के इशारे पर सदन में चर्चा से किनारा किया, जिससे साफ होता है कि पार्टी तुष्टिकरण की नीति पर चल रही है। उन्होंने कहा कि अलवर और बांसवाड़ा जैसे जिलों में जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद की घटनाएं चिंताजनक हैं।

इस विधेयक में कड़े प्रावधान शामिल हैं- जबरन धर्मांतरण पर 7 से 14 साल की सजा, जबकि दलित, महिला या दिव्यांग को निशाना बनाए जाने पर 20 साल तक की सजा और आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। इसके अलावा, अवैध संपत्ति के जरिये धर्म परिवर्तन कराने वालों पर बुलडोजर कार्रवाई का भी प्रावधान जोड़ा गया है।

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति के चलते इस विधेयक पर बहस से बचने का फैसला लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के चार मुस्लिम विधायक इस कानून का विरोध कर रहे थे। मंत्री राज्यवर्धन सिंह ने कहा कि यह कानून हर धर्म की रक्षा के लिए है और अब कोई भी व्यक्ति किसी अन्य धर्म में जबरन धर्म परिवर्तन नहीं करा सकेगा। वहीं, विधायक महंत प्रतापपुरी ने सिरोही और जैसलमेर में हुई लव जिहाद की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि अब ऐसी घटनाओं पर सख्त रोक लगेगी।

भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि कांग्रेस ने इस विधेयक पर चर्चा से भागकर यह साबित कर दिया कि वह हिन्दू विरोधी मानसिकता से ग्रस्त है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता इस कानून की लंबे समय से मांग कर रही थी।

सफाई व्यवस्था में अनियमितता देखकर भड़के मंत्री मदन दिलावर

जिला प्रमुख और प्रधान को संस्पेंड करने तक की धमकी दे डाली, बीडीओ को भी फटकार लगाई

चूरू, (निसं) शिक्षा, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को जिला मुख्यालय की ग्राम पंचायत श्योपुरा के गांव ढाणी लालसिंहपुरा व ढाणी डीएस पुरा का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जानकारी के अनुसार मंत्री दिलावर मंगलवार सुबह चूरू में एक शोकसभा में पहुंचे थे। इसके बाद वे सुबह करीब 8 बजकर 15 मिनट पर गांव ढाणी लालसिंह पुरा व ढाणी डीएस पुरा पहुंच गये। उन्होंने गांव की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। ढाणी डीएस पुरा में निरीक्षण के दौरान लगे गंदगी के ढेर को देखकर वे भड़क उठे और अधिकारियों को फटकार लगाई। इस दौरान सफाई व्यवस्था में अनियमितता को देखकर उन्होंने जिला प्रमुख वंदना आर्य और प्रधान दीपचंद राहड़ को संस्पेंड करने तक की धमकी दे डाली और बीडीओ महेन्द्र भार्गव को भी जमकर फटकार लगाई। इस दौरान मंत्री ने ग्रामीणों से भी सफाई व्यवस्था का फीडबैक लिया। ग्रामीणों ने सफाई व्यवस्था को

मंत्री मदन दिलावर ने ढाणी लालसिंहपुरा व ढाणी डीएसपुरा में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

- मंत्री ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 सितंबर तक सफाई व्यवस्था में सुधार करवाएं, मैं दोबारा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करूंगा

लेकर मंत्री को शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि तीन महीनों से गांव में सफाई नहीं हुई है। ग्रामीणों की शिकायत पर मंत्री दिलावर ने बीडीओ भार्गव को सफाई के लिए पाबंद किया और सरपंच और ठेकेदार पर कार्यवाही करने की बात कही और जमा गंदा पानी और कीचड़ के लिये ग्रामीणों ने बताया कि मंत्रीजी ये गांव की आम समस्या है। यहां हर समय कीचड़ फैला रहता है। सरपंच को शिकायत करने के बावजूद भी समाधान नहीं हो रहा है।

गौरतलब है कि जहां पानी इकट्ठा होता है, उसके पास ही एक रिचार्ज वेल भी बनाया हुआ है, फिर भी यहां पानी भरता है। इस पर मंत्री ने कहा कि लगता नहीं कि यहां सफाई होती है, उन्होंने कहा कि ठेकेदार फ्री के पैसे ले रहे हैं। इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ श्वेता कोचर, उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, सरपंच फोर्म के अध्यक्ष बलवीर ढाका, भाजपा नेता भंवर गुर्जर, हरिराम चौपड़ा, ओम सारस्वत, रवि आर्य, दौलत तंवर, नरेंद्र काछवाल, ब्रह्मानंद राजोतिया, भरत चारण आदि उपस्थित थे।

इस दौरान मंत्री ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 सितंबर तक सफाई व्यवस्था में सुधार करवाएं। 20 दिन बाद मैं दोबारा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करूंगा। अगर सफाई नहीं मिली तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

पब्लिक प्लेस पर जुआ खिलवाने के मामले में एक गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। पब्लिक प्लेस पर जुआ खिलवाने के मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी जोर-जोर से चिल्लाकर लोगों को बुलाता और 10 रुपए के बदले 90 रुपए कमाने का झांसा देता था। आरोपी को एलआईसी ऑफिस के पास से पकड़ा गया है। मामला सीकर की कोतवाली थाने का है।

सीकर कोतवाली पुलिस थाना के हेड कॉन्स्टेबल कल्याण सिंह ने बताया कि एलआईसी ऑफिस के सामने एक खंडहर हवेली के बाहर एक लड़के की ओर से जुआ खिलवाने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब लड़का आवाज लग रहा था कि 10 रुपए लगाओ और 90 रुपए कमाओ। पुलिस को देखते ही लड़का भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम वीरेंद्र पुत्र कल्याण निवासी मोहल्ला हरिजन होना बताया। आरोपी लड़के ने बताया कि वह 1 से 10 अंकों पर जुआ खिलवाता है। पैसे लगाने वाले ने जो नंबर बोला यदि उस नंबर का कार्ड खुल जाता है तो पैसे लगाने वाले को नौ गुना पैसे मिलते हैं। ताश के पत्तों के जरिए यह जुआ चलता है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 1100 रुपए और जुए का हिसाब बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक भले ही यह आरोपी लोगों को 10 रुपए में जुआ खिलवाता हो लेकिन इस तरह रोजाना यह सैकड़ों लोगों से रुपए ऐंठ लेता है। कार्रवाई में कॉन्स्टेबल लक्ष्मणराम और शुभकरण भी शामिल रहे।

1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए 17 रेल कर्मियों को श्रद्धांजलि दी

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे जोधपुर मंडल के गडरा रोड रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को 1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए 17 रेल कर्मचारियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी विशेष निरीक्षण ट्रेन से गडरा रोड पहुंचे और शहीद स्मारकों पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। डीआरएम त्रिपाठी ने कहा कि 1965 के युद्ध में रेल कर्मचारियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए थे। पूरा रेल परिवार उनके बलिदान को नमन करता है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक विक्रम सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर जोगेंद्र मीणा, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक अरविंद शर्मा सहित मंडल के कई अधिकारी, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के मंत्री मनोज कुमार परिहार, यूनियन पदाधिकारी, बीएसएफ के जवान एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि के बाद आयोजित सभा की अध्यक्षता डीआरएम ने की। सभा में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने भी शहीदों को नमन किया। यूनियन मंत्री मनोज कुमार परिहार ने अपने संबोधन से पूर्व शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी मंडल रेल प्रबंधक को सौंपा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात डीआरएम ने गडरा रोड से मुनाबाव खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े मानकों की समीक्षा की। बाड़मेर स्टेशन पर भी डीआरएम ने शहीद नामावली पर पुष्प अर्पित कर शहीद रेलकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई।

एआई से विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाया, सात गिरफ्तार

महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था, जबरन दोस्ती का दबाव बना रहा था आरोपी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से एक विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पीड़िता ने सवीना थाना क्षेत्र में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था। उन दिनों से ही दोस्ती का दबाव बना रहा था। थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि महिला एक सप्ताह से पीहर में रह रही थी। आरोपी ने 4 सिंतबर को एआई से आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसके पति को भेज दिया। पति ने जब यह वीडियो देखा तो वे हैरान रह गए। उन्होंने इसकी जानकारी पत्नी को दी।

महिला ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी 2021 में कॉलेज में उसके साथ ही पढ़ता था। तब से ही दोस्ती करने का दबाव बनाता रहता था। करीब 10 महीने पहले ही विवाहिता शादी हुई थी। उसके बाद भी उसने विवाहिता का पीछा नहीं छोड़ा। आरोपी फिलहाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी युवराज सिंह के साथ ही वीडियो वायरल करने में सहयोग देने पर हेमलता डांगी, हरीश पटेल, हितेश पटेल, दिलीप पटेल, जगदीश पटेल और सिद्धार्थ पटेल को गिरफ्तार किया है जिनसे पूछताछ जारी है। थाना अधिकारी ने बताया कि दोस्ती नहीं करने पर आरोपी फेक अश्लील वीडियो बनाकर शेयर करने की धमकी दे रहा था। इस वजह से विवाहिता ने पुराना मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया था। ऐसे में आरोपी ने परिचितों को यह वीडियो भेज दिया। आरोपी ने फेक वीडियो के जरिए बदनाम करने की कोशिश की है।

दोस्त की हत्या के आरोपी की पैदल परेड़ कराई

भीलवाड़ा, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के ओम नगर में गत दिनों फाइनेंसर कमलेश सुथार की गला रेत कर हत्या के मामले में एमजी हॉस्पिटल में भर्ती आरोपी दोस्त रणवीर उर्फ बबलु सिसोदिया को गिरफ्तारी के बाद कलेक्ट्री से पैदल परेड कराते हुए अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि आजाद नगर निवासी और फाइनेंस कंपनी में कार्यरत कमलेश सुथार की शनिवार रात ओम नगर में गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के इस मामले में कमलेश के ही दोस्त ओम नगर निवासी रणवीर उर्फ बबलू सिसोदिया को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। रणवीर सिंह को मंगलवार को पुलिस ने कलेक्ट्री से परेड़ निकालते हुए अदालत में पेश किया, जहां से कोर्ट ने आरोपित को वेपन की रिकवरी, मौका तस्दीक, अनुसंधान आदि के लिए दो दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया।

पति-पत्नी की मौत का कारण बनने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज़

- हाईकोर्ट ने कहा कि मेहराराम पर आरोप बेहद गंभीर प्रकृति का है, इसलिए मामले के गुणावगुण पर टिप्पणी किए बगैर जमानत देना न्यायोचित नहीं है

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पति-पत्नी की सुसाइड का कारण बनने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि मेहराराम पर आरोप बेहद गंभीर प्रकृति का है, इसलिए मामले के गुणावगुण पर टिप्पणी किए बगैर जमानत देना न्यायोचित नहीं है।

मेहराराम (20), निवासी दुधवा, थाना पचपदरा, जिला बालोतरा वर्तमान में जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद है। उसके खिलाफ जोधपुर ग्रामीण के शेरगढ़ थाने में सुसाइड के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज है। उसकी पहली जमानत याचिका भी गत वर्ष खारिज की गई थी। शेरगढ़ पुलिस की जांच और जुटाए गए साक्ष्यों के अनुसार कई महत्वपूर्ण गवाहों के बयानों में स्पष्ट हुआ कि आरोपी मेहराम मृतका धाऊ देवी को लगातार तंग और परेशान कर रहा था। वह लगातार फोन कर व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर अपने साथ शादी करने और अवैध संबंध बनाने के लिए तंग कर रहा था। गवाहों के अनुसार, समझाने के बावजूद भी मेहराराम नहीं माना और कुछ महीने पूर्व उसने धाऊ देवी के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए थे। गवाहों की साक्ष्य के मुताबिक धाऊ देवी ने मेहराराम की हरकतों से परेशान होकर 2 फरवरी 2024 की शाम को घर के झोंपड़े में फंदा लगाकर सुसाइड की कोशिश की। इससे पहले उसने मोबाइल सामने रखकर आरोपी को वीडियो कॉल किया था। इस दौरान महिला ने कानों में हैड फोन लगा रखे थे। परिवार के अन्य सदस्यों ने उसे फंदे पर लटकते देखा तो उतारकर शेरगढ़ स्थित हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बाद में उसे जोधपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान 7 फरवरी की रात करीब 11 बजे मौत हो गई। जब महिला के पति सुरेश को पत्नी की मौत और इसकी वजह के बारे में पता चला, तो उसने भी बदनामी दूसरे दिन 8 फरवरी 2024 को ही घर से कुछ दूर जाकर एक पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

मामले में पुलिस ने मृतक सुरेश के छोटे भाई गुलाबराम, मृतका के पिता अंबाराम, उनके भाई रेवंतराम, भाभी गीतादेवी, बहन वीरो देवी, मृतक सुरेश की भाभी पेपोदेवी, मां सुजी देवी, पिता बाबूराम, पड़ोसी सुमेरसिंह की गवाही भी दर्ज की थी, जिसमें आरोपी मेहराराम की करतूतों का स्पष्ट उल्लेख था। सुनवाई के दौरान मेहराराम के वकील ने दलील दी कि आरोपी को इस मामले में झूठा फंसाया गया है। लोक अभियोजक उर्जाराम कलबी ने जमानत याचिका का विरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी मेहराराम की ओर से पेश जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

सरकारी नौकरी का प्रलोभन देकर ठगी की

- पीड़ित संविदा पर नौकरी करते हैं, मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के कुछ युवकों से सरकारी नौकरी के नाम पर लाखों का फ्रॉड हो गया। पीड़ितों से यहां पर आरोपियों ने दस- दस हजार रूपए लिए, फिर जयपुर बुलाकर लाखों की रकम ऐंठ ली। मामला गत साल का है। पीड़ितों की तरफ से अब संयुक्त रिपोर्ट उदयमंदिर थाने में दी गई है। पीड़ित संविदा पर नौकरी करते हैं। फिलहाल कोर्ट से मिले इस्तगासे पर मामला दर्ज कर अब पुलिस ने जांच आरंभ की है।

थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि एक संयुक्त रिपोर्ट धोखाधड़ी जोनपुर के बाबूराम पुत्र बींजाराम, पाबूराम, मालमसिंह, हनुमानराम, बीरमसिंह आदि की तरफ से दी गई है। उसने बताया कि गत साल 12 अक्टूबर को पीलवा के बचनाराम विश्नोई, उसका पुत्र पिंटू, चित्तौड़गढ़ जिले के चंदेलिया निवासी भगवती आचार्य ने संपर्क किया था। यह लोग जयपुर से यहां आए थे। इन लोगों को पीड़ितों ने बताया कि वे संविदा पर नौकरी करते है। तब उन लोगों ने उन्हें सरकारी नौकरी दिलवाने की बात की। यहां पावटा उद्यान में उनसे दस- दस हजार रूपए बतौर पेशगी ली गई। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें जयपुर बुलाया जहां पर लाखों रूपए नौकरी के नाम पर दिए गए। मगर काफी समय गुजरने के बावजूद उन्हें नौकरी नहीं दिलाई तथा वे टालमटोल जवाब देने लगे। आखिरकार उन्होंने संपर्क करना छोड़ दिया। थानाधिकारी ने बताया कि धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। कोर्ट से मिले इस्तगासे पर प्रकरण दर्ज हुआ है।

नाले में बही महिला का शव मिला

टोंक, (निसं)। पीपलू कस्बे से लापता हुई महिला का शव क्षेत्र के भोपता नाले में रपट के पास मिला है, जिसे एसडीआरएफ टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार को ढूंढ निकाला। वहीं पीपलू थाना पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पीपलू निवासी मोबिना बानो पत्नी एहसान नद्दाफी जो सोमवार सुबह घर से बिना बताए निकली थी, जब वह कुछ समय पश्चात घर नहीं आयी तो परिजनों ने आसपास तलाश किया। बाद तलाश के शाम को भोपता नाला में रपट के पास महिला की चप्पलें मिली, जहां नाले में बहने की आशंका के चलते परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पीपलू थाना पुलिस ने एसडीआएफ टीम को सूचना दी, उसके बाद मंगलवार को एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर भोपता नाला में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दोपहर तक महिला का शव नाले से निकाला।

छात्राओं से मारपीट, लूटपाट करने के दो आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र में छात्राओं और शिक्षिका के साथ हुई मारपीट और लूटपाट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डूंगरपुर के दोवड़ा थाना क्षेत्र में खेल प्रतियोगिता से लौट रही छात्राओं और शिक्षिका के साथ हुई मारपीट और लूटपाट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं,एक नाबालिग को डिटेन किया है।

आसपुर पुलिस उपाधीक्षक के अनुसार गडा मोरिया राजकीय स्कूल की प्रयोगशाला सहायक सुमित्रा रोत ने 6 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह 16 छात्राओं के साथ धावड़ी में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता से टेम्पो में लौट रही थी। कराहता स्कूल की ढलान पर तीन युवकों ने बाइक से आकर उनका टेम्पो रुकवाया और आरोपियों ने पहले छात्राओं का वीडियो बनाना शुरू किया। विरोध करने पर उन्होंने छात्राओं के साथ मारपीट की और पथराव किया। आरोपियों ने अश्लील हरकतें भी की। इसके बाद वे शिक्षिका का पर्स, मोबाइल और टेम्पो ड्राइवर का मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने जांच के बाद वस्सी गांव के रमेश कटारा और चंदूलाल कटारा को गिरफ्तार किया है।

आकोला पुलिया का कुछ हिस्सा टूटकर बहा : भीलवाड़ा जिले के सवाईपुर क्षेत्र के आकोला गांव के पास से गुजर रही मेवाड़ की गंगा कहे जाने वाली बनास नदी नौ साल बाद कल आकोला पुलिया पर आई थी, पानी के तेज बहाव के चलते पुलिया का कुछ हिस्सा टूटकर पानी के साथ बह गया। खबर सोशल मीडिया पर चलने के बाद प्रशासन हरकत में आया और सार्वजनिक सड़क निर्माण विभाग कोटड़ी के सहायक अभियंता ऋषिकांत बैरवा ने मौके पर पहुंचकर पुलिया का निरीक्षण किया, जहां पुलिया के नीचे 300 फीट का कटाव पानी के तेज बहाव में हो गया।

इनामी बदमाश गिरफ्तार

नदबई/भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के चर्चित चुनावी रंजिश के चलते मारपीट के आरोपी पर जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से चवन्नी का ईनाम घोषित करने के मामले में पुलिस ने चवन्नी ईनामी बदमाश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार नदबई लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव मई निवासी खूबीराम सिंह पुत्र सूरजमल को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया। गौरतलब है कि, सरपंच प्रतिनिधी खूबीराम व पूर्व पंचायत समिति सदस्य बहादुर जाटव के बीच कई सालों से चुनावी रंजिश चल रही। इसी रंजिश के चलते 2 मई 2024 में गिरफ्तार आरोपी खूबीराम ने अपने अन्य परिजनों के साथ दूसरे पक्ष के लोगों से जमकर मारपीट की। बाद में श्याम सिंह जाटव की ओर से मामला दर्ज होने पर पुलिस ने जांच करते हुए आकाश सिंह, बीरवल सिंह, जीतेन्द्र सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह व सोनवीर सिंह को गिरफ्तार किया लेकिन, सरपंच प्रतिनिधी का पुलिस को सुराग नहीं लगा। नवम्बर 2024 में तत्कालीन जिला एसपी ने आरोपी पर चबन्नी का ईनाम घोषित किया था। बाद में पुलिस सीओ अमर सिंह राठौड़ ने कार्रवाई करते हुए चबन्नी ईनामी बदमाश खूबीराम को भरतपुर बस स्टेण्ड से गिरफ्तार किया।

दो दुकानों में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जला

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। कस्बा भुसावर में नगर पालिका परिसर के पास मुख्य बाजार में स्थित कपड़े एवं इलेक्ट्रिकल की दो दुकानों में अज्ञात कारणों के चलते अचानक देर रात्रि को आग लग गई। सूचना मिलने पर भुसावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नगर पालिका दमकल एवं पीड़ित दुकानदारों को सूचना दी, जहां घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया है।

दमकलकर्मी नवल हरसाना ने बताया कि कस्बा भुसावर के मुख्य बाजार में नगर पालिका परिसर के पास स्थित मनोज अग्रवाल की कपड़े की दुकान एवं सतीश अग्रवाल की इलेक्ट्रिकल की दुकान में अज्ञात कारणों के चलते आग लगने की सूचना भुसावर थाना पुलिस से प्राप्त हुई। जिस पर तुरंत दमकलकर्मी योगेंद्र कुमार, लोकेश सैनी एवं ब्रह्मानंद शर्मा दमकल को लेकर मौके पर पहुंचे और लोगों की मदद से घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का काम किया। वहीं दूसरी ओर लोगों ने बताया कि सोमवार की देर रात्रि करीब 1.30 बजे पड़ोसियों ने दुकान में से धुंआ निकलता देखा तो पुलिस को सूचना दी। जैसे ही दुकानदार ने दुकान जाकर खोली तो एक साथ आग की लपटें निकलता देख लोगों में हड़कंप मच गया। वहीं देखते ही देखते दुकान की पट्टियां भी टूटकर नीचे गिर गई।

फरार वारंटी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की मांडल थाना पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे वारंटी को डीएसटी टीम ने आखिरकार पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार मांडल थाना क्षेत्र के प्रकरण में न्यायालय से स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। आरोपी भंवरलाल पुत्र उदयलाल उर्फ उड़ा जाट निवासी बड़ी का खेड़ा थाना मांडल, जिला भीलवाड़ा, लंबे समय से फरार चल रहा था। डीएसटी टीम ने आरोपी को लाडपुरा क्षेत्र से डिटेन कर गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि फरार वारंटी रेलमगरा क्षेत्र में ट्रक चालक बनकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर रेलमगरा, चितौड़गढ़, पारसोली, कान्हूनंद मोड़ आदि जगहों पर निगरानी की गई और आखिरकार आरोपी को दबोच लिया गया। भंवरलाल के विरुद्ध थाना प्रतापनगर, जिला भीलवाड़ा में चोरी के प्रकरण में भी स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी है।

साधारण दुकान में संचालित हो रहा है बोरावड़ उपडाकघर, उपभोक्ता परेशान

बोरावड़, (निसं)। बोरावड़ उपडाकघर को पुराने भवन के जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2024 में आनन-फानन में एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया गया, लेकिन यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थिति यह है कि डाकघर के भीतर काउंटर बेहद संकरे स्थान पर संचालित हो रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का सामना करना पड़ रहा है। यहां न खिड़की है और न वेंटिलेशन की व्यवस्था, ऐसे में गर्मी और बिजली कटौती की स्थिति में वातावरण असहनीय हो जाता है। बारिश के दिनों में पानी सीधे अंदर घुसने का खतरा बना रहता है, जिससे अभिलेख और सिस्टम को नुकसान हो सकता है। वहीं धूल-आंधियों के चलते कंप्यूटर बार-बार खराब होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं।

पीने के पानी और बैठने की व्यवस्था का भी कोई प्रबंध नहीं है, जिसके कारण बुजुर्गों और महिलाओं को घंटों खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। एसी की सुविधा

बोरावड़ उपडाकघर में मूलभूत सुविधाएं नहीं होने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं।

- बोरावड़ उपडाकघर का पुराना भवन जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2024 में इसे एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया था
- यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं

न होने से गर्मी में सिस्टम ओवरहीट होकर बार-बार बंद हो जाते हैं और कर्मचारी व उपभोक्ता दोनों ही परेशानी झेलते हैं। ग्रामीणों के आठाह पर पूर्व विधायक रूपाराम मुरावतिया सहित नगरपालिका बोरावड़ के निवर्तमान उपाध्यक्ष शमीम खत्री, केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव सुरेश कुमार सोनी, निवर्तमान पार्षद प्रकाश सोनगरा, एडवोकेट अनिल कुमार सोनी, कैलाश गेलड़ा व शहर के गणमान्य नागरिकों ने इस अव्यवस्थित व्यवस्था को गंभीर लापरवाही बताते हुए पोस्ट मास्टर जनरल, राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र (जोधपुर) को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि उपडाकघर जैसी जनता से सीधे जुड़ी सुविधा का इस तरह बिना योजना के एक साधारण दुकान में संचालन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। नागरिकों ने मांग की है कि बोरावड़ जैसे महत्वपूर्ण उपडाकघर को नियमानुसार सुविधाओं वाले भवन में शीघ्र पुनः स्थानांतरित किया जाए। साथ ही जब तक यह संभव न हो, तब तक वर्तमान भवन में वेंटिलेशन, एसी, पानी और प्रतीक्षा क्षेत्र जैसी न्यूनतम सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं।

स्ट्रीट वेंडर्स के मामले में अजमेर नगर निगम बैकफुट पर

- अदालत ने निगम की चार अर्जियों को एक साथ खारिज किया, आठ अक्टूबर तक राहत दी

अजमेर, (कासं)। सिविल न्यायालय उत्तर की न्यायाधीश कोमल भाटी ने नगर निगम द्वारा प्रस्तुत न्यायलय के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति उठाने वाली चार प्रार्थना पत्रों को एक साथ खारिज करने के आदेश पारित किये।

पूर्व लोक अभियोजक विवेक पाराशर ने बताया कि अदालत ने स्ट्रीट वेंडर्स के पक्ष में 8 अक्टूबर तक स्थगन आदेश बढ़ाकर उन्हें राहत प्रदान की है, इसके साथ ही नगर निगम अजमेर द्वारा चार अलग-अलग प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निगम ने न्यायलय के सुनवाई के क्षेत्राधिकार को चुनौती दी थी और निगम को दावा प्रस्तुत करने के पूर्व नोटिस नहीं देने, स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 के तहत प्रकरण पोषणीय नहीं होने सहित कई विधिक आधार पर प्रकरण को खारिज करने की मांग को लेकर अदालत को चुनौती दी थी। न्यायलय द्वारा स्ट्रीट वेंडर्स के अधिवक्ता विवेक पाराशर, संजीव रोहेला, जितेश धनवानी के तर्कों से सहमत होते हुए एवं प्रस्तुत न्यायिक दृष्टांतों की रोशनी में अदालत में मामले को सिविल न्यायलय की क्षेत्राधिकारिता मानते हुए निगम के चारों प्रार्थना पत्र को खारिज करने के आदेश पारित किया।

गौरतलब है कि आनासागर चौपाटी रीजनल कॉलेज पर थड़ी, ठेला व रेहडी लगाकर अपना व्यापार व्यवसाय, स्ट्रीट फूड बेचकर आजीविका चलाने वाले वेंडर्स ने जून 2025 में उन्हें आनासागर चौपाटी से जबरन हटाकर मित्तल हॉस्पिटल के सामने शिफ्ट करने की धमकी नगर निगम द्वारा देने पर अदालत की शरण ली थी और अदालत ने उन्हें राहत प्रदान की। इस दौरान निगम द्वारा कई प्रार्थना पत्र याचिका को खारिज करने के लिए विभिन्न माध्यम से अदालत में पेश किए थे जो भी तत्कालीन समय में खारिज किए जा चुके हैं, ऐसे में नगर निगम स्ट्रीट वेंडर्स के मामले में बैकफुट पर आ चुका है और मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को तय की गई है।

मैं किस दर्द से गुजरा हूं ये कोई नहीं समझ सकता। मेरा एक पांव पूरी तरह से चलना बंद हो गया था, मुझे एक पांव में लकवा मार गया था। मेरी स्पाइन की सर्जरी हुई थी और मेरी कमर पर एक रॉड डाली गई थी, वो एक बहुत ही दर्दनाक और खतरनाक अनुभव था। **- श्रेयस अय्यर**

भारतीय खिलाड़ी, अपने चोट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ लुइस सुआरेज

इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज पर मेजर लीग सॉकर ने तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिया है। लीग ने सोमवार को बताया कि लीग कप के फाइनल में सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। सुआरेज़, जिन्हें पहले काटने और नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए निलंबन का सामना करना पड़ा था, ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी और अपने कृत्य को हताशा से उपजी एक ''गलती'' बताया। उन्होंने लिखा, ''यह वह छवि नहीं है जो मैं अपने परिवार या अपने क्लब के सामने पेश करना चाहता हूँ।''

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया ने एशिया कप इतिहास में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 10 मैच जीते हैं। भारत को टूर्नामेंट में पाकिस्तान के विरुद्ध 6 बार हार का सामना करना पड़ा।

खिलाड़ियों की इमेज राइट्स को लेकर आईसीसी और डब्ल्यूसीए के बीच हो सकता है टकराव

नई दिल्ली, 9 सितंबर। आईसीसी और वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन के बीच खिलाड़ियों की इमेज लाइसेंसिंग राइट्स लेकर विवाद शुरू हो सकता है। पूरा मामला एक नए मोबाइल क्रिकेट गेम से जुड़ा है जिसे आईसीसी जल्द लॉन्च करने की योजना बना रहा है। आईसीसी ने अप्रैल में पहली बार इस योजना के बारे में अपने सदस्यों को जानकारी दी थी। इसके बाद जुलाई में सिंगापुर में हुई एजीएम में कुछ सदस्य बोर्डों ने यह इच्छा जताई कि वे इन अधिकारों के मामले में सीधे अपने खिलाड़ियों से बात करना चाहते हैं।

डब्ल्यूसीए खिलाड़ियों का वैश्विक संगठन है और वे इसे एक ''उल्लंघन'' बता रहा है। यह उस समझौते के संदर्भ में है,जो उसने आईसीसी के साथ किया था। उन्होंने आईसीसी और ''कुछ'' सदस्य बोर्डों पर खिलाड़ियों के नाम, छवि और समानता के अधिकार सहमति से तय शर्तों से परे अपने पास रखने का आरोप लगाया है।

आईसीसी की यह योजना खेल को विकसित करने के लिए है ताकि 2028-2031 चक्र में प्रसारण अधिकारों की क़ीमत में संभावित गिरावट की भरपाई हो सके। भारत में मोबाइल गेमिंग एक तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है। 2024 में कई रिपोर्ट्स ने इसकी क़ीमत लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी थी। इसी वजह से आईसीसी इसमें उतरना चाहता है।

डब्ल्यूसीए पहले ही इस क्षेत्र में आ चुका है और उसने तीन कंपनियों के साथ लाइसेंसिंग समझौते किए हैं, जिनमें रियल क्रिकेट भी शामिल है। यह सौदा अगस्त 2024 में घोषित किया गया था। डब्ल्यूसीए का रियल क्रिकेट के साथ समझौता 250 से अधिक पेशेवर क्रिकेटरों के नाम, छवि और समानता को शामिल करेगा।

लेकिन अन्य मोबाइल गेमिंग समझौतों से खिलाड़ियों को मिलने वाली सालाना रॉयल्टी की भुगतान प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। डब्ल्यूसीए का दावा है कि भारत में कई कंपनियां खिलाड़ियों के अधिकारों का इस्तेमाल बिना अनुमति और बिना उन्हें राजस्व दिए कर रही हैं और इन्हीं राजस्व अधिकारों की रक्षा और पालन कराने के लिए डब्ल्यूसीए काफी गंभीर है।

डब्ल्यूसीए से जुड़े 20 में से 15 शीर्ष देशों (भारत और पाकिस्तान इसमें शामिल नहीं हैं, क्योंकि उनके यहां खिलाड़ियों का संगठन नहीं है) के लगभग 600 खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए, वैश्विक खिलाड़ियों के संगठन ने उन्हें चेतावनी दी कि वे आईसीसी या सदस्य बोर्डों से मोबाइल गेम को लेकर किसी भी अधिकार पर बातचीत न करें। 12 अगस्त को खिलाड़ियों को लिखे ईमेल में, जिसे ईएसपीएन क्रिकइंफो ने देखा है, डब्ल्यूसीए के सीईओ टॉम मोफ़ैट ने कहा, ''आईसीसी /राष्ट्रीय संस्थाएं आपके नाम, छवि और समानता पर आधारित एक वैश्विक मोबाइल गेम विकसित करने की कोशिश कर रही हैं, बिना खिलाड़ियों से सामूहिक रूप से शर्तें तय किए।''

''संक्षेप में कहें, तो ऐसा लगता है कि आईसीसी वैश्विक स्तर पर आपके अधिकारों का इस्तेमाल और बिक्री करना चाहता है और नहीं चाहता कि आप और आपके साथी सामूहिक रूप से यह तय करें कि आपके अधिकारों का इस्तेमाल कैसे होगा और उसके लिए आपको भुगतान कैसे मिलेगा।'' डब्ल्यूसीए ने इस मामले पर आईसीसी से भी संवाद किया है।

मोफ़ैट ने खिलाड़ियों से कहा कि आईसीसी दरअसल उस समझौते का उल्लंघन कर रहा है जो उसने डब्ल्यूसीए के साथ किया था, जिसमें खिलाड़ियों की छवि का आईसीसी और उसके व्यावसायिक साझेदारों द्वारा अधिकृत इस्तेमाल शामिल था। यह दोनों संगठनों के बीच बार-बार उठने वाला मुद्दा रहा है।

हांगकांग की आधी टीम 43 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटी

अबू धाबी, 9 सितंबर। अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच एशिया कप 2025 का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच से ही इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट की शुरुआत हुई है। कागजों पर भले ही अफगानिस्तान की टीम मजबूत नजर आ रही है, लेकिन हांगकांग की नजरें भी प्रभाव छोड़ने पर टिकी होंगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है और उसने 43 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए हैं। बाबर हयात हालांकि क्रीज पर टिके हुए हैं। हांगकांग ने पहले सलामी बल्लेबाज अंशुमान राथ का विकेट गंवाया जो खाता खोले बिना आउट हुए। इसके बाद अजमातुल्लाह ने जीशान अली को आउट किया जो पांच रन

बनाकर पवेलियन लौटे। फिर निजाकत खान रन आउट हुए जो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, कल्हान चल्लू भी चार रन बनाकर रन आउट हुए। बाबर ने किंचित शाह के साथ मिलकर टीम को संभालने की कोशिश की और दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 21 रन जोड़े, लेकिन नूर अहमद ने किंचित को आउट कर हांगकांग को एक और झटका दिया। किंचित छह रन बनाकर आउट हुए।सेदिकुल्लाह अटल (नाबाद 73) और अजमतउल्लाह ओमरजई (52) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की दम पर अफगानिस्तान ने मंगलवार को एशिया कप ठ्ठुप बी पहले मैच में हांगकांग को जीत के लिए 189 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन ओमरजई और सेदिकुल्लाह ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

एशिया कप में यूएई के खिलाफ भारत कोहली-रोहित युग के बाद करेगा आगाज

दुबई, 9 सितंबर। जब भारत कल दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के अपने पहले मैच में मैदान पर उतरेगा, तो यह महज एक अभियान की शुरुआत से कहीं बढ़कर होगा। यह भारतीय क्रिकेट में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी - विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा के 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद संन्यास लेने के उपरांत पहला बड़ा टूर्नामेंट। एक दशक से भी ज्यादा समय तक, इस तिकड़ी ने भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में दबदबे को आकार दिया। कोहली की उपलब्धियों की तलाश, रोहित के सहज छक्के और जडेजा की ऑलराउंड प्रतिभा ने भारतीय टी20 क्रिकेट की रीढ़ बनाई। विश्व कप जीत के बाद उनका एक साथ बाहर होना प्रतीकात्मक और भूचाल लाने वाला था। अब, युवा क्रिकेटरों की एक नई पीढ़ी भारत को शीर्ष पर बनाए रखने की ज़िम्मेदारी उठा रही है। सूर्यकुमार यादव, जो अब कप्तान हैं, भारत के नए दर्शन - निडर बल्लेबाज़ी - के प्रतीक हैं। वह एक ऐसी टीम का नेतृत्व करेंगे जिसमें विस्फोटक प्रतिभा और उभरती हुई निरंतरता का मिश्रण होगा। उप-कप्तान शुभमन गिल एक साल से भी ज्यादा समय बाद टी20 में वापसी कर रहे हैं और शीर्ष पर अपनी जगह फिर से हासिल करने के लिए बेताब हैं। दूसरी तरफ अभिषेक शर्मा होंगे, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 54 गेंदों में 135 रनों की तूफानी पारी खेलकर न सिर्फ़ रिकॉर्ड तोड़े, बल्कि खुद को भारत का अगला बिग-हिटिंग सनसनी भी घोषित कर दिया।

पंत भारत लौटे, मुंबई में विशेषज्ञ से मिले

मुंबई, 9 सितम्बर। ऋषभ पंत भारत वापस आ गए हैं और जल्द ही पुनर्वास के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) जाएंगे। 23 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान अपने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने पिछले कुछ दिनों से विशेषज्ञों से सलाह ली है।

हालांकि आकलन के विवरण का अभी भी इंतजार है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रारूपों के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक, पंत (27), अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की अगली घरेलू श्रृंखला में वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला एक वास्तविक संभावना लगती है।

पता चला है कि पंत पिछले कुछ दिन मुंबई में चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श के

लिए बिता रहे थे। इंग्लैंड से सीधे यहां आने के बाद, उन्होंने अपने चोटिल पैर की स्थिति की जांचके लिए जांच कराई, माना जा रहा है कि उस पर अभी भी पट्टियाँ बंधी हुई हैं। समझा जाता है कि शहर के डॉक्टरों ने उन्हें पुनर्वास के लिए सीओई में लौटने के लिए समय-सीमा दी है।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के मैनचेस्टर (चौथे) टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स की गेंद पंत के पैर में लग गई, जिससे उन्हें दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। चोट लगने के समय वह 37 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। अगले दिन, सभी को आश्चर्यचकित करते हुए, वह अपने पैर पर पूरी पट्टियां बांधकर वापस लौटे और टीम के लिए कुछ बहुमूल्य रन जोड़े। इस दौरान, टीम के उप-कप्तान पंत ने अपना अर्धशतक (54) भी पूरा किया।

हालांकि, चोट के कारण, उन्हें ओवल में पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच छोड़ना पड़ा, जिसे भारत ने जीतकर श्रृंखला बराबर कर दी। पंत सीरीज खत्म होने के बाद इंग्लैंड में ही रुके रहे और माना जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही भारत लौटे हैं। चोट लगने के बाद से ही, पंत अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी रिकवरी के बारे में अपडेट पोस्ट करते रहे हैं।

पिच की स्थिति चयन का मार्गदर्शन करेगी : मोर्कल

दुबई, 9 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश पर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है, और गेंदबाजी संयोजन और पिच की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। गेंदबाजी कोच मोर्न मोर्कल ने संकेत दिया है कि टीम पूरी तरह तैयार है, लेकिन अंतिम चयन इस बात पर निर्भर करेगा कि मैच के दिन दुबई की पिच कैसी रहती है, जिसमें तेज और स्पिन दोनों विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

मोर्कल ने इस बात पर जोर दिया कि इस साल की परिस्थितियाँ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत के पिछले दौरे से अलग हैं, जहां चार-तरफा स्पिन आक्रमण का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया था। मोर्कल ने कहा, ''हमें देखना होगा कि विकेट कैसा खेलता है। पहले, इस सतह पर काफी क्रिकेट खेला गया था और यह थका हुआ लग रहा था, लेकिन इस बार मैदान पर काफी घास है। आज रात, हम पिच का पहला मुआयना करेंगे और उसके अनुसार योजना बनाएंगे।'' मोर्कल ने जोर देकर कहा कि टीम सभी रणनीतिक विकल्प खुले रखे हुए है और टीम सतह का मूल्यांकन करने के बाद अंतिम निर्णय लेगी। अगर भारत एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करता है, तो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह नई गेंद के साथ जसप्रीत बुमराह का साथ दे सकते हैं, जबकि हर्षित राणा और अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अन्य संभावित विकल्प हैं।

स्पिन के मोर्चे पर, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव दावेदारी में हैं। मोर्कल ने कुलदीप के रवैये और पेशेवर रवैये की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट श्रृंखला में सीमित खेल समय के बावजूद, बाएं हाथ का यह स्पिनर कड़ी मेहनत कर रहा है ।

खिताब जीतने वाली टीम होगी मालामाल, हारने वाली टीमों को भी मिलेंगे करोड़ों रुपये

नई दिल्ली, 9 सितंबर। एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच खेला जाएगा। वहीं ये टूर्नामेंट कुल 8 टीमों के बीच 28 सितंबर तक खेला जाएगा। यूएई में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट को इस बार टी20फॉर्मेट में खेला जाएगा। एशिया कप 2025 की विजेता टीम पर पैसों की बारिश होगी। साथ ही जो टीमें इसमें हार जाएंगी वो भी मालामाल होंगी।

एशिया कप 2025 में मिलेंगे करोड़ों रुपये

एशिया कप 2025 का खिताब जीतने वाली टीम को प्राइस मनी के रूप में 2.6 करोड़ यानी लगभग 310,000 यूएस डॉलर मिलेंगे। फाइनल में हारने वाली टीम भी मालामाल होगी। रनरअप टीम की झोली में 155,000 डॉलर यानी 1.3 करोड़ रुपये आएंगे। प्लेयर ऑफ द सीरीज को 15,000 अमेरिकी डॉलर यानी 12.5 लाख रुपये मिलेंगे। जबकि फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने वाले खिलाड़ी को 5,000 अमेरिकी डॉलर यानी 4.1 लाख रुपये मिलेंगे। इसके साथ ही स्मार्ट कैच ऑफ द मैच को 3000 अमेरिकी डॉलर यानी 2.5 लाख रुपये मिलेंगे। एशिया कप 2025 में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुपों में बांटा गया है। भारत, ओमान, पाकिस्तान और यूएई को ग्रुप-ए में रखा गया है। साथ ही अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका को ग्रुप-बी में जगह दी गई है। ग्रुप स्टेज में हर टीम अपने ग्रुप की अन्य टीमों से एक-एक मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-4 राउंड के लिए क्वालीफाई करेंगी। इस राउंड में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेलेंगी। टॉप पर रहने वाली 2 टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

राज्य स्तरीय वीमेन टी-20 फाइनल में टीम-ए ने टीम एफ को 51 रनों से हरा जीती ट्रॉफी

जयपुर, 9 सितम्बर। फाइनल मैच आरसीए अकादमी पर दूधिया रोशनी में खेला गया . आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत व सदस्य पिंकेश पोरवाल ने फाइनल मैच के पुरस्कार वितरण समारोह में ट्विजेता व उपविजेता टीमो को प्रदान की ट्रॉफी। संयोजक डी डी कुमावत ने फाइनल मैच के पुरस्कार वितरण समारोह में राज्य की प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों के लिए वीमेन आरपीएल कराने की घोषणा करते हुए कहा की राज्य की युवा महिला खिलाड़ियों में है शानदार प्रतिभा, केवल उन्हें उच्च स्तरीय खेल प्रतियोगिता व मंच दिलाने की है आवश्यकता।

रामेश्वरम क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 9 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में वर्धमान क्रिकेट अकादमी 28 ओवर में 63 रन पर ऑल आउट हो गई। शशांक जैन ने सर्वाधिक 41 रनों का योगदान दिया ! रामेश्वरम क्रिकेट अकादमी की ओर से हिमांशु ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रामेश्वरम क्रिकेट अकादमी ने 5 ओवर में 64 रन एक विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। प्रियांशु यादव ने सर्वाधिक 48 नाबाद रनों का योगदान दिया ! वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने एक विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच प्रियांशु यादव को चुना गया।

फीफा महिला चैंपियंस कप का पहला संस्करण अक्टूबर में चीन में शुरू होगा

जेनेवा, 9 सितंबर। फीफा ने अपने पहले महिला चैंपियंस कप का अनावरण कर दिया है। चीन में होने वाले इस टूर्नामेंट में छह महाद्वीपीय क्लब चैंपियन महिला क्लब फ़ुटबॉल में पहली विश्व चैंपियन बनने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर को वुहान स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में शुरू होगा, जहां एएफसी महिला चैंपियंस लीग की विजेता स्थानीय टीम वुहान जियांगडा डब्ल्यूएफसी का सामना इस साल की ओएफसी महिला चैंपियंस लीग की चैंपियन ऑकलैंड यूनाइटेड एफसी से होगा। फीफा महासचिव मैटियास ग्राफस्ट्रॉम ने सोमवार को एक बयान में कहा, ''जैसे-जैसे पहला राउंड नजदीक आ रहा है, दुनिया भर के क्लब प्रशंसक, मीडिया और फ़ुटबॉल प्रेमी इतिहास बनते देखने के लिए तैयार हैं, क्योंकि पहला फीफा महिला चैंपियंस कप वुहान में शुरू हो रहा है। यह टूर्नामेंट पहली बार फीफा के बैनर तले हर महाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ महिला क्लबों को एक साथ लाएगा, जिससे उत्कृष्टता प्रदर्शित करने, महिला क्लब खेल को बढ़ावा देने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए एक वैश्विक मंच मिलेगा।'' विजेता टीमें राउंड 2 में आगे बढ़ेंगी जहां उनका सामना सीएएफ महिला चैंपियंस लीग की चैंपियन से होगा, जिसका ताज नवंबर में पहनाया जाएगा। यह मैच दिसंबर में एक ऐसे स्थान पर आयोजित किया जाएगा जिसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। फीफा ने आगे कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण, जिसमें सेमीफाइनल, तीसरे स्थान का प्ले-ऑफ और फाइनल शामिल है, में दुनिया की चार सबसे मजबूत महिला क्लब एक केंद्रीकृत स्थान पर भिड़ेंगी।

निखत जरीन और जैस्मीन क्वार्टरफाइनल में, पदक से एक जीत दूर

लिवरपूल, 9 सितंबर। दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन ने मंगलवार को लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युमा निशिनाका को 5-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बना ली। 29 वर्षीय निखत को शुरुआती दौर में जापानी मुक्केबाज़ से कड़ी टक्कर मिली, लेकिन इस साल अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेल रही इस भारतीय मुक्केबाज को कोई रोक नहीं सका। वास्तव में, निखत की लय तोड़ने की कोशिश में जापानी मुक्केबाज को ज़्यादा क्लिंचिंग के लिए दो पेनल्टी पॉइंट भी मिले। विश्व मुक्केबाजी कप अस्ताना की स्वर्ण पदक विजेता जैस्मीन लैम्बोरिया ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में दो बार की ओलंपियन ब्राजील की जुसीलेन सेर्केरा रोमेउ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जैस्मीन और रोमेउ इससे पहले अस्ताना में स्वर्ण पदक के लिए आमने-सामने हुई थीं और भारतीय मुक्केबाज ने कड़े मुकाबले के बाद जीत हासिल की थी। लेकिन लिवरपूल में, जैस्मीन ने तीनों राउंड में दबदबा बनाते हुए 5:0 का स्कोर बनाया।

सीएएफए नेशंस कप 2025 में ओमान को हराकर भारत ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, 9 सितंबर। सोमवार को खेले गए काफा नेशंस कप 2025 मुकाबले में भारत ने ओमान को पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से हराकर सीएएफए नेशंस कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया है। भारत ने पश्चिम एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वी को इतिहास में पहली बार हराया है। भारतीय टीम ने किसी इंटरनेशनल फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। नियमित और अतिरिक्त समय के बाद मुकाबला 1-1 से बराबर था जिसके बाद नतीजे के लिए शूट आउट का सहारा लिया गया। पहले हाफ में दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर पाई। 55वें मिनट में यहमादी ने ओमान की ओर से गोल किया था। 80वें मिनट में भारत ने उंदाता सिंह के गोल की मदद से बराबरी हासिल कर ली। इससे पहले शूट आउट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम ओमान ने अपने शुरुआती दो मौके गंवा दिए जबकि गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी को रोककर तीसरे-चौथे स्थान के क्लासिफिकेशन मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की।

पाक गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

कराची, 9 सितंबर। उस्मान शिनवारी ने छह साल की अवधि में पाकिस्तान के लिए 34 मैच खेलने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने का फैसला किया है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2013 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण किया था और बाद में उन्होंने अपना वनडे और टेस्ट डेब्यू भी श्रीलंका के खिलाफ ही किया। उन्होंने 17 वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया और क्रमशः 34 और 13 विकेट लिए। टेस्ट क्रिकेट में उनका एकमात्र प्रदर्शन दिसंबर 2019 में श्रीलंका के खिलाफ हुआ था।

राज्य स्तरीय अंडर-19 ट्रॉफी : रजत बघेल का दोहरा शतक, सूर्यवर्धन की शतकीय पारी

जयपुर, 9 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :- नारायणा ग्राउंड झुंझुनू - बीकानेर (बीकानेर 4 विकेट से जीती), झुंझनू पारी 123 आल आउट। टीम के लिए गोविन्द सिंह 44 व ऋषभदेव 29 रन, बीकानेर के गेंदबाज गुरमान सिंह 30/5 व रोहित 21 /3 विकेट। बीकानेर पारी 127/6, टीम के लिए विनोद कुमावत 51 रन, झुंझनू के गेंदबाज मो इरफ़ान 29/3 विकेट।

सोनी ग्राउंड चूरू - नागौर (नागौर 8 विकेट से जीती)

चूरू पारी 151 आल आउट। टीम के लिए मनीष बिरदा 41 रन। नागौर के गेंदबाज हरीश 28/3, ललित, पंकज प्रत्येक 2 -2 विकेट। नागौर पारी 155/2, टीम के लिए ललित शेरावत 50, विहान जैन 50 व वरुण 31 रन।

पी एस ग्राउंड भीलवाड़ा - बूंदी (भीलवाड़ा 202 रनो से जीती), भीलवाड़ा पारी 372/6, टीम के लिए सूर्य वर्धन 135, कुशाग्र 62 व जयवर्धन 60 रन। बूंदी की गेंदबाज रोहित कुमार 35 /2 विकेट

बूंदी पारी 170 आल आउट। टीम के लिए निशांत 40, नील 37 व प्रयांशु 30 रन। भीलवाड़ा के गेंदबाज महेंद्र रावत 50/5, चिराग सुखवाल 20/4 विकेट।

सवाई मान सिंह स्टेडियम दौसा - जयपुर (जयपुर 10 विकेट से जीती), दौसा पारी 116 आल आउट। टीम के लिए लीलाधर 43 रन। जयपुर के गेंदबाज प्रखर शर्मा 22 /5, पर्व झालानी 20 /2 विकेट। जयपुर पारी 120/0, टीम के लिए वरुण गुप्ता नाबाद 57 व शिफॉन खान नाबाद 50 रन।

जी आर ग्राउंड अजमेर - जालोर (अजमेर 18 रन से जीता), अजमेर पारी 132 आल आउट। टीम के लिए कविश 50 रन। जालोर के गेंदबाज अभय राज 16/3, मनीष कुमार 20 /3 व जय वैष्णव 33/2 विकेट। जालोर पारी 114 आल आउट। टीम के लिए दीपक 33 व आर्यमन शर्मा 22 रन। अजमेर के गेंदबाज पलांश चतुर्वेदी 25/4, लखन गुर्जर 13/3 विकेट।

अनन्तम ग्राउंड धौलपुर - प्रतापगढ़ (धौलपुर 335 रनो से जीती), धौलपुर पारी 384/5, टीम के लिए रजत बघेल ने शानदार आतिशी दोहरा शतक लगाया। रजत बघेल 227 रन (165 गेंद, 15 चौक्के व 17 छक्के), देवांश 58 व दर्शील 47 रन

प्रतापगढ़ के गेंदबाज शरीफ खान 65/2 विकेट, प्रतापगढ़ पारी 49 आल आउट। धौलपुर के गेंदबाज दिव्यांशु मितवार 10/6 व हर्ष सिंह 18/3 विकेट। सोलफील ग्राउंड चित्तौड़गढ़ - सिरोही (चित्तौड़गढ़ 73 रन से जीती), चित्तौड़गढ़ पारी 174 आल आउट। टीम के लिए प्रवेश 30 व रामचंद्र 28 रन। सिरोही के गेंदबाज कीर्तन सिंह 26/3, आकाश, दिव्यम 2-2 विकेट। सिरोही पारी 101 आल आउट। टीम के लिए राहुल 28 व मनीष 20 रन। चित्तोड़गढ़ के गेंदबाज वंश 12/3 व यश वैष्णव 29/3 विकेट।

ए आर ग्राउंड बांसवाड़ा - सवाईमाधोपुर (सवाई माधोपुर 9 विकेट से जीती), बांसवाड़ा पारी 100 आल आउट। टीम के लिए प्रिंस 38 रन। सवाईमाधोपुर के गेंदबाज कृष्ण कुमार 15/3, शाहिद 16/2 व नमन शर्मा 19/2 विकेट। सवाईमाधोपुर पारी 104/1, टीम के लिए कृष्ण कुमार 35 व रक्षित 31 रन। लक्ष्य ग्राउंड अलवर - राजसमंद (राजसमंद 7 विकेट से जीती), अलवर पारी 132 आल आउट। टीम के लिए दीपेश 42 रन। राजसमंद के गेंदबाज भारत 30 /3, नकुल 48 /3 व अरविन्द 15/2, राजसमंद पारी 134/3, टीम के लिए जीतेन्द्र 48, राहुल 38 रन ।

के एल सैनी स्टेडियम कोटा - झालावाड़ (कोटा 31 रन से जीती), कोटा पारी 216 आल आउट। टीम के लिए आराध्य 41 व ऋतिक 40 रन, झालवाड़ के गेंदबाज नावेद 38 /3, रेहान, चंद्रप्रकाश व मोहिन प्रत्येक 2 -2 विकेट। झालावाड़ पारी 185 आल आउट। टीम के लिए अशद 55, मनीष 29 व दिव्यांशु शर्मा 23 रन। कोटा के गेंदबाज अमन प्रजापति 51 /3, एकांश शर्मा 15/2, आशीष 34 /2 व दिनेश भट 43/2 विकेट।

हैदराबाद ने बुचीबाबू क्रिकेट खिताब बरकरार रखा

चेन्नई, 9 सितंबर। मध्यक्रम के बल्लेबाज वरुण गौड़ के समय पर लगाए गए। नाबाद अर्धशतक की बदौलत, मौजूदा चैंपियन हैदराबाद ने अखिल भारतीय बुचीबाबू क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा। फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन टीएनसीए अध्यक्ष एकादश के खिलाफ पहली पारी में 23 रनों की बढ़त के आधार पर हैदराबाद ने खिताब बरकरार रखा। यह मुकाबला आज ड्रॉ पर समाप्त हुआ। जैसे-जैसे अंतिम दिन का खेल आगे बढ़ा, हैदराबाद ने अपनी पकड़ बनाए रखी और घरेलू टीम की खिताब जीतने की किसी भी संभावना को भुनाने के लिए शुरुआती झटके देने की जरूरत थी। घरेलू टीम के गेंदबाजों ने जल्दी-जल्दी पांच विकेट चटकाए, जिसके बाद वरुण हैदराबाद के लिए संकटमोचक बनकर उभरे। 10 ओवर में एक विकेट पर 14 रन और 37 रनों की कुल बढ़त के साथ हैदराबाद ने 29.4 ओवर में 70 रन पर पांच विकेट जल्दी गंवा दिए, जिसके बाद वरुण ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को संभाला। उन्होंने मैच का अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा, जो पहली पारी में उनके 67 रनों के बाद और भी ज्यादा महत्वपूर्ण था। स्पिनर पी विद्युत और हेमचुदेशन के शानदार प्रदर्शन से घरेलू मैदान पर संभावित जीत की संभावनाएं बढ़ गईं।

चिंकारा पोलो कप (6 गोल) जयपुर और कांग्निवेरा पोलो टीमें जीती

जयपुर, 9 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर आज दो पोलो मैच खेले गए। पहला मैच जयपुर टीम ओर गोहिलवर्ड के बीच खेला गया जिसमें जयपुर ने गोहिलवर्ड को 3 के मुकाबले 8 गोल से हराया। जयपुर टीम की ओर से लांस वाटसन और धनखड़ ने 2-2 गोल, अंगद कलान ने अपनी टीम के लिए 4 गोल किए। वहीं गोहिलवर्ड की ओर से प्रणव कपूर ने 2 ओर जयवीर सिंह गोहिल ने 1 गोल किया दूसरा मैच वी पोलो टीम ओर कांग्निवेरा के बीच खेला गया जिसमें कांग्निवेरा ने वी पोलो टीम को 4 के मुकाबले 9 गोल से हराया। कांग्निवेरा टीम की ओर से आर्यमन और साबिर गोदारा ने 1-1 गोल, शमशीर अली ने 2, बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 5 गोल किए। वहीं वी पोलो की ओर से मुकेश सिंह और गंजोला ने 1-1 गोल, सलीम आज़मी ने 2 गोल किए पर अपनी हार टाल नहीं सके।

भरतपुर रेल टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थान का चयन जल्दी करें-मुख्यमंत्री

उत्तर-पश्चिम रेलवे अधिकारियों को रतलाम-डूंगरपुर परियोजना की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तेज करने के निर्देश

जयपुर, 9 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान में रेलवे नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य में रेलवे परियोजनाओं के विस्तार से न केवल आवागमन सुविधाजनक होगा, बल्कि स्थानीय उद्योग, कृषि और रोजगार को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में शर्मा ने रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और भरतपुर में प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरतपुर रेल टर्मिनल के निर्माण से किसानों, व्यापारियों और औद्योगिक इकाइयों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थल का चयन संयुक्त निरीक्षण के आधार पर जल्द किया जाए, जिससे परियोजना की गति प्रभावित न हो।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और भरतपुर में प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल प्रगति की समीक्षा की।

शर्मा ने उत्तर-पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से रतलाम-डूंगरपुर परियोजना की वस्तुस्थिति पर विस्तृत जानकारी ली और भूमि अधिग्रहण की

■ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मंगलवार को सीएमओ में दोनों परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की।

प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, राज्य सरकार और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संबंधित जिलों के कलेक्टर भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

गोविन्द पारीक मुख्यमंत्री के ओएसडी बने

गोविंद पारीक

जयपुर, 9 सितम्बर (कासं)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त पूर्व निदेशक डॉ. गोविंद

■ लम्बे समय तक राजकीय सेवा में रहने के बावजूद वे विवादों से दूर रहे हैं।

पारीक को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विशेषाधिकारी (ओ.एस.डी.) नियुक्त किया गया है।

ज्ञातव्य है कि गोविंद पारीक ने अपने लंबे कार्यकाल में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। वे सबसे लंबे समय तक जयपुर के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी रहे। विशेष बात यह रही कि लंबे समय तक राजकीय सेवा देने के बावजूद, वे विवादों से दूर रहे और हर सरकार में उन्हें सम्मानजनक पदों पर कार्य करने का अवसर मिला। पत्रकारों को साथ लेकर चलने और सरकार की नीतियों व योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने की उनकी शैली सराही जाती रही है। पारीक दूरदर्शन और आकाशवाणी केन्द्र में भी लंबे समय तक उद्घोषक के रूप में सक्रिय रहे। डॉ. पारीक ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अलावा, हरदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में गेस्ट फैकल्टी के रूप में भी सैकड़ों नवागुंतक पत्रकारों को प्रशिक्षित करने का भी सराहनीय कार्य किया।

एन. डी. ए. के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समिति (बीआरएस) ने भी चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। पार्टी ने कहा कि यह निर्णय राज्य के किसानों की "यूरिया की कमी की पीड़ा" के कारण लिया गया है।

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने कहा, "पिछले 20 दिनों से बीआरएस राज्य और केन्द्र सरकारों को यूरिया की कमी के बारे में चेतावनी दे रही है। इसके बावजूद उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। तेलंगाना के 71 लाख किसानों के साथ एकजुटता दिखाने और उक्त विरोध के रूप में बीआरएस ने उपराष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है। अगर नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) का विकल्प होता, तो हम वही चुनते।"

बीआरएस के पास राज्यसभा में चार सांसद हैं दामोदर राव दिवकोंडा रेड्डी, बी. पार्थसारथी रेड्डी, के.आर. सुरेश रेड्डी, और रवि चंद्र वड्डिराजु। लोकसभा में पार्टी का कोई सांसद नहीं है। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने भी उप-राष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं लिया। पार्टी ने कहा कि केन्द्र सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार से उन्हें राज्य में आई "अभूतपूर्व बाढ़" से निपटने में कोई सहायता नहीं मिली। पार्टी ने 'एक्स' पर लिखा, "पंजाब और पंजाबी हमेशा हर संकट की घड़ी में राष्ट्र के साथ खड़े रहे हैं। लेकिन आज स्वयं पंजाबी अप्रत्याशित बाढ़ के कारण एक गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। राज्य का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पानी में डूबा हुआ है, घर और फसलें पूरी तरह से नष्ट हो चुकी हैं।" "न तो राज्य सरकार और न ही केन्द्र सरकार ने किसी भी तरह से पंजाबी जनता की सहायता की है। इस संकट से आम पंजाबी और विशेष रूप से सिक्ख बिना किसी सरकारी मदद के लड़ रहे हैं।" पूर्व केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल एसएसडी की एकमात्र सांसद हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदाता मंडल में कुल 788 सदस्य हैं, राज्यसभा के 245 और लोकसभा के 543 सदस्य। राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य भी मतदान के पात्र हैं।

वर्तमान में, राज्यसभा की 6 सीटें और लोकसभा की 1 सीट रिक्त होने के कारण, कुल 781 सदस्य मतदाता मंडल में शामिल हैं। इस चुनाव में बहुमत का आंकड़ा 391 है। एनडीए के पास लोकसभा में 293 सांसद और राज्यसभा में 129 सदस्य हैं, जबकि विपक्षी इंडिया गठबंधन को लगभग 325 सांसदों का समर्थन प्राप्त है।

विपक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरह भाजपा को मदद करने के लिए मतदान से अलग रहे।

राहुल गांधी, जो मलेशिया में विदेश दौरे पर थे, समय पर लौट आए और उन्होंने वोट डाला। लोकसभा और राज्यसभा के सभी विपक्षी सांसदों ने भी वोट दिया। भले ही भाजपा ने अपने उम्मीदवार को जिता लिया हो, लेकिन पिछली बार की तुलना में उसके घटते वोट उसकी स्थिति का अलग ही संदेश दे रहे हैं। कई दल भाजपा से दूरी बना रहे हैं और कुछ मजबूरी में उसके साथ बने हुए हैं। तेलुगु देशम पार्टी और भाजपा के बीच गहरे मतभेद की खबरें पार्टी नेताओं ने दी हैं। यह विवाद जल्द ही खुलकर सामने आ सकता है।

ब्लूटूथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीएस चौहान ने कहा कि आरोपी ने संगठित नकल गिरोह में शामिल होकर परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग किया है इसलिए उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इन्कार कर दिया है।

पंजाब के लिए 1600 करोड़ रु. की मदद का एलान किया मोदी ने

चंडीगढ़, 09 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित पंजाब में प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। पीएम मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया, जो 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है।

पंजाब और उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राज्य के सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक गुरदासपुर पहुंचे। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। उन्होंने राज्य में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लिया। गुरदासपुर में पीएम मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति की समीक्षा के लिए गुरदासपुर में एक आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता की। पंजाब में विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 51 हो गई है। जबकि 1.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। पंजाब सरकार ने राज्य में आई बाढ़ के कारण 13,000 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया है।

नेपाल में जन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब नेपाल की सेना इस बेकाबू हिंसा को रोकने और किसी वैकल्पिक सरकार की व्यवस्था करने की कोशिश कर रही है। यह जनविरोध अचानक भले ही प्रतीत होता हो, लेकिन यह वर्षों से बनते आ रहे असंतोष का विस्फोट है, जिसकी जड़ें नेपाल के राजा और उनके परिवार की सामूहिक हत्या और उसके बाद की अव्यवस्था में हैं।

देश में समय-समय पर विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं, लेकिन युवा पीढ़ी सत्ता के लिए हो रही परिवारवादी राजनीति और भ्रष्टाचार से थक चुकी थी। घटनाओं ने तब करवट ली, जब युवा वर्ग का धैर्य जवाब दे गया। सरकारी नेताओं और उनके परिवारों की स्विट्ज़रलैंड, ब्रिटेन और दुबई में मौज-मस्ती की तस्वीरों ने आग में घी डाल दिया। जैनरेशन ज़ी कहलाने वाली इस युवा पीढ़ी ने सोशल मीडिया के माध्यम से विरोध शुरू किया, लेकिन सरकार ने इस पर कठोर दमनात्मक कार्रवाई की, जिसमें उन्नीस प्रोफेसरों की मृत्यु हो गई। इससे जनआक्रोश और अधिक उग्र हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हर प्रकार के सरकारी प्रतीकों को निशाना बनाया। सरकारी दफ्तरों को जलाया गया, नेपाल के सुप्रीम कोर्ट को भी नहीं बख्शा गया। मंत्रालयों पर हमला कर उन्हें तोड़ा-फोड़ा गया, और कुछ मामलों में नेताओं को निर्दयता से मार डाला गया। पूर्व राजनीतिक नेताओं से लेकर वर्तमान सरकार के सदस्यों तक, सभी पर हमले हुए हैं,नेपाल की संसद को प्रदर्शनकारियों ने अपने कब्जे में ले लिया है।

नेपाल के प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आवास समेत कई मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया, जिनमें मंत्री गुरुङ का घर भी शामिल था। कई कैबिनेट मंत्रियों ने या तो इस्तीफा दे दिया या फिर इस्तीफे की घोषणा की, यह कहते हुए कि सरकार प्रदर्शनकारियों की समस्याओं को नज़रअंदाज़ कर रही है। नेपाल कैबिनेट में प्रधानमंत्री सहित कुल 25 मंत्री हैं।

गृह मंत्री रमेश लेखक, जो गठबंधन सरकार में नेपाली कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते थे, ने सोमवार को हुई हिंसक झड़पों के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। मंगलवार को कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल ने एन.टीवी को बताया कि वे भी इस्तीफा देंगे क्योंकि "ऐसे हालात में सरकार में बने रहना संभव नहीं है।" इसी तरह, युवा एवं खेल मंत्री तेजू लाल चौधरी और जल मंत्री प्रदीप यादव ने भी इस्तीफा दिया। चौधरी ने बताया कि सरकार को युवाओं की समस्याओं की जानकारी थी, लेकिन उसने उन्हें नज़रअंदाज़ किया। सांसद असीम शाह ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेता शेखर कोइराला ने अपने करीबी मंत्रियों को इस्तीफा देने का निर्देश दिया है। दिन की शुरुआत में काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने राजधानी में सुबह 8:30 बजे से अगले आदेश तक कर्फ्यू की घोषणा की थी। काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर जिलों में कर्फ्यू लागू किया गया।

शुक्रवार को सरकार के साथ पंजीकरण न कराने के कारण 26 सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। सोमवार को काठमांडू में भारी विरोध प्रदर्शन हुए, जब हजारों युवाओं, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल थे, ने "जैन ज़ी" के बैनर तले संसद के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए, जिसमें तत्काल प्रतिबंध हटाने की मांग की गई।

एयर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हवाई अड्डे को बंद किये जाने के मद्देनजर काठमांडू के लिए और वहां से आने वाली अपनी सभी उड़ानें फिलहाल निलंबित कर दी हैं। काठमांडू के लिए सेवा देने वाली तीसरी कंपनी स्पाइसजेट ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

'धर्म परिवर्तन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्ता पक्ष ने निर्दलीय विधायकों के समर्थन से ध्वनिमत से विधेयक पारित करा लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे जन भावनाओं का सम्मान और समाज की रक्षा का संकल्प करार दिया है। मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि प्रदेश में धर्मांतरण के मामलों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, खासकर बांसवाड़ा, अलवर जैसे जिलों से। इसलिए सरकार ने कठोर कानून लाकर इस पर निर्णायक कार्रवाई करने का रास्ता चुना है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों के बाद अब राजस्थान भी उन राज्यों की सूची में शामिल हो गया है, जहां जबरन धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए कठोर कानूनी प्रावधान प्रभावी रूप से लागू हो चुके हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600